हिन्दी दैनिक
जन-जन की वाणी...
सोन वर्षा वाणी
औरंगाबाद, आरा एवं रांची से प्रकाशित
शुक्ल पक्ष, उत्तराषाढ़ा, विक्रम संवत् 2081
• औरंगाबाद • बुधवार • 01 जनवरी 2025 • वर्ष 27 • अंक 25 • पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 2.00

HAPPY NEW YEAR 2025

MODERN ENGLISH SCHOOL

Affiliated To C.B.S.E, New Delhi, Up To 10+2

कुंतीनगर, नवादा (बिहार) - 805110

CBSE की 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा-2024 में भी मॉडर्न बना जिला टॉपर्स

Highly Qualified & Experienced Teachers
Best of Play Area
Massive Campus Area
Well Equipped labs & Wi-Fi Campus
Multipurpose Library, Hall
Special Emphasis on Culture, Sports & Co-Cirucular Activities
Safe Transport Facility Available
Time to Time Science Exhibition
Interactive Smart Class
Educational Tours
Separate Chemistry & Physics Lab

ADMISSION NOW OPEN
2025-2026
NUR. TO IX th

अच्छी पढ़ाई एवं अनुशासन... बिहार एवं झारखंड के
सर्वश्रेष्ठ स्कूलों में से एक मॉडर्न

CHAMPIONS - 2024
GOLD MEDALISTS (HANDBALL)
MODERN ENGLISH SCHOOL, KUNTI NAGAR, NAWADA (BIHAR)

मॉडर्न इंग्लिश स्कूल में आपका स्वागत है!

हमारे स्कूल में हम न केवल शिक्षा पर, बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास पर भी विशेष ध्यान देते हैं। यहाँ विद्यार्थियों को एक मजबूत बौद्धिक आधार मिलता है, साथ ही उनकी सामाजिक, मानसिक और शारीरिक विकास को भी प्रोत्साहित किया जाता है।हमारी शिक्षा का उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि हम अपनी सांस्कृतिक धरोहर और मूल्यों पर भी जोर देते हैं, ताकि बच्चों में भारतीय संस्कृति की गहरी समझ और सम्मान का भाव उत्पन्न हो।हमारे अनुभवी शिक्षक, आधुनिक शिक्षण विधियाँ और सुविधाजनक वातावरण सुनिश्चित करते हैं कि हर छात्र का समग्र और संतुलित विकास हो।हमारा मानना है कि शिक्षा के साथ-साथ बच्चों की हर पहलू में प्रगति महत्वपूर्ण है। मॉडर्न पब्लिक स्कूल में हम यही सुनिश्चित करते हैं, ताकि हर बच्चा भविष्य में सफलता की नई ऊँचाइयों को छुए। **हमारे साथ जुड़िए, एक उज्जवल भविष्य की ओर!**

For Further Information, Contact Us :

Call : 9472963916, 9798223976, 8002265601

कामवाली बाई के चक्कर में छोटी बहन को मारा

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा जिला के हिलसा थाना क्षेत्र के ब्लॉक कॉलोनी में एक विवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। मायके वालों ने महिला के पति पर हत्या कर फांसी के फंदे से लटका देने का आरोप लगाया है। परिजन ने आरोप लगाया है कि मृतक महिला के पति का एक अन्य महिला के साथ अवैध संबंध चल था। जिसको लेकर उसने घटना की अंजाम दिया है। मृतका की पहचान पुनपुन थाना क्षेत्र के धुपतपुर गांव निवासी इंद्रदेव चौधरी की बेटी कलामती देवी (35) के रूप में की गई है। घटना को लेकर मृतका की बहन सीमा देवी और अन्य परिजन ने बताया कि कलामती की शादी साल 2009 में पटना जिला के नौबतपुर थाना क्षेत्र के देउरा गांव निवासी लक्ष्मण चौधरी से हुई थी।

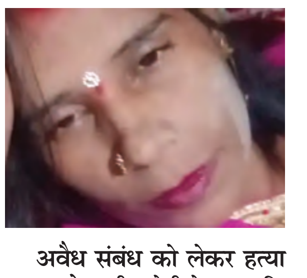

अवैध संबंध को लेकर हत्या का आरोप: सीमा देवी ने बताया कि लक्ष्मण चौधरी एसडीओ कार्यालय में डाटा ऑपरेटर का काम करता है। दोनों दंपती का एक 10 साल का बेटा भी है। छह महीने पहले लक्ष्मण चौधरी का एक अन्य महिला के साथ अफेयर हो गया। महिला का नान पूनम देवी है, जो झाड़ू-पोछा का काम करती है। जानकारी मिलने के बाद कलामती इसका विरोध करती थी। पत्नी के विरोध को लक्ष्मण चौधरी हमेशा अनसुना करता था और दोनों के बीच अक्सर लड़ाई भी होती थी। 15 दिन पहले भी वो फांसी लगाने जा रही थी। तभी बगल के रहने वाले एक आदमी ने देख लिया, जिसके बाद शोर मचाने पर उस दिन वो बच गई। वहीं, रविवार की रात पुलिस से सूचना मिली कि उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। जानकारी मिलने के बाद जब हमलोग मौके पर पहुंचे तो देखा कि कमरे में काफी ऊंचाई पर नई रस्सी से बहन का शव लटका हुआ है। नीचे दो प्लास्टिक की कुर्सी रखी हुई है। जिसे देखने के बाद ऐसा लग रहा था कि उसकी हत्या करके घटना को आत्महत्या का रूप देने के लिए उसे फांसी से लटका दिया गया है।

♦ मृतका की बहन बोली- जीजा का झाड़ू-पोंछा करने वाली से था अफेयर, SDO ऑफिस का कर्मचारी है आरोपी

पति और महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ: हिलसा थाना अध्यक्ष अभिजीत कुमार ने बताया कि इस मामले में मृतका के पति लक्ष्मण चौधरी और महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अब तक कोई लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। बता दें कि परिजन पहुंचने के बाद महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद शव को लेकर परिजन पटना के लिए रवाना हो गए। बताया जाता है कि मृतक महिला का मायका और ससुराल पटना जिला में है। वो अपने पति के साथ हिलसा थाना क्षेत्र के ब्लॉक कॉलोनी में ऑफिस क्वाटर में रहती थी।

पांच लाख दहेज के लिए जबरन जहर पिला विवाहिता की हत्या

निज संवाददाता। नालंदा

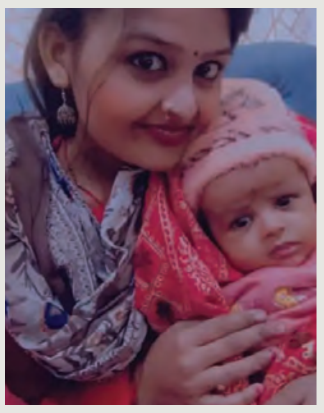

लहेरी थाना अंतर्गत लहेरी मोहल्ला के संगतपर टोला में सोमवार को 5 लाख दहेज के लिए विवाहिता की जबरन जहर पिलाकर हत्या कर कर दी गई। मृतका विक्की कुमार की पत्नी पूजा कुमारी थीं। घटना की सूचना पाकर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर, जांच की। ससुराल के लोग घटना को खुदकुशी बता रहे हैं। मृतक एक बच्चे की मां थीं। 8 दिसंबर 2022 को उसकी शादी हुई थी। पश्चिम चंपारण जिला के चनपटिया थाना क्षेत्र के अगुनाहा पोखर टोला निवासी मृतका के पिता गुरु गोविंद दास और चाचा अमन दास ने बताया कि शादी के बाद दामाद व अन्य ससुराली परिवार पांच लाख रुपए की मांग कर रहा था। मांग पूरी नहीं होने पर बेटी को प्रताड़ित किया जा रहा है। एक बच्चे को जन्म देने के बाद ससुराली परिवार की प्रताड़ना और बढ़ गई। रविवार को जबरन जहर पिलाकर बेटी की हत्या कर दी गई। मोहल्ले वासियों से मायके के परिवार को घटना की सूचना मिली। जिसके बाद परिवार के लोग बेटी के ससुराल पहुंचे। दामाद व्यवसाय करता है। थानाध्यक्ष रंजीत कुमार रजक ने बताया कि ससुराली परिवार घटना को खुदकुशी बता रहे हैं। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

क्वार्टर फाइनल में पहुंची एफसी बारा व मगध यूनाइटेड की टीम

गया। शहर के गांधी मैदान स्टेडियम में चल रहे द्वितीय डॉ. फरासत हुसैन मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट में सोमवार को दो मैच खेले गए। पहला मैच फुटबॉल एकेडमी बारा और बोधगया 11 के बीच खेला गया। यह मैच काफी रोमांचक रहा। दोनों टीमें एक दूसरे के गोल पोस्ट में गेंद को भेदने का भरपूर प्रयास किया, पर सफलता नहीं मिली। मैच के 24 वें व 28 वें मिनट पर फुटबॉल एकेडमी बारा टीम के खिलाड़ी मोमुनूल मलिक ने दो गोल कर टीम को बढ़त दिलायी। सेकंड हाफ में भी बोधगया 11 की टीम ने एक भी गोल नहीं किया। वहीं बारा टीम के खिलाड़ी मो. नजमुल ने मैच के 69 वें मिनट पर गोल कर टीम का स्कोर 3-0 किया। अब क्वार्टर फाइनल में नवादा 11 हुगली से भिड़ेंगी। दूसरा मैच मगध युनाइटेड फुटबॉल एकेडमी व चाकंद स्पोर्टिंग क्लब के बीच खेला गया। इस मैच में मगध यूनाइटेड की टीम ने कड़े संघर्ष के बाद एक शून्य से जीत हासिल की। मैच के 33वें मिनट पर मगध यूनाइटेड की ओर से एक जोरदार किक मार शिव उरांव ने गोल किया।

पूरा नहीं हो सका ऑटोमेटेड टेस्टिंग ट्रैक का निर्माण

गया| गया में ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए फील्ड की जगह ड्राइविंग टेस्टिंग ट्रैक की व्यवस्था लागू किए जाने का प्रयास परिवहन विभाग द्वारा पिछले तीन वर्षों से किया जा रहा है। लेकिन, पिछले तीन वर्षों से गया में ऑटोमेटेड टेस्टिंग ट्रैक के निर्माण का कार्य अधर में लटका हुआ है। इस वर्ष भी इस टेस्टिंग ट्रैक का निर्माण पूरा नहीं हो सका है। ऑटोमेटेड ट्रैक बन जाने के बाद दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को ड्राइविंग टेस्टिंग ट्रैक पर वाहन चलाने की क्षमता दिखानी होगी। एमवीआई द्वारा परीक्षण की कसौटी पर खरे उतरने वाले आवेदकों को ही लाइसेंस निर्गत किया जाएगा। वर्तमान में शहर के गांधी मैदान स्थित चर्च के समीप उबड़-खाबड़ जमीन पर ड्राइविंग टेस्ट लिया जाता है। जानकारी हो कि तीन वर्ष पूर्व ही जिला प्रशासन द्वारा ऑटोमेटेड टेस्टिंग ट्रैक के निर्माण के लिए जिला परिवहन कार्यालय के समीप गया-टिकारी मुख्य मार्ग पर 85 डिसमिल भूमि आवंटित की गई थी। परिवहन विभाग द्वारा गया जिला में ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्टिंग ट्रैक के निर्माण के लिए बनाए गए डीपीआर में इस पर करीब 70 लाख रुपए खर्च होने का अनुमान है।

पुलिस को कई उपलब्धियां, कई घटनाओं का खुलासा नहीं कर पाने की भी रही टीस

गया। पुलिस महकमा के लिए साल 2024 कुछ मामले में उपलब्धी भरा रहा, तो कई ऐसे मामले भी अनसुलझे रह गए हैं, जिनका खुलासा नहीं कर पाने की टीस आने वाले साल 2025 में रहेगी। गया पुलिस की ओर से चलाये जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत चोरी अथवा गुम हुए बाइक व मोबाइल बरामद कर वास्तविक धारकों को देकर सचमुच उनके चेहरे पर मुस्कान लौटाया गया। लेकिन हत्या, चोरी, लूट आदि के कई ऐसे मामलों का उद्भेदन कर पाने में पुलिस विफल है। इसके कारण इन घटनाओं के शिकार परिवार के चेहरे पर पुलिस मुस्कान नहीं लौटा सकी। घटना का शिकार हुआ परिवार अभी भी पुलिस पर न्याय की आस में दिन गुजार रहे हैं। साल 2024 में गया पुलिस ने एक दर्जन से अधिक कुख्यात व इनामी अपराधियों व नक्सलियों को पकड़ने में सफलता पाई है। वहीं डकैती, लूट सहित कई संज्ञेय मामलों का सफल उद्भेदन व संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी सहित जिला लोक अभियोजन की मदद से अपराधियों को कड़ी सजा दिलायी गई। लेकिन कई थाना क्षेत्रों में बंद घरों से हुई चोरी, छिनतई, झपटमारी सहित कई ऐसे मामले हैं, जिनमें पुलिस के हाथ खाली हैं। धरमा डोम व मो. शाहिद की गिरफ्तारी मील का पत्थर शहरी इलाके में राहजनी व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में हो रही चोरी की घटनाओं पर दो अपराधियों की गिरफ्तारी से लगाम लगने की उम्मीद जतायी गई है। फरवरी माह के पहले तक गया स्टेशन आने-जाने वाले लोगों के साथ छिनतई व लूटपाट की वारदात आम हो गई थी। लेकिन फरवरी माह में राहजनी का कुख्यात धरमा डोम की गिरफ्तारी के बाद से इस मामले में कमी आयी है। वहीं अबगिल्ला के मो. शाहिद उर्फ पप्पू उर्फ कनिया की गिरफ्तारी से शहर की बंद दुकानों में होने वाली चोरी पर ब्रेक लगने की उम्मीद है।

आज रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम से पुराने साल की विदाई और नए साल का स्वागत

राजगीर| पर्यटन स्थल में पुराने साल की विदाई और नए साल का स्वागत की पूरी तैयारी है। होटलों ने भी पूरी तैयारी कर रखी है। होटल तथागत अशोक में 31 दिसंबर की रात प रंगारंग संस्कृति कार्यक्रम एवं गाला डिनर एवं 1 जनवरी को विशेष रूप लंच की व्यवस्था की गई है। फ्रंट ऑफिस मैनेजर अनिरुद्ध बसु ने बताया कि सभी तैयारियां पूरी की कर ली गई है। म्यूजिकल ग्रुप द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ा गया है।

नीरपुर पंचायत के पूर्व मुखिया रत्नेश कुमार का निधन

सिलाव| नीरपुर पंचायत के पूर्व मुखिया रत्नेश कुमार का सोमवार को 74 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह कुछ समय से बीमार चल रहे थे और उनका इलाज पटना के एक निजी अस्पताल में चल रहा था। रत्नेश कुमार ने उन्होंने 1978 से लेकर 2015 तक पंचायत का प्रतिनिधित्व किया। उनके पीछे उनके पुत्र अवधेश कुमार, शिव कुमार, पंकज कुमार और एक भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। वर्तमान में, उनकी पुत्रवधू कुमारी सविता पंचायत की मुखिया हैं। पूर्व मुखिया के निधन पर पैक्स अध्यक्ष विजय कुमार, इंद्रजीत कुमार, पूर्व मुखिया अनिल सिंह, मुखिया शीलम देवी, पूर्व मुखिया रंजीत कुमार, चंद्रमणि प्रसाद और सतेंद्र प्रसाद ने शोक व्यक्त किया है।

गैरमजरूआ जमीन को कराया अतिक्रमण मुक्त

सिलाव। नगर पंचायत क्षेत्र के सिलाव मौजा में गैरमजरूआ जमीन को बांस बल्ला से घेरकर अस्थायी रूप से कब्जा किया जा रहा था। जिसे बुलडोजर की मदद से सोमवार को कब्जा मुक्त कराया गया। बता दें कि दखल कब्जा किये जाने की सूचना पर सीओ द्वारा जमीन को कब्जा मुक्त कराने के लिए शनिवार को नोटिस चस्पाया गया था। कब्जा करने वाले को साक्ष्य के साथ अंचल कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने को कहा गया था। किसी के द्वारा पक्ष नहीं रखने के बाद जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। सीओ आकाशदीप सिन्हा ने बताया कि मौजा सिलाव के थाना नं 420, खाता 253, खेसरा 1449, रकबा 54 डिसमिल गैरमजरूआ मालिक भूमि को अवैध तरीके से बांस गाड़कर कब्जा किया गया था। जिसे बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि बाजार के निकट एक अस्सी गबडा नामक तालाब है। इसपर भी कुछ लोगों द्वारा अवैध कब्जा कर लिया गया है। इसे भी जल्द कब्जा मुक्त करा लिया जायेगा।

साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़, 3 आरोपी गिरफ्तार

नालंदा। नालंदा के कतरीसराय पुलिस ने मंगलवार को धोखाधड़ी करने वाले साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़ कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरोह सस्ते ब्याज दर पर ऑनलाइन लोन देने का झांसा देकर लोगों को ठगने का काम कर रहा था। राजगीर डीएसपी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने छापेमारी कर पिन्टू कुमार (26 वर्ष), विकांत कुमार (31 वर्ष) और सोनू कुमार (25 वर्ष) को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से दो लैपटॉप, 14 मोबाइल फोन, छह एटीएम कार्ड, पांच सिम कार्ड, छह चेकबुक और 1 लाख 20 हजार 200 रुपए कैश बरामद किए गए।

पर्सनल लोन के नाम पर विज्ञापन देकर बनाते थे शिकार: जांच में सामने आया कि गिरोह के सदस्य धनी इंस्टेंट पर्सनल लोन के नाम पर विज्ञापन देकर लोगों को अपना शिकार बनाते थे। बरामद मोबाइल फोनों की जांच से पता चला है कि आरोपियों के खिलाफ विभिन्न राज्यों में कई शिकायतें दर्ज हैं। थानाध्यक्ष सत्यम तिवारी ने बताया कि गिरोह के दो अन्य सदस्य रोशन कुमार और पप्पू कुमार फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। सभी आरोपी कतरीसराय के रहने वाले हैं और इनका आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसे फर्जी लोन ऐप्स और विज्ञापनों से सावधान रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दें।

ओटीए में समाप्त हुई एससीओ व टीईएस की प्रशिक्षण सेवा

निज संवाददाता। गया

गया स्थित ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी को 18 जुलाई 2011 को भारतीय सेना द्वारा तीसरी पूर्व-कमीशन प्रशिक्षण अकादमी के रूप में स्थापित किया गया था। इसकी औपचारिक शुरुआत 14 नवंबर 2011 को पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल वीके सिंह द्वारा विधिवत उद्घाटन के बाद की गई थी। यहां सेना के टेक्निकल इंट्री स्कीम(टीईएस) और स्पेशल कमीशन ऑफिसर (एससीओ) के तहत चयनित कैडेट्स को प्रशिक्षण दिया जाता था। ओटीए, गया में आठ जून 2024 को 25वां पासिंग आउट परेड आयोजित किया गया। जो यहां टीईएस व एससीओ कैडेट्स के सैन्य अधिकारी बनने से संबंधित अंतिम कार्यक्रम था। इस पासिंग आउट परेड के गवाह उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी बने थे। ओटीए के अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार एक अप्रैल 2024 से ओटीए गया में एक अन्य इंट्री स्कीम के तहत आने वाले कैडेट्स का भी प्रशिक्षण शुरू किया गया। शॉर्ट सर्विस कमीशन के तहत इंट्री पाने वाले भविष्य के महिला एवं पुरुष सैन्य अधिकारियों का प्रशिक्षण भी ओटीए में शुरू किया गया है। बताया गया कि इस इंट्री स्कीम के तहत अब ओटीए, गया में महिला सैन्य अधिकारियों को भी प्रशिक्षित किया जा रहा है।

गया के एसएसपी आशीष भारती का कार्यकाल रहा उत्कृष्ट

निज संवाददाता। गया

गया जिले में अपराधियों पर नकेल कसने के लिए एसएसपी आशीष भारती का कार्यकाल अत्यंत उल्लेखनीय रहा। जनवरी 2023 से 29 दिसंबर 2023 तक उन्होंने कुल 27,368 अपराधियों को गिरफ्तार किया, जबकि 17,000 से अधिक अपराधियों ने पुलिस के दबाव में आकर कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया। एसएसपी के नेतृत्व में पुलिस ने कई बड़े मामलों को सुलझाने में सफलता हासिल की, जिनमें दो प्रमुख अपहरण मामले शामिल हैं। एसएसपी आशीष भारती ने अपने कार्यकाल में दो बड़े अपहरण मामलों को तेजी से सुलझाया। एक मामला नक्सलियों द्वारा कंस्ट्रक्शन कंपनी के मुंशी के अपहरण का था, जबकि दूसरा मामला बेलागंज के अपराधियों द्वारा एक लड़की की मदद से युवक का अपहरण करने का था। दोनों मामलों में पुलिस की तत्परता और सटीक कार्रवाई से अपहृत व्यक्तियों को सकुशल मुक्त कर लिया गया, जिससे पुलिस की कार्यकुशलता को सराहा गया।

धार्मिक और पर्यटन स्थल पर पुलिसिंग का अनुभव: गया जैसे धार्मिक और पर्यटन स्थल पर पुलिसिंग के दौरान एसएसपी आशीष भारती को कई अनूठे अनुभव मिले। पितृपक्ष मेले और बोधगया पूजा महोत्सव जैसे बड़े आयोजनों में सुरक्षा व्यवस्था और वीआईपी मूवमेंट को संभालना एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन इन चुनौतियों का सामना करते हुए उन्होंने पुलिसिंग के कई नए पहलुओं को सीखा। इसके अतिरिक्त, भाकपा माओवादी के शीर्ष नेता प्रमोद मिश्रा की गिरफ्तारी भी उनके कार्यकाल का अहम हिस्सा रही।

गया पुलिस का शानदार प्रदर्शन: एसएसपी आशीष भारती के नेतृत्व में गया पुलिस ने कई महत्वपूर्ण अपराधों को सुलझाया। पुलिस ने 442 हत्या के मामलों, 88 दहेज हत्या, 102 डकैती, 233 लूट, 292 पोक्सो और बलात्कार के मामलों में आरोपियों को गिरफ्तार किया। इसके अलावा, 30 नक्सल गतिविधियों और अन्य गंभीर अपराधों में भी पुलिस ने कार्रवाई की। कुल मिलाकर, 44,368 अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तारी और कार्रवाई के दायरे में लिया। एसएसपी आशीष भारती के नेतृत्व में गया पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान में भी सफलता हासिल की। इस दौरान कुल 8,92,59,400/- की राशि जुर्माने के रूप में वसूली गई, जो पुलिस की सख्त कार्यवाही का परिणाम था।

♦ 27 हजार अपराधियों की गिरफ्तारी, अब डीआईजी पद पर प्रोन्नत; किए कई बड़े काम

नए पद की ओर रुख: अब एसएसपी आशीष भारती को डीआईजी पद पर प्रोन्नत किया गया है और उन्हें बेगूसराय का नया डीआईजी नियुक्त किया गया है। उनकी जगह भागलपुर के एसएसपी आनंद कुमार को गया का नया एसएसपी नियुक्त किया गया है। गया पुलिस ने एसएसपी आशीष भारती के नेतृत्व में किए गए प्रयासों से जिले को अपराध मुक्त बनाने में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं और उनका कार्यकाल गया पुलिस के लिए एक सुनहरे अध्याय के रूप में याद किया जाएगा।

बिहारशरीफ में वेंडिंग जोन की मांग

निज संवाददाता। नालंदा

फुटपाथ व्यापारियों के अधिकारों की लड़ाई एक नए मोड़ पर पहुंच गई है। फुटपाथ संघर्ष मोर्चा ने मंगलवार को अस्पताल चौक स्थित श्रम कल्याण मैदान में एक बैठक की, जिसमें वेंडिंग जोन की स्थापना की मांग को लेकर आवाज बुलंद की। मोर्चा के जिला अध्यक्ष रामदेव चौधरी ने नगर निगम पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रशासन बिहार राज्य पथ विक्रेता कानून स्कीम और नियमावली 2017 का पालन करने में विफल रहा है। "नगर निगम अतिक्रमण के नाम पर फुटपाथ व्यापारियों से अवैध वसूली कर रहा है और पुलिस से उनका उत्पीड़न किया जा रहा है। प्रमुख मांगों में सर्वे किए गए सभी फुटपाथ व्यापारियों को वेंडिंग जोन की सुविधा, पहचान पत्र का वितरण, जीवन बीमा की सुविधा, और प्रधानमंत्री रोजगार ऋण योजना के तहत वित्तीय सहायता शामिल हैं। मोर्चा ने नगर निगम से सर्वे किए गए

व्यापारियों की सूची सार्वजनिक करने की भी मांग की है। **स्थानीय प्रशासन की प्रतिक्रिया का इंतजार:** बैठक में महेंद्र प्रसाद, उमेश पंडित, आनंदी बिन्द सहित कई प्रमुख व्यापारी नेता मौजूद थे। मोर्चा ने चेतावनी दी है कि जब तक वेंडिंग जोन की व्यवस्था नहीं की जाती, व्यापारियों को उनके वर्तमान स्थानों पर व्यापार करने की अनुमति दी जाए। यह आंदोलन बिहारशरीफ के लगभग सैकड़ों फुटपाथ व्यापारियों की आजीविका से जुड़ा है, जिनका भविष्य वेंडिंग जोन की स्थापना पर टिका है। स्थानीय प्रशासन की प्रतिक्रिया का इंतजार है।

गणतंत्र दिवस परेड शिविर में शामिल होंगी गया कॉलेज की दिव्या कुमारी

निज संवाददाता। गया

गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2025 के लिए गया कॉलेज की दिव्या कुमारी का चयन किया गया है। बिहार राज्य से चार स्वयंसेवक चयनित हुए हैं। एनएसएस के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. राजेश कुमार मिश्र ने बताया कि गणतंत्र दिवस शिविर का संचालन एक जनवरी से लेकर 31 जनवरी तक दिल्ली में होगा। इसके जरिए कुशल स्वयंसेवकों को परेड में भाग लेने का मौका मिलेगा। बताया कि दिव्या पिछले एक वर्ष से लगातार परेड और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी कर रही थी। उसने अपना पूरा फोकस, अपनी तैयारी पर रखा। यह उसके मेहनत का ही परिणाम है कि उसे अंतिम रूप से चयनित किया गया। तैयारी से लेकर अंतिम चयन तक काफी उतार-चढ़ाव रहे। चार स्तरों पर प्रतियोगिताओं में सफल होते हुए अंतिम रूप से

चयन होना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। मगध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शशि प्रताप शाही और कार्यक्रम समन्वयक प्रो. ब्रजेश कुमार राय समेत गया कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सतीश सिंह चंद्र ने दिव्या को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

बिहारशरीफ में नए साल पर यातायात में बदलाव

निज संवाददाता। नालंदा

नए साल के जश्न को देखते हुए बिहारशरीफ में यातायात व्यवस्था में अस्थायी बदलाव किया गया है। शहर में 31 दिसंबर से 1 जनवरी तक कुछ मार्गों पर वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। यह कदम शहर में भीड़-भाड़ को कम करने और यातायात जाम से बचने के लिए उठाया गया है। यातायात व्यवस्था में अस्थायी बदलाव में अस्पताल चौराहा से मामू-भगिना तक आवश्यक सेवाओं के वाहनों को छोड़कर सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। शहर में कई जगहों पर ड्रॉप गेट बनाए गए हैं। जहां वाहनों को रोककर यात्रियों को उतारा या चढ़ाया जाएगा।

इन रास्तों पर वाहनों का परिचालन प्रतिबंधित: मामू भगिना से बड़ी पहाड़ी होते हुए अस्पताल चौक तक का मार्ग सभी वाहनों के लिए बंद रहेगा। मोगल कुआ-श्रृंगारहाट से मामू-भगिना की ओर जाने वाले रास्ते पर भी सभी वाहनों का परिचालन प्रतिबंधित रहेगा। बाजार समिति से मामू भगिना आने वाले रास्ते पर भी किसी भी प्रकार के वाहन का प्रवेश वर्जित रहेगा। वहीं, भरावपर से गांधी मैदान अनुग्रह पार्क, पोस्ट ऑफिस रोड होते हुए पुलपर तक वाहन नहीं आएगी।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: ईएल-76-24; दिनांक 30.12.2024; वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (जी), पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन हेतु विद्युत ठेकेदारी का वैध लाइसेंस रखने वाले तथा नीचे वर्णित कार्य को सम्पन्न करने में आर्थिक रूप से सक्षम प्रतिष्ठित निविदादाताओं से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम साथ में उसका स्थान:** आसनसोल मंडल-मधुपुर, बासुकीनाथ, बैद्यनाथधाम देवघर, देवघर जंक्शन, भलुआ, धनपतडीह, गिरिडीह, घोरमारा, जगदीशपुर, जामताड़ा, जोड़ामो, कुमराबाद रोहिणी, कृष्ण बल्लभ सहाय हॉल्ट, ककवारा, महेशमुंडा, मदनकट्टा, मथुरापुर, नरगंजो, रावत गंज में दिव्यांगजन व्यक्तियों के लिए न्यूनतम आवश्यक सुविधा का प्रावधान। **निविदा मूल्य:** रु. 28,55,395.10; **बयाना राशि:** रु. 57,100; **निविदा दस्तावेज की कीमत:** शून्य। **कार्य समापन अवधि:** 09 महीने। **बंद एवं खुलने की तारीख एवं समय:** 24.01.2025 को पूर्वाह्न 11.00 बजे। सम्पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है।

(ASN-286/2024-25)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व मध्य रेल

निविदा सूचना

निविदा सूचना संख्या : ECR/ PROJ/TRL/NBG/ RETENDER, दिनांक : 28.12.2024.

1. कार्य का नाम एवं स्थान : Design, Supply, erection, testing & commissioning of 132KV D/C 3-phase transmission line from GSS Nabinagar to Railway TSS Nabinagar and associated 02 nos. 132KV Line Bays at GSS Nabinagar under Railway Project Danpaur of East Central Railway, 2. कार्य का अनुमानित लागत : ₹41,97,57,454.49/–, 3. निविदा फार्म की कीमत : ₹0.00/–, 4. आवश्यक बयाना राशि : ₹22,48,800/–, 5. निविदा प्रस्ताव जमा करने एवं निविदा खुलने की तारीख एवं समय : निविदा प्रस्ताव जमा करने की प्रारांभिक तारीख दिनाकं : 07.01.2025 निविदा खुलने की तारीख एवं समय : दिनांक 21.01.2025 को 15:00 बजे | 6. बेवसाइट विवरण, नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ पात्रता मानदंड एवं अन्य शर्ते व विवरण की जानकारी प्राप्त की जा सकती है : पात्रता मानदडं एवं अन्य शर्ते व विवरण निविदा प्रपत्र में है जिसे www.ireps.gov.in वेवसाइट पर देखा जा सकता है | 7. पता एवं अन्य जानकारी : मुख्य विद्युत अभियंता/रेल परियोजना/दानापुर कार्यालय जगजीवन स्टेडियम के निकट, खगौल पोस्ट – खगौल जिला – पटना, पिन–801105

उप मुख्य विद्युत अभियंता / पूमरे/दानापुर

पीआर/01803/आरपी/ईएलईसी/टी/24–25/40

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: ईएलडी-300-डब्ल्यूसी-23-2024-25, दिनांक 27.12.2024; वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी, सियालदह, पूर्व रेलवे, कंट्रोल बिल्डिंग, पहली मंजिल, डीआरएम कार्यालय, कैजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **निविदा सं.: ईएलडी-300-डब्ल्यूसी-23-2024-25, कार्य का नाम:** सियालदह मंडल के कृष्णनगर सिटी जंक्शन-लालगोला अनुभाग में 6 अदद मानवयुक्त नॉन-इंटरलॉक्ड एलसी गेट की इंटरलॉकिंग तथा उन्नयन के लिए 25केवी एटी के प्रावधान के संबंध में 25 केवी पीएसआई एवं सम्बद्ध विद्युतीय कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 54,50,187.50; **बयाना राशि:** रु. 1,09,000; **निविदा दस्तावेज की कीमत:** शून्य। **समापन अवधि:** स्वीकृति पत्र जारी करने की तारीख से 12 (बारह) महीने। **बंद होने की तारीख:** 24.01.2025 को अपराह्न 3.00 बजे। निविदा सूचना का विवरण तथा समय-समय पर जारी संशोधनी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। **(SDAH-297/2024-25)**

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: एफ_डीवाईडी_ओएफएफ_ओटी_01_24_25, दिनांक 30.12.2024; उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (उत्पादन), पूर्व रेलवे वर्कशॉप, जमालपुर, जिला-मुंगेर, बिहार, पिन-811214 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए एकल पैकेट प्रणाली में खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। बोलीदातागण सिर्फ बंद होने की तारीख एवं समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियां जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है तथा इस तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्तावों पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नाम:** वैगन पीओएच के लिए बीएसटी, एमटीएस, व्हील शॉप, मशीन शॉप, डीसीएस, बीएफएस, कम्प्रेशर हाउस, एचटीएस, सीआरएस, बीएलसी, बीएसएस, बीटीसी तथा न्यू स्ट्रिपिंग शेड में शॉप की फर्श से एमएस/स्टेनलेस स्टील स्क्रैप, ऑफ कट प्लेटों, कप एवं कोन तथा अन्य लौह सामग्रियों का एक वर्ष के लिए (प्रतिदिन ±30 एमटी) पृथकीकरण तथा संग्रहण तथा ट्रक/ट्रैक्टर (ठेकेदार के वाहन) में लोडिंग तथा शेड के बाहर मनोनित क्षेत्र में रखना एवं उस स्क्रैप का ट्रक/ट्रैक्टर (ठेकेदार के वाहन) (लोडिंग एवं अनलोडिंग) द्वारा एसएसवाई/जमालपुर तक परिवहन। **विज्ञापित मूल्य:** रु. 13,59,725.50। **बयाना राशि:** रु. 27,200। **निविदा दस्तावेज की कीमत:** 0.00। **समापन अवधि:** 12 महीने। **बोली शुरू होने की तारीख:** 06.01.2025। **निविदा अपलोडिंग की तारीख एवं समय:** 27.12.2024 को शाम 05.59 बजे। **प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 20.01.2025 को अपराह्न 3.00 बजे। (MISC-291/2024-25)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं रांची से प्रकाशित

नयी उम्मीदों से भरा यह नया साल मुबारक हो
खुशी की मस्तियों के यह चाल मुबारक हो।
तुम्हारे ख्वाब सभी इस बरस में पूरे हो
दुआएं दिल से तुम्हे, यह साल मुबारक हो।

मालदीव को 14-0 से रौंदा : भारतीय महिला फुटबॉल की सबसे बड़ी इंटरनेशनल जीत-11

डीएम ने की बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 के तहत...10

मूल्य ₹ 2.00

शुक्ल पक्ष, उत्तराषाढ़ा, विक्रम संवत् 2081 • औरंगाबाद • बुधवार • 01 जनवरी 2025 • वर्ष 27 • अंक 25 • पृष्ठ 12

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 77,560	₹90,500

आज का इतिहास

- **1903 :** एडवर्ड VII को भारत का सम्राट घोषित किया गया।
- **2001 :** भारत में कोलकाता का नाम बदल कर कलकत्ता, पश्चिम बंगाल के नाम से पुनर्स्थापित किया गया।

न्यूज बाइट्स

बर्फीली हवाओं ने बिहार में बढ़ाई ठंड

पटना (नि.सं.)। ठंड नहीं पड़ने से निराश हो रहे लोगों के लिए साल के आखिरी दिन ने उम्मीदें जगा दी है। मंगलवार को बिहार में पहली बार दिन में भी ठंड का एहसास हुआ। दिन भर बादल छाए रहे और हिमालय से आनेवाली बर्फीली उत्तर-पछुआ हवा की वजह से कड़ाके की ठंड के आसार जताए जा रहे हैं। नए साल के पहले दिन ही यह देखने को मिलेगा। बुधवार को प्रदेश के ज्यादातर शहरों में सुबह के समय हल्के स्तर का कोहरा छाया रहेगा। वहीं दिन में बादल छाए रहेंगे। हालांकि तापमान में बहुत ज्यादा बदलाव की संभावना फिलहाल नहीं है। मंगलवार को प्रदेश का सबसे गर्म शहर 23.5 डिग्री सेल्सियस के साथ पूर्णिया और सबसे ठंडा शहर सहरसा का अगवानपुर में न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।0.4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई। पटना का अधिकतम तापमान 19.5 और न्यूनतम तापमान 14.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पटना में सुबह से ही बादल छाए रहे। हालांकि, बीच में एक-दो बार कुछ मिनटों के लिए लोगों को सूरज के दर्शन हुए थे। जो सिर्फ दर्शन मात्र थे, उससे मौसम में गर्माहट नहीं आई। लेकिन अधिकतम तापमान में मामूली वृद्धि हुई।

बिहार लोक सेवा आयोग की 70वीं प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने की मांग का मामला

अभ्यर्थियों की मांग को लेकर राज्यपाल से मिला विधायकों का प्रतिनिधिमंडल, कार्रवाई की मांग

निज संवाददाता | पटना

बिहार लोक सेवा आयोग की 70वीं प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर कांग्रेस और माले के विधायकों ने मंगलवार को राजधानी पटना में धरना प्रदर्शन किया। हालांकि इस दौरान उनकी पुलिस के साथ बहस हो गई। जिसके बाद विधायक सड़क पर ही बैठ कर धरना प्रदर्शन करने लगे। विधायकों के इस तरह से प्रदर्शन के बाद मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने उन्हें समझा बुझाकर धरना खत्म कराया। जिसके बाद विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक, मुलाकात के दौरान उन्होंने अभ्यर्थियों के मांग पर बीपीएससी पीटी परीक्षा को रद्द करने के मांग के साथ ही अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बीपीएससी के मुद्दे पर राजभवन का घेराव करने पहुंचे विधायकों के राजभवन के पास पहुंचने पर पुलिस ने विधायकों के प्रतिनिधिमंडल को पुलिस वैन में बैठाकर राजभवन ले गई। राज्यपाल से मुलाकात के दौरान विधायकों ने अभ्यर्थियों की मांग से जुड़ा एक ज्ञापन उन्हें सौंपा। इसके साथ ही उन्होंने दोषी अफसरों पर कार्रवाई करने की भी मांग की।

आयोग को लेना है फैसला

बता दें कि 13 दिसंबर को आयोजित संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की गई थी। बीपीएससी ने बापू परीक्षा परिसर में परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों के लिए फिर से परीक्षा आयोजित करने का आदेश दिया है। दूसरी तरफ छात्र पूरी परीक्षा को रद्द कराने की मांग को लेकर पटना के गर्दनीबाग में धरने पर बैठे हुए हैं। बहरहाल, अब देखना होगा कि छात्रों की मांगों को लेकर सरकार या आयोग क्या निर्णय लेती है।

री-एग्जाम पर बीपीएससी पूरी तरह स्वतंत्र : डिप्टी सीएम

निज संवाददाता | पटना

री-एग्जाम की मांग को लेकर धरना दे रहे अभ्यर्थियों के लिए चिंता बढ़ाने वाली खबर आई है। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस मुद्दे पर कहा कि बीपीएससी (बिहार लोक सेवा आयोग) पूरी तरह स्वतंत्र है और सरकार ने उसे फ्री हैंड दिया हुआ है। उन्होंने कहा कि आयोग स्वयं निर्णय करेगा कि छात्रों के हित में क्या सही है। सम्राट चौधरी मंगलवार, 31 दिसंबर को पूर्व विधायक श्रद्धेय नवीन किशोर सिन्हा की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के बाद लौटते समय डिप्टी सीएम ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए यह बयान दिया। उधर, 70वीं बीपीएससी पीटी परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों का धरना-प्रदर्शन गर्दनीबाग में जारी है। मंगलवार को धरने का 14वां दिन है। अभ्यर्थियों की मांग है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उनकी मुलाकात कराई जाए। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार दिल्ली से पटना लौट चुके हैं, और वे उनसे मिलकर अपनी बात रखना चाहते हैं। छात्रों ने कहा कि जब तक परीक्षा रद्द करने का निर्णय नहीं होता, उनका आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी आवाज को दबाया नहीं जा सकता। सोमवार को अभ्यर्थियों के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य सचिव से मुलाकात की थी, लेकिन बातचीत का कोई ठोस नतीजा नहीं निकला।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण योजनाओं की प्रगति पर समीक्षा बैठक आयोजित

निज संवाददाता | पटना

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग, बिहार की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय के सभा कक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंत्री जनक राम ने की, जिसमें राज्य के सभी क्षेत्रीय उपनिदेशक, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला समन्वयक और विकास मित्र उपस्थित रहे। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य विभागीय योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा करना और इन योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए ठोस रणनीति तैयार करना था। मंत्री जनक राम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और प्रभावशीलता सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि विभाग की प्राथमिकता अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के उत्थान और उनके अधिकारों की रक्षा करना है। इस दौरान आवासीय विद्यालय, छात्रावास, अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के मामलों और महादलित विकास मिशन की योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि अनुसूचित जाति और जनजाति समुदाय के ऐसे बच्चे, जिनका अब तक जन्म प्रमाणपत्र और आधार पंजीकरण नहीं हुआ है, उनका शत-प्रतिशत निबंधन कराया जाए। मंत्री ने विकास मित्रों और जिला समन्वयकों की भूमिका पर विशेष जोर देते हुए कहा कि वे क्षेत्रीय स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन में सक्रिय योगदान दें और जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। इस अवसर पर सचिव दिवेश सेहरा, अपर सचिव गौतम पासवान, मंत्री के आप्त सचिव मनोज कुमार रजक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

सरकार 2025 में और अधिक मेहनत करने के लिए दृढ़ संकल्पित : नरेन्द्र मोदी

नयी दिल्ली(ए.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2024 में उनकी सरकार की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि सरकार वर्ष 2025 में और भी अधिक मेहनत करने तथा विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। श्री मोदी ने माई गोव इंडिया द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर पोस्ट किए गए वीडियो पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा, " सामूहिक प्रयास और परिवर्तनकारी परिणाम! 2024 में कई उपलब्धियां हासिल हुई हैं, जिन्हें इस वीडियो में बहुत ही शानदार ढंग से दर्शाया गया है। हम 2025 में और भी अधिक मेहनत करने और विकसित भारत के अपने सपने को साकार करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

सीएम ने पूर्व विधायक नवीन सिन्हा की पुण्यतिथि पर की श्रद्धांजलि अर्पित

निज संवाददाता | पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज स्व. नवीन सिन्हा स्मृति पार्क, पटना में भाजपा के वरिष्ठ नेता और पटना पश्चिम के पूर्व विधायक स्व. नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा की 19वीं पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने उनकी आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनके योगदान को याद किया। इस अवसर पर राज्य की कई प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं। बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नंद किशोर यादव, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री रेणु देवी, नगर विकास एवं आवास मंत्री और स्व. नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा के सुपुत्र नितिन नवीन, उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा, विधायक अरुण कुमार सिन्हा, विधान पार्षद संजय मयूख, और पूर्व सांसद रामकृपाल यादव ने भी स्व. सिन्हा को श्रद्धांजलि दी। इस कार्यक्रम में वक्ताओं ने स्व. नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा के राजनीतिक और सामाजिक योगदान पर चर्चा की। उन्होंने पटना पश्चिम क्षेत्र के विकास और आम जनता के लिए उनके कार्यों को विशेष रूप से रेखांकित किया। वक्ताओं ने कहा कि स्व. सिन्हा हमेशा जनता के कल्याण के लिए समर्पित रहे और उन्होंने अपने जीवन में उच्च राजनीतिक मूल्यों को बनाए रखा।

संगीत नाटक अकादमी के सौजन्य से 'एकजुट' पटना की प्रस्तुति नाटक 'ढ़कनिया पोखर' का हुआ मंचन

निज संवाददाता | खगौल (पटना)

मंगलवार को नये वर्ष की पूर्व संध्या के अवसर पर अमन कुमार के निर्देशन में नाटक 'ढकनिया पोखर' का मंचन किया गया। कहानी का नाट्य रूपांतरण नीरज कुमार, परिकल्पना अरूण सिंह 'पिन्टु' ने किया। नाटक का उदघाटन पूर्व केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव, पूर्व विधायक आशा सिन्हा व बिहार संगीत नाटक अकादमी के पूर्व उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार त्रिपाठी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। नाटक ढ़कनिया पोखर, गरीब रघुआ की कहानी है जो साग सब्जी बेचकर अपना परिवार चलाता है। लेकिन उसी के गांव के दबंग रंजित सिंह उसका व उसके परिवार का शोषण करता है। परेशान होकर रघुआ बदला लेने का मन में ठान लेता है। दूसरी ओर गांव में गरीबों का हक दिलाने के लिए अनेक प्रकार के संगठन बनता देख रघुआ भी एक संगठन में शामिल होकर बदला लेने का प्रयास करता है। लेकिन समय अनुसार संगठन हिंसा का मार्ग अपना कर राजनीतिक स्वरूप में परिवर्तन होने लगता है। तभी बंद के नाम पर इसमें एक बड़ी घटना को अंजाम देने को कहा जाता है। लेकिन रघुआ को बात समझ में नहीं आती और वह इंकार कर देता है। उसे लगता है कि वह रास्ता से भटक गया है । तब तक बहुत देर ही चुकी थी। कलाकारो में रोहन राज (रंजित सिंह), नीरज कुमार(बालेश्वर सिंह), प्रीतम कुमार (रघुआ),पुजा कुमारी(रघुआ कि पत्नी), सोनू कुमार (लाखन), दीनानाथ गोस्वामी (माखन), ग्रामीण - अजय कुमार, रंजित दास, श्यामाकांत, कामेश्वर आजाद,आदि मौजूद थे। नाटक में संगीत और प्रकाश अंजली शर्मा ने किया।

सीएम ने निवर्तमान और नवनियुक्त राज्यपाल से की शिष्टाचार मुलाकात

निज संवाददाता | पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को राजभवन में बिहार के निवर्तमान राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर और नवनियुक्त राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दोनों राज्यपालों को अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। राजभवन में हुई इस मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने निवर्तमान राज्यपाल आर्लेकर के कार्यकाल की सराहना की और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। नवनियुक्त राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने उनके साथ मिलकर बिहार के विकास में सहयोग करने की उम्मीद जताई। यह मुलाकात बिहार की राजनीतिक और प्रशासनिक दिशा के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि यह नए राज्यपाल के कार्यकाल की शुरुआत का संकेत देती है।

मंत्री प्रेम कुमार ने वन एवं पर्यावरण क्षेत्र में विकास की संभावनाओं पर दिया जोर

निज संवाददाता | पटना

बिहार के सहकारिता एवं वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने तमिलनाडु के गिंडी नेशनल पार्क और अरिग्नार अन्ना जूलॉजिकल पार्क का दौरा किया। इस दौरान उन्हें तमिलनाडु के वन एवं पर्यावरण विभाग की विभिन्न योजनाओं और सफल कार्यप्रणालियों के बारे में जानकारी दी गई। मंत्री का स्वागत तमिलनाडु के प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्रीनिवास रेड्डी और अन्य अधिकारियों ने किया।

डॉ. प्रेम कुमार ने तमिलनाडु में लागू किए गए 'कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी' (सीएसआर) और 'कॉर्पोरेट एनवायरनमेंट रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीईआर) मॉडल की प्रशंसा की और इन्हें बिहार में लागू करने की दिशा में ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए।

उन्होंने वर्ल्ड बैंक और अन्य अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा संचालित योजनाओं पर भी चर्चा की और इन योजनाओं को बिहार में लागू करने की संभावनाओं पर जोर दिया। मंत्री ने तमिलनाडु सरकार की कार्यप्रणाली को 'सर्वश्रेष्ठ प्रथाएं' बताते हुए बिहार में इन्हें अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यह भी कहा कि इन सफल योजनाओं और मॉडलों को अपनाकर बिहार में वन एवं पर्यावरण क्षेत्र में विकास को गति दी जा सकती है।

बिहार होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष बने कन्हैया

पटना (नि.सं.)। बिहार होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन का पुनर्गठन 27 दिसंबर को गर्दनीबाग स्थित संजय गांधी स्टेडियम में एक आमसभा के दौरान किया गया। इस सभा की अध्यक्षता एसोसिएशन के वरिष्ठ सदस्य निर्मल कुमार तिवारी ने की। सभा में सर्वसम्मति से संगठन के नए पदाधिकारियों का चुनाव किया गया, जिसमें कन्हैया राय उर्फ झलक बाबा को अध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा, निर्मल कुमार तिवारी और बीरेंद्र कुमार को एसोसिएशन का उपाध्यक्ष, सुधीश कुमार को महासचिव, प्रह्लाद ठाकुर और शैलेंद्र कुमार सिंह को सचिव के पद पर नियुक्त किया गया। नरेन्द्र कुमार सिंह, देवेंद्र सिंह और जितेंद्र कुमार मधुकर को संयुक्त सचिव के रूप में कार्यभार सौंपा गया। वहीं, संगठन के अन्य महत्वपूर्ण पदों पर भी नियुक्तियां की गईं। दिनेश पासवान, सुनील कुमार दुबे, चंद्रभूषण उपाध्याय और सागर यादव को संगठन सचिव बनाया गया, जबकि हरिशचंद्र सिंह को कोषाध्यक्ष, पिंटू कुमार और विजय कुमार झा को कार्यालय सचिव और अलख रंजन उर्फ गुल्लू को अंकेक्षण नियुक्त किया गया। इसके अतिरिक्त, 11 अन्य लोगों को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में शामिल किया गया। यह जानकारी एसोसिएशन के नवनियुक्त अध्यक्ष कन्हैया राय ने मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

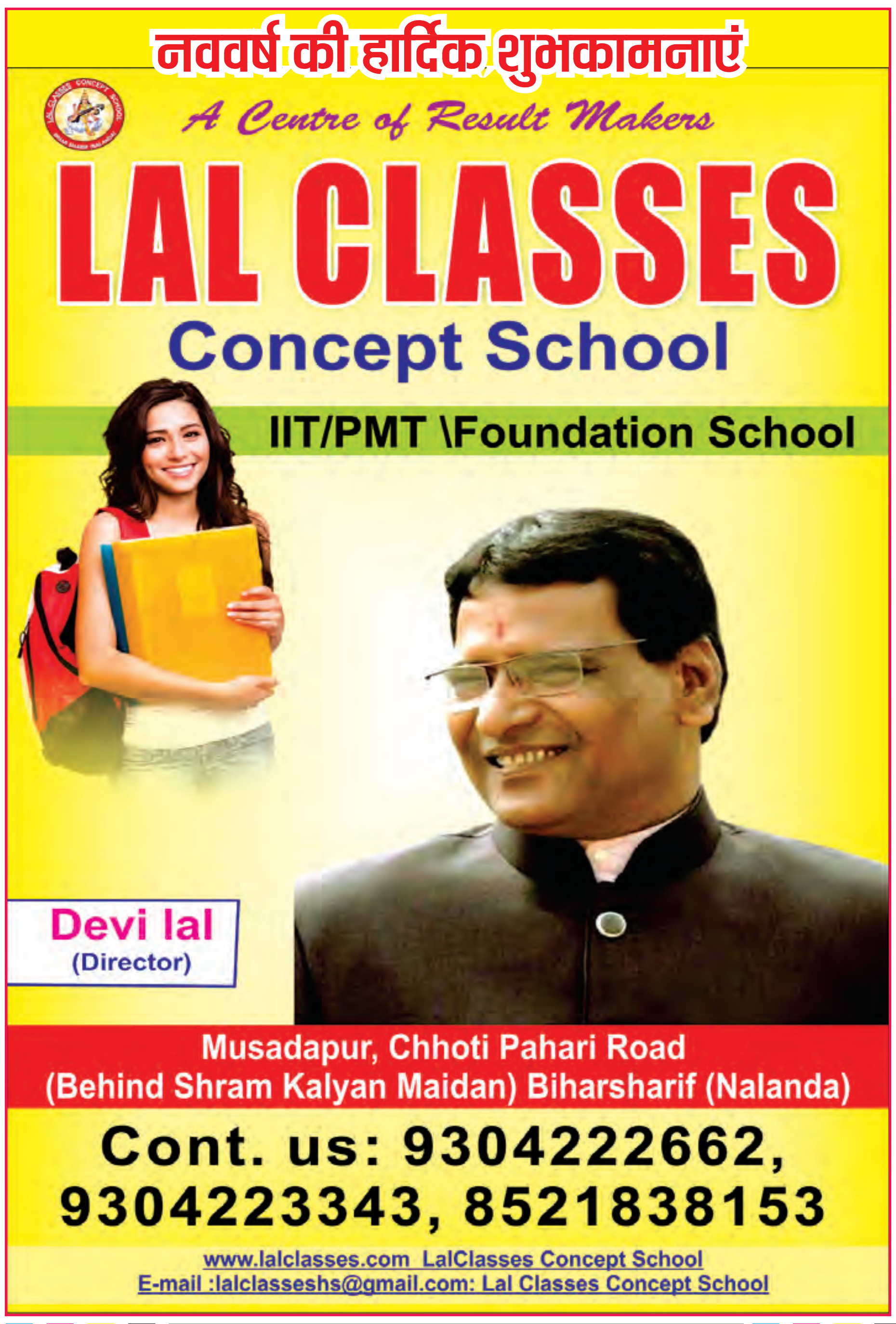

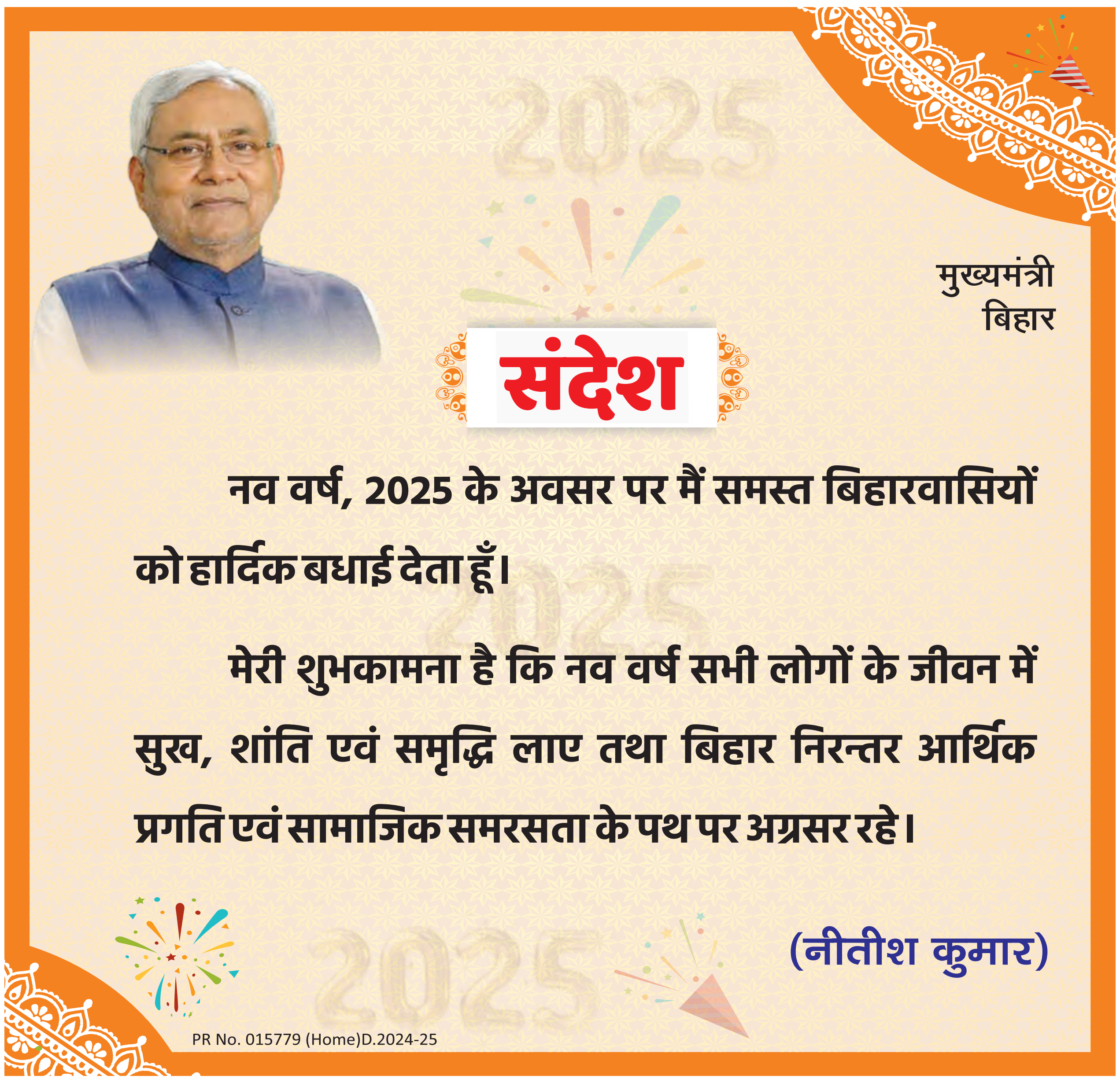

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

वाहनों से वसूला गया साढ़े तीन लाख जुर्माना

कोईलवर। यातायात पुलिस व स्थानीय कोईलवर पुलिस ने सोमवार को नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों से साढ़े तीन लाख जुर्माना वसूला है। ट्रैफिक डीएसपी मनोज कुमार सुधांशु के नेतृत्व में कोईलवर सिक्सलेन पुल से लेकर मनभावन मोड़ तक अवैध पार्किंग, ओवर स्पीड व गलत लेन में चलने वाले कुल 12 वाहनों से पचास हजार रुपये का ऑनलाइन चालान काटा है। दूसरी तरफ कोईलवर थाना पुलिस ने पिछले दो दिनों में दो दर्जन से अधिक वाहनों से करीब तीन लाख का चालान काटा है। कोईलवर थानाध्यक्ष नरोत्तम चंद्र ने बताया कि सकड्डी टोल प्लाजा से लेकर मनभावन मोड़ एवं आरा छपरा मोड़ से लेकर राजापुर के बीच तक विपरीत लेन, ओवर स्पीड व अवैध पार्किंग में खड़े दो दर्जन से अधिक वाहनों पर तीन लाख रुपया का जुर्माना लगाया गया है। ट्रैफिक डीएसपी मनोज कुमार सुधांशु ने कहा कि यातायात नियमों का अनुपालन नहीं करने वाले वाहनों पर लगातार कार्रवाई जारी है। महाजाम से निजात दिलाने के लिए यातायात पुलिस प्रयास में लगी है। इस दौरान वाहन चालकों के बीच अफरा तफरी मची रही।

एसपी ने किया थाने का औचक निरीक्षण

आरा। एसपी श्रीराज ने सोमवार को टाउन थाना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में एसपी ने लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन, सीसीटीएनसी अद्यतन रिपोर्ट, शराब के खिलाफ अभियान और रात्रि गश्ती व्यवस्था को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। थाना सिरिस्ता के अभिलेखों की जांच कर खामियों को सुधारने पर जोर दिए। एसपी ने कहा कि थाना में रजिस्टर्ड एफआईआर का त्वरित निष्पादन किया जाए।

1015 वाहनों से 3 लाख 34 हजार 500 का जुर्माना

आरा। भोजपुर पुलिस ने जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में वाहन चेकिंग के क्रम में 1015 वाहन मालिकों से पुलिस ने 3 लाख 34 हजार 500 रुपया जुर्माना वसूला। वही पुलिस ने समकालीन अभियान चलाकर विभिन्न थाना क्षेत्रों से अलग-अलग मामले में कुल 37 लोगों को गिरफ्तार किया है। एसपी श्रीराज ने प्रेस रिलीज जारी कर बताया कि भोजपुर पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में समकालीन अभियान चलाकर 70.90 लीटर देशी शराब को जब्त कर 6075 लीटर महुआ पाश को विनष्ट किया है।आरोपियों और अवैध शराब के खिलाफ पुलिस की करवाई निरंतर चलता रहेगा। किसी भी कीमत पर पुलिस अपराध और अवैध शराब की तस्करी को बर्दाश्त नहीं करेगी। आरोपियों के पकड़े जाने पर पुलिस द्वारा कठोर करवाई भी किया जा रहा है। फरार चल रहे 37 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

डीआरसीसी में पहले दिन 117 अभ्यर्थियों की काउंसलिंग

आरा। बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण विशिष्ट शिक्षकों को जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र (डीआरसीसी) धनुपरा में औपबंधिक नियुक्ति-पत्र दिया गया। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी रमेश कुमार पाल ने बताया कि 206 अभ्यर्थियों को काउंसलिंग के लिए बुलाया गया था। पहले दिन 117 अभ्यर्थियों का काउंसलिंग हुआ। दो अभ्यर्थी का काउंसलिंग ओटीपी नहीं आने से नहीं हो सका। सोमवार को पहले दिन 87 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। सात जनवरी तक सक्षमता-दो के एक्सक्लूसिव टीचर की काउंसलिंग होगी। 9 से 16 जनवरी तक टीआरई-थ्री की काउंसलिंग जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र में होगी। काउंसलिंग की सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। कर्मियों की प्रतिनियुक्ति भी कर दी गई।

कुर्की के वारंटी गिरफ्तार

आरा। टाउन थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर माननीय न्यायालय के द्वारा निर्गत कुर्की के वारंटी शीतल टोला के निवासी छोटका बबूआ उर्फ बड़का बबूआ उर्फ अमरजीत भाई पटेल पिता गोविन्द प्रसाद, अर्जुन कुमार पिता गोविन्द प्रसाद को आरोपी के घर से गिरफ्तार कर लिया। बिंद टोली मोहल्ला के भुअर ठाकुर पिता रामपुकार ठाकुर को उसके घर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

मनरेगा योजना में भ्रष्टाचार का आरोप, जांच की मांग

आरा। प्रखंड के मथुरापुर पंचायत में मनरेगा योजना में बिना कार्य कराए ही पैसा निकासी का आरोप लगाया गया है। जिसको लेकर मथुरापुर निवासी अजय कुमार ने कोईलवर प्रखंड के मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी को आवेदन देकर जांच की मांग की। शिकायतकर्ता अजय कुमार ने मथुरापुर पंचायत में मनरेगा योजना में बिना कार्य कराए ही पैसा निकासी का आरोप पंचायत के मुखिया, रोजगार सेवक व पीटीए के ऊपर लगाया है। दिए आवेदन में उन्होंने कहा है कि आक्समानी भगवान के पास सरकारी पोखरा उड़ाही का कार्य योजना कराया गया है। यह कार्य क्षेत्र मथुरापुर में न होकर गीधा पंचायत में पड़ता है जबकि योजना मथुरापुर के नाम से खोला गया है, जो नियमानुसार सही नहीं है। आस्कामनी माई के पास पहले से ही गड्ढा है। उसे ही दिखाकर चार लाख रुपया निकाल लिया गया है। जबकि स्थल पर कोई कार्य नहीं कराया गया है। दूसरी ओर एक अन्य योजना प्राथमिक विद्यालय किशनपुरा से प्राथमिक विद्यालय सुंदरपुर तक रोड के उत्तर दिशा तरफ करहा सफाई का कार्य के योजना में भी जमीन पर कोई कार्य नहीं कराया गया है। इन दोनों योजनाओं की जांच की मांग प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी से की है। इस संबंध में प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी रंजू कुमारी ने कहा योजना में गड़बड़ी की जांच से संबंधित आवेदन मिला है। जांच कराई जाएगी।

विशेषज्ञों ने किसानों को दी कीट प्रबंधन की जानकारी

बक्सर। किसानों को वैज्ञानिकों का साथ मिले तो हरित क्रांति का सपना खेतों में दिखेगा। कुछ इसी उद्देश्य को साकार करने के लिए आत्मा की ओर से सोमवार को संयुक्त कृषि भवन के सभागार में दो दिवसीय कृषक वैज्ञानिक वार्तालाप कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला कृषि पदाधिकारी सह आत्मा के परियोजना निदेशक अविनाश शंकर ने कहा कि वार्तालाप के माध्यम से किसानों की दैनिक समस्याओं का तत्काल समाधान एवं नई तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। मौसम के अनुकूल कृषि की मांग है। इसलिए किसान बीज की किस्म का चयन करते समय इसका विशेष ध्यान रखें। मिट्टी की जांच कराकर बेहतर खेती के लिए किसान बर्मी कंपोस्ट का प्रयोग कर जैविक खेती की ओर अग्रसर हो। उन्होंने कहा कि इस वार्तालाप का मुख्य उद्देश्य एक मंच के माध्यम से कृषक एवं वैज्ञानिक के बीच संवाद कराना है, ताकि संवाद के दौरान रबी मौसम में उगाई जाने वाली फसलों में हो रहे समस्याओं का समाधान किया जा सके। कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अब सभी योजनाओं का कार्यान्वयन ऑनलाइन मोड में कर दिया गया है। इसका लाभ लेने के लिए कृषि विभाग के वेबसाइट www.dbtagriculture.g ov.in पर जानकारी हासिल कर सकते हैं। दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान किसानों ने रबी मौसम संबंधित समस्याओं से वैज्ञानिकों को अवगत कराया। केविके, बक्सर के विशेषज्ञ रामकेवल ने बताया कि फसलों का ससमय प्रबंधन न होने से उत्पादन प्रभावित होता है। आगे उन्होंने रबी मौसम में लगने वाले कीट के प्रबंधन पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। विशेषज्ञ हरगोविंद जायसवाल ने किसानों की समस्याओं का मौके पर समाधान किया। आत्मा की उप परियोजना निदेशक बेबी कुमारी ने कहा कि समयानुसार फसल प्रबंधन बेहद जरुरी है। उन्होंने पोषक तत्वों के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने फसलों में रोग की पहचान कर कृषि वैज्ञानिक या प्रशिक्षित डीलर के सलाह से अनुशंसित मात्रा में कीटनाशक दवा प्रयोग करने की सलाह दी। कार्यक्रम का समन्वय आत्मा बक्सर के रघुकुल तिलक तथा विकास कुमार राय ने किया। वार्तालाप में अनुमंडल कृषि पदाधिकारी शेखर कुमार व शेखर किशोर,आत्माकर्मी सत्येन्द्र राम, दीपक कुमार, त्रिपुरारी शरण मौजूद थे।

ठंढ बढ़ते ही नगर पंचायत में अलाव जलाने की मांग

गड़हनी। 29 दिसंबर से ठंढ बढ़ते ही गड़हनी नगर पंचायत में अलाव जलाने की मांग स्थानीय दुकानदारों ने किया है। व्यवसायी संघ के अध्यक्ष श्रीनिवास यादव ने कहा कि गड़हनी बाज़ार में सैकड़ों दुकानदारों से चुंगी वसूली नगर पंचायत के द्वारा की जा रही है लेकिन दुकानदारों को कोई सुविधा नही दी जाती है। पिछले वर्ष भी अलाव के नाम पर सिर्फ कोरम पूरा की गई थी और इस वर्ष भी वही उम्मीद है। दो दिनों से ठंढ बढ़ गई है लेकिन अभी तक अलाव जलाने की कोई व्यस्था नही की गई है। व्यवसायी संघ मांग करती है कि जल्द से गड़हनी बाजार सहित पूरे नगर पंचायत में अलाव जलाने की व्यस्था की जाए नही तो दुकानदार इसका विरोध करेंगे।

बक्सर में वाहन जांच के दौरान चोरी की बाइक बरामद

निज संवाददाता। बक्सर

◆ पुलिस को चकमा देकर चोर फरार,14 अक्टूबर को दुर्गा पूजा मेले में चोरी हुई थी गाड़ी

बक्सर में ट्रैफिक पुलिस ने वाहन जांच अभियान के दौरान चोरी की एक बाइक बरामद की। लेकिन बाइक चोर पुलिस को चकमा देकर मौके से फरार हो गया। घटना वीर कुंवर सिंह चौक की है, जहां नियमित वाहन जांच के दौरान एक संदिग्ध बाइक सवार को रोका गया। जब उससे वाहन के दस्तावेज मांगे गए, तो वह कागज लाने के बहाने बाइक छोड़कर भाग निकला। बाइक के नंबर की जांच करने पर खुलासा हुआ कि यह वाहन अक्टूबर 2024 में सिमरी थाना क्षेत्र से चोरी हुई थी। बाइक मालिक काजीपुर निवासी विक्की गोड ने 14 अक्टूबर को इसकी चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि दुर्गापूजा मेले के दौरान उनकी और उनके दोस्तों की तीन बाइक गायब हो गई थी। ट्रैफिक प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि जिले भर में चौक-चौराहों पर नियमित वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। फरार चोर की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आरोपी की गिरफ्तारी से अन्य चोरी हुई बाइकों का भी खुलासा हो सकता है। उन्होंने बताया कि चोरी की बाइक बरामद होने की जानकारी विक्की गोड को दे दी गई है। कोर्ट की प्रक्रिया पूरी होने के बाद बाइक मालिक को सौंप दिया जाएगा। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे वाहन जांच के दौरान सही दस्तावेज साथ रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना दें।

15 दिन बाद भी जमीन कारोबारी हत्याकांड का नहीं मिल रहा सुराग

निज संवाददाता। बक्सर

शहर के स्टेशन रोड में हुए जमीन कारोबारी हत्याकांड में पुलिस के हाथ अभी तक खाली है। पुलिस घटना की जांच का दावा कर रही है। पुलिस ने मृतक के दोस्तों समेत कई लोगों से पूछताछ कर चुकी है। बावजूद पुलिस के हाथ हत्या को लेकर कोई सुराग नहीं लगा है। पुलिस कई संदिग्धों से भी पूछताछ कर चुकी है। शहर के मुसाफिरगंज के रहने वाले जमीन कारोबारी ह्दय नारायण यादव घर से निकल कहीं जाने के लिए बाइक से निकले थे। कमलदह पोखरा के समीप उन्होंने अपनी बाइक खड़ी कर दिए। उसी दौरान एक युवक मौके पर पहुंच ताबड़तोड़ गोली मार दी। जमीन कारोबारी मौके पर गिर पड़े। आसपास के लोग तत्काल उन्हें सदर अस्पताल लेकर पहुंचे जहां पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया था। मृतक की पत्नी पूनम देवी ने अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। प्राथमिक पूछताछ में पुलिस को जानकारी मिली कि एक बाइक पर दो युवक मौके पर पहुंच गोली मार दी थी। वारदात को अंजाम देने के बाद बाइक सवार अपराधी अम्बेडकर चौक के तरफ भाग निकले। घटना को लेकर पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला लेकिन अभी तक कोई सुराग पुलिस के हाथ नहीं लगी। टाउन थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। जल्द ही घटना का उदभेदन कर लिया जाएगा। जमीन कारोबारी हत्याकांड में पुलिस मृतक के दोस्तों के साथ घटनास्थल के आसपास के दुकानदारों से पूछताछ कर चुकी है।

रेप कांड के फरार आरोपी के घर हुई कुर्की की कार्रवाई

निज संवाददाता। आरा

नवादा थाना की पुलिस ने कांड संख्या 376/22 रेप कांड के फरार आरोपी के घर की कुर्की की करवाई की गई। आरोपी अभिषेक तिवारी है। वह नवादा थाना क्षेत्र के कोऑपरेटिव कालोनी गोढ़ना रोड के निवासी ओमप्रकाश तिवारी का पुत्र है। अभिषेक तिवारी के ऊपर 2022 में रेप का केस नवादा थाना में दर्ज किया गया था। उसी समय से आरोपी अभिषेक तिवारी फरार चल रहा था। नवादा थाना की पुलिस ने माननीय न्यायालय से कुर्की वारंट निर्गत होने के बाद सोमवार को कुर्की की करवाई किया। केस के अनुसंधान करता खुशबू कुमारी ने बताया गया कि अभिषेक तिवारी रेप कांड का आरोपी है और वर्षों से फरार चल रहा है। माननीय न्यायालय से वारंट निर्गत होने के बाद करवाई की गई। आरोपी के घर से सभी समान को निकाल लिया गया है। बचे हुए कुछ समानों की कुर्की मंगलवार को की जाएगी। करवाई नवादा थाना के थानाध्यक्ष विपिन बिहारी , सदर अंचल के सीओ पल्लवी कुमारी, सतीश कुमार दास और थाना के पुलिस बल के समक्ष किया गया।

यूपी-बिहार सीमावर्ती इलाके में बढ़ाई गई चौकसी

निज संवाददाता। बक्सर

◆ नव वर्ष पर शराब तस्करी को रोकने के लिए चलाया स्पेशल ड्राइव, 24 घंटे वाहनों की हो रही जांच

बक्सर में यूपी बिहार सीमावर्ती इलाके के पास शराब तस्करी रोकने के लिए विशेष चौकसी बरती जा रही है। यूपी से बिहार में प्रवेश करने वाले जगहों पर बनाए गए चेकपोस्ट पर उत्पाद विभाग की टीम यूपी से आने वाली सभी वाहनों का सख्ती से जांच पड़ताल कर रही है। ताकि शराब तस्कर नव वर्ष में शराब की खेप बिहार में ना पहुंचे। दरअसल सूबे में पूर्ण शराबबंदी के बावजूद शराब की तस्करी लगातार की जा रही है। शराब तस्करों के मंसूबे पर उत्पाद और पुलिस की टीम कार्रवाई कर उसके मंसूबे पर पानी फेरते रही है। नव वर्ष को लेकर शराब तस्करी रोकने के लिए बक्सर पुलिस और उत्पाद विभाग लगातार जांच अभियान चला रही है। इसी क्रम में शनिवार को जिले के यूपी सीमा के 5 जगहों पर चेक पोस्ट लगाई गई है। साथ ही वीरकुंवर सिंह चेकपोस्ट पर यूपी से आनेवाली सभी गाड़ियों की तलाशी ली जा रही है। बता दें की चौसा यादव मोड़ मौजूद चेक पोस्ट प्रभारी दिलीप सिंह ने बताया कि नए साल के अवसर पर तस्कर शराब लाने की फिराक में रहते है। इसलिए स्पेशल ड्राइव चलाया जा रहा है। बक्सर में विरकुंवर सिंह नए और पुराने गंगा पुल चेकपोस्ट है। इसके अलावे रामपुर ,यादव मोड़, जेनश्वर मिश्र सेतु,पर चेकपोस्ट बनाया गया है। जहां पर 24 घंटे वाहनों की जांच की जा रही है। साथ ही यूपी से आनेवाले लोगों का ब्रेथ एनलाइजर से जांच किया जा रहा है।

स्मार्ट मीटर पर रोक के मुद्दे पर धरना

निज संवाददाता। आरा

जिला समाहरणालय जेपी स्मारक के पास सोमवार को जनतंत्र आवाज पार्टी ने बिजली विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार और जनता का शोषण, स्मार्ट मीटर लगाने पर तत्काल रोक, स्मार्ट मीटर में सुधार के मुद्दे पर धरना दिया। धरना की अध्यक्षता अजय शर्मा, संचालन रामनारायण शर्मा व धन्यवाद ज्ञापन सुरेश भोजपुरी ने किया। इस दौरान पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह के तैलीय चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। धरना को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज किशोर शर्मा ने कहा कि बिजली विभाग में भ्रष्टाचार चरम पर है। सरकार विगत 10 वर्षों से बिजली मीटर में बदलाव कर उपभोक्ताओं का शोषण कर रही है। सरकार बिजली विभाग के कर्मी व सरकारी विभागों में बिजली मुफ्त में देती है और उसका चार्ज जनता से वसूलती हैं। स्मार्ट मीटर का बिल पूर्व बिजली मीटर के अपेक्षा चार गुना आ रहा है। स्मार्ट मीटर से ऑनलाइन नियंत्रण उचित नहीं है। प्राइवेट कंपनियों की मनमानी समाप्त कर स्थानीय स्तर पर अधिकारी और कार्यालय का व्यवस्था हो। जहां भी मीटर लगाया जा रहा है चौबिसों घंटे 220 वोल्ट विद्युत उपलब्धता की गारंटी हो। प्रतिदिन रुपया काटना बंद हो। बिजली उपयोग के बाद बिल का डीटेल्स जनरेट कर मासिक बिल भुगतान की व्यवस्था हो। धरना के माध्यम से मांगों से संबंधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जानकारी दी कि इन मांगों से संबंधित ज्ञापन प्रधानमंत्री, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री व राज्य ऊर्जा मंत्री को भेजा गया है। मौके पर राजेंद्र गुप्ता, लालबाबू गुप्ता, रामबाबू चौरसिया, सुरेंद्र केसरी, चंद्रशेखर शर्मा, त्रिभुवन शर्मा, अनिल शर्मा आदि थे।

बक्सर के अभिषेक का गणतंत्र दिवस परेड के लिए चयन

निज संवाददाता। बक्सर

दिल्ली में आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस की परेड में बक्सर के गांव घरोही के निवासी अभिषेक कुमार 1 बिहार नेवल यूनिट एनसीसी का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी छवि बनाई है। उन्होंने नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस कैंप (प्रधानमंत्री रैली) में भाग लेकर बिहार के साथ अपने जिले और अपने कॉलेज का नाम रोशन किया। यह कार्यक्रम करियप्पा परेड ग्राउंड में आयोजित किया गया, जहां उन्होंने अपनी अनुशासन और समर्पण की मिसाल पेश की। उनकी इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र में गर्व का माहौल है।अभिषेक कुमार का यह योगदान युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनकी इस सफलता पर उनके शिक्षक, सहपाठी और स्थानीय लोग उन्हें बधाई दे रहे हैं।

टी.पी.एस. कॉलेज में बिहार नेवल यूनिट एनसीसी का छात्र है: घरोही गांव के निवासी अभिषेक के पिता जसपाल सिंह ने बताया की कैडेट अभिषेक कुमार का रेजिमेंटल नंबर:BR23SDN007576 है। जो टी.पी.एस. कॉलेज बिहार नेवल यूनिट एनसीसी का छात्र है। चयन गणतंत्र दिवस परेड नई दिल्ली (आरडीसी कैंप) के लिए हुआ है। वह 29 दिसंबर को नई दिल्ली पहुंच गया है। यह कैंप एनसीसी के सबसे बड़े कैंप में से एक माना जाता है। जो 29 जनवरी को प्रधानमंत्री की रैली के साथ संपन्न होता है। इस कैंप का हिस्सा बनना एनसीसी कैडेट्स के लिए बहुत ही गर्व की बात होती है।

वीकेएसयू में 3 वर्षों से नहीं हुआ सीनेट चुनाव

निज संवाददाता। आरा

विगत तीन साल से वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में सीनेट सदस्यों का चुनाव नहीं हुआ है। निर्वाचित सीनेट सदस्यों का कार्यकाल फरवरी-2021 में ही पूरा हो गया है। हालांकि विश्वविद्यालय ने सीनेट सदस्यों का चुनाव कराने के लिए एक नोडल पदाधिकारी बना दिया है। नए चेहरे चुनाव में भाग्य आजमाने के लिए टकटकी लगाए हुए है। कार्यकाल पूरा होने के बाद आगामी चुनाव के लिए अधिसूचना जारी करने की मांग कई सदस्य विश्वविद्यालय प्रबंधन से कर चुके है। शिक्षकों ने बताया कि छह फ़रवरी-2021 को सदस्यों का कार्यकाल पूरा हो चुका है। एक बार फिर सीनेट के लिए शिक्षक और कर्मचारी कोटे का चुनाव होना चाहिए। गौरतलब हो कि निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल तीन साल का होता है। छह फरवरी-2021 को निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल पूरा हो गया है। काफी लंबे समय के बाद वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में वर्ष-2018 में सीनेट का चुनाव हुआ था। सीनेट में कुल 13 पदों के लिए चुनाव होता है। इसमें 12 शिक्षक और एक कर्मचारी का कोटा है। पीजी जेनरल से एक, एससी और एसटी से एक - एक और कॉलेज से जेनरल पांच, ओबीसी से दो, एससी से एक, एसटी से एक उम्मीदवार होते है। पिछली बार के चुनाव में पीजी कोटा में एससी और एसटी से कोई उम्मीदवार नहीं था। जिस कारण चुनाव नहीं हुआ था। पीजी और कर्मचारी कोटा में दिखेगा नया चेहरा वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में दस वर्ष बाद सीनेट का चुनाव हुआ था। पिछले दफा हुए सीनेट के चुनाव में निर्वाचित दो सदस्य सेवानिवृत हो गये है। इसमें पीजी कोटा से निर्वाचित सदस्य राजनीति विज्ञान के पूर्व हेड प्रो राम रणवीर और कर्मचारी कोटा से निर्वाचित कर्मचारी संघ के नेता चितरंजन प्रसाद सिंह है। अब पीजी कोटा और कर्मचारी कोटा से नया चेहरा चुनाव में दिखेगा। टर्म समाप्त होने के बाद भी चुनाव नहीं होने से नए शिक्षकों के बीच इस बात का मलाल है। सिनेट सदस्य बनने के लिए नए लोगों को मौका नहीं मिल पाएंगा। सिनेट सदस्य विश्वविद्यालय के एकेडमिक, सिंडिकेट एवं फाइनेंस कमेटी सहित अन्य बोर्ड द्वारा लिए गए निर्णय पर अंतिम अनुमोदन करते है। जिसके बाद प्रस्ताव को सरकार के पास भेजा जाता है। सिनेट विश्वविद्यालय का उच्च सदन होता है। दैनिक भास्कर के साथ बातचीत में नोडल पदाधिकारी ने बताया कि सीनेट सदस्यों का चुनाव फरवरी माह के अंत में प्रस्तावित है। अंगीभूत कॉलेजों के शिक्षकों का वोटर लिस्ट तैयार कर लिया गया है। वहीं संबद्ध कॉलेजों के शिक्षकों का वोटर लिस्ट तैयार करना है। नए साल में सीनेट सदस्यों का चुनाव करा दिया जाएगा। मैट्रिक और इंटर की परीक्षा समाप्त होने के बाद छात्र संघ चुनाव भी कराने की योजना बनायी गई है। - डॉ धीरेंद्र प्रसाद सिंह, नोडल पदाधिकारी

चार वर्ष बाद भी नहीं पूरा हुआ बक्सर का विश्वस्तरीय रेलवे स्टेशन बनने का सपना

निज संवाददाता। बक्सर

पूर्व-मध्य रेलवे के 12 प्रमुख स्टेशनों को विश्वस्तरीय बनाने की महत्वाकांक्षी योजना के तहत चार वर्ष बीतने के बावजूद कार्य बक्सर में कार्य शुरू तक नहीं हो सका है। इस योजना के अंतर्गत गया रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के कार्य तेजी से चल रहा है जबकि बक्सर समेत में जल्द कार्य आरंभ होने की अब तक कोई उम्मीद नहीं दिखाई दे रही है। अधिकारी बता रहे हैं कि रेलवे बोर्ड से अब तक बक्सर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की परियोजना को स्वीकृति नहीं मिली है। जबकि 2024 के अंत तक इस परियोजना को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था। पूर्व मध्य रेलवे ने इस परियोजना के तहत दानापुर मंडल के राजेन्द्र नगर और बक्सर, सोनपुर मंडल के मुजफ्फरपुर, बेगूसराय और बरौनी, समस्तीपुर मंडल के दरभंगा, सीतामढ़ी और बापूधाम मोतीहारी, पं. दीन दयाल उपाध्याय मंडल के गया और पं. दीन दयाल उपाध्याय जं. तथा धनबाद मंडल के धनबाद और सिंगरौली रेलवे स्टेशनों का चयन किया था। बक्सर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास पर 400 करोड़ के खर्च का अनुमान बक्सर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए लगभग 400 करोड़ रुपये की लागत तय की गई है। इस परियोजना का उद्देश्य स्टेशन को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस कर यात्रियों को एयरपोर्ट जैसी अनुभूति देना है। सुविधाओं का होगा विस्तार रेलवे स्टेशन को विश्वस्तरीय रूप देते हुए ग्रीन बिल्डिंग में परिवर्तित किया जाएगा। पुनर्विकास के तहत रेन वाटर हार्वेस्टिंग, वाटर रिसाइक्लिंग प्लांट, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और अग्निशमन व्यवस्था की जाएगी। यात्रियों की सुविधा के लिए प्लेटफार्म पर एस्केलेटर और लिफ्ट लगाए जाएंगे, जिससे वरिष्ठ व दिव्यांग यात्रियों को सहूलियत मिलेगी। स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलेगा पूर्व मध्य रेलवे के अधिकारियों के मुताबिक पुनर्विकास के बाद स्टेशन पर यात्री सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। यात्रियों को बेहतर अनुभव के साथ स्थानीय संस्कृति और विरासत का मेल देखने को मिलेगा। पुनर्विकास के उपरांत स्टेशन की क्षमता तीन गुना बढ़ जाएगी, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। स्टेशन के पुनर्विकास की योजना को रेलवे बोर्ड से अब तक स्वीकृत नहीं मिली है। जैसे ही स्वीकृति मिलेगी उसके आधार पर पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा आवश्यक कदम उठाते हुए कार्यारंभ किया जाएगा। -सरस्वती चन्द्र, सीपीआरओ, पूर्व मध्य रेलवे

सोन वर्षा वाणी के 26वें स्थापना दिवस एवं नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

विद्या निकेतन ग्रुप ऑफ स्कूल्स

फ्रांस की राजधानी पेरिस में मिला शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता को सम्मान

शिक्षा पुरुष

Chairman & Managing Director
Suresh Kumar Gupta

विद्या निकेतन

कक्षा – नर्सरी से दशम तक
दाऊदनगर, औरंगाबाद, बिहार

।। संस्कार विद्या ।।
नॉलेज सिटी, नवरतनचक, दाउदनगर (औरंगाबाद)
10+2 तक सीबीएसई नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त

KIDZ WORLD
The Smart Play School
संस्कारपुरम, पटना रोड, दाउदनगर | बाजार ब्रांच व्हाईट हाउस, बिल्डिंग, गर्ल्स मिडिल स्कूल के बगल में बाजार रोड, दाउदनगर

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें:–
6202531532,6202531535, 62025 31537

विद्या निकेतन

दाऊदनगर, औरंगाबाद

कक्षा : नर्सरी से दशम तक

- कुशल एवं अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन में शिक्षण व्यवस्था।
- मैट्रिक परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन।
- आरामदेह वाहन सुविधा।
- सुज्जित साईस एवं कंप्यूटर लैब।
- देश एवं विदेश के सम्मानित पदों पर आसीन एक वृहद पुरातन छात्रों का परिवार
- प्रत्येक वर्ष विद्यालय के पुरातन छात्र-छात्राओं का देश के विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में चयन।

For More Information:
6202531535, 62025 31537, 6202531532

देश के सुविख्यात अस्पतालों के सुप्रसिद्ध डॉक्टरों के द्वारा इलाज की बेहतरीन सुविधा पायें अब दाऊउनगर

Zonett
Health Care
Heartfully Serving Humanity

जोनेट हेल्थकेयर

- Medical Consultation
- Medicine (With Maximum Discount)
- Pathology Test (With High Accuracy & Maximum Discount)
- Life Style Facilitiesm

- देशव्यापी क्राति जिसमें हर बीमारियों से संबंधित डॉक्टरों से इलाज की सुविधा है, जो अब तक बड़े मेट्रो सिटीज में ही सुलभ था, अब आप तक लेकर आ रहा है (Zonett Health care) जोनेट हेल्थकेयर।
- दिल्ली, कलकत्ता एवं बड़े मेट्रो शहरों के सर्वश्रेष्ठ अस्पताल जैसे सर गंगा राम हॉस्पिटल, एम्स, दिल्ली CMRI Kolkata, Apollo Hospital, Medanta Hospital इत्यादि के चुनिन्दे डॉक्टर्स जो अपने विभाग में दक्षता रखते हैं। वे आपके अपने शहर में ही इलाज सुविधा देने आ रहे हैं, जोनेट हेल्थकेयर के माध्यम से।
- हृदय रोग विशेषज्ञ, पेट रोग विशेषज्ञ, जनरल फिजिशियन, मुत्र रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, शुगर (मधुमेह रोग विशेषज्ञ), न्यूरो एवं माइग्रेन रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, फिजियोथेरपीस्ट

पता- रिलायंस ट्रेंड्स बिल्डिंग, उर्मिला गैस एजेन्सी के बगल में, पटना रोड, दाऊदनगर, औरंगाबाद, बिहार

9939871190, 70610 14145

विद्या निकेतन ग्रुप ऑफ स्कूल्स

दाऊदनगर, औरंगाबाद, बिहार

दाऊदनगर की हृदय में ज्ञान की अदभूत् छटा बिखेर विद्या निकेतन ने अपने 45 वर्षों के अनुभव, अनुशासन एवं संस्कारयुक्त ज्ञान को हरेक बच्चों में पिरोया है, जिससे बच्चे न केवल पठन–पाठन अपितु कला–संस्कृति, खेलकूद एवं अन्य गतिविधियों में भी नित्य नए कृतिमान स्थापित कर रहे हैं।

विद्या निकेतन

कक्षा – नर्सरी से दशम तक
दाऊदनगर, औरंगाबाद, बिहार

।। संस्कार विद्या ।।
नॉलेज सिटी, नवरतनचक, दाउदनगर (औरंगाबाद)
10+2 तक सीबीएसई नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त

KIDZ WORLD
Pre-Nursery to Grade Seven
The Smart Play School
संस्कारपुरम, पटना रोड, दाउदनगर, औरंगाबाद

KIDZ WORLD
Pre-Nursery to Grade Two
बाजार ब्रांच
व्हाईट हाउस, बिल्डिंग, गर्ल्स मिडिल स्कूल के बगल में, बाजार रोड, दाउदनगर

Zonett
Health Care
Heartfully Serving Humanity

For More Information
6202531532,6202531535,62025 31537

संक्षिप्त समाचार

वाहन की जांच में पुलिस ने वसूला 6 हजार रु. जुर्माना

हवेली खड़गपुर। खड़गपुर थाना क्षेत्र के मुख्य मार्ग अंतर्गत विभिन्न चौक चौराहों पर खड़गपुर पुलिस टीम ने थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार मिश्रा के नेतृत्व में सघन वाहन जांच अभियान चलाया। 4 वाहनों से 6 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया है। सड़क पर दो, चार पहिया यात्री व मालवाहक वाहनों के चालक व पैदल यात्रियों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया। जबकि नियमों का उल्लंघन कर सड़क पर वाहन परिचालन कर रहे लोगों से नियमानुसार जुर्माना वसूला गया। इस संबंध में खड़गपुर थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि अपराध नियंत्रण, शराब बंदी को लेकर 45 वाहनों की जांच पड़ताल की गई।

जड़ी-बूटियों से भी होगा बंदियों की बीमारी का इलाज

मुंगेर। मुंगेर मंडल कारा के बंदी अब बीमारी में इलाज के लिए औषधीय पौधे का सेवन भी कर सकेंगे। इसके लिए जेल प्रशासन के द्वारा जेल परिसर में हर्बल गार्डेन को तैयार किया जा रहा है। इस गार्डेन में विभिन्न तरह के रोगों में काम आने वाली जड़ी-बूटी के अलावा औषधीय पौधा लगाया गया है। जिसके पत्ते एवं जड़ कई बीमारियों के इलाज में काम आते हैं। जब यह गार्डन पूरी तरह से तैयार हो जाएगा, तभी इससे विभिन्न तरह के रोग को दूर करने के लिए उपयोग किया जा सकेगा। इस हर्बल गार्डेन को जेल अधीक्षक की मौजूदगी में तैयार किया जा रहा है। जबकि इस गार्डेन का निरीक्षण डीएम अवनीश कुमार सिंह भी कर चुके हैं। जिन्होंने इस कार्य की सराहना की थी। औषधीय पौधे से विभिन्न रोगों का होगा इलाज वहीं जेल के अंदर देखरेख करने वाले माली के अलावा जेल अधीक्षक के द्वारा बताया गया कि हर्बल गार्डेन में औषधियुक्त पौधा तैयार किया गया है। उससे गठिया, पथरी, खांसी, गैस, मोटापा, चेहरे पर दाग-धब्बा, बाल उड़ना सहित अन्य तरह की बीमारियों में काम आने वाले पौधे को तैयार किया जा रहा है। इसमें लेमन ग्रास, पोदीना, एलोवेरा, तुलसी, पान सहित अन्य कई प्रकार के जंगली पौधे को लगाया गया है, जो विभिन्न तरह की गंभीर बिमारी में रामबाण की तरह है। इसमें जेल के अंदर रहने वाले बंदियों को फायदा यह होगा कि वे अंग्रेजी दवाओं पर ज्यादा से ज्यादा निर्भर न होकर जड़ी-बूटियों से अपना इलाज कर सकेंगे।

डॉ. रामप्रवेश और डॉक्टर फैजुद्दीन को नई जिम्मेदारी

मुंगेर। सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिन्हा ने सदर अस्पताल के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रामप्रवेश प्रसाद को जिला वैक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी बनाया है। जबकि रक्त अधिकोष के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मो. फैजुद्दीन को जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी बनाया है। सिविल सर्जन ने बताया कि 31 दिसंबर को डॉ. अरविंद कुमार सेवानिवृत्त हो रहे हैं, जिसे लेकर वरीयता के आधार पर डॉ. रामप्रवेश को जिला वैक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी बनाया गया है। वह कुष्ठ नियंत्रण इकाई एवं फाइलेरिया नियंत्रण इकाई के चिकित्सा पदाधिकारी के प्रभार में भी रहेंगे। डॉ. अरविंद कुमार के पास ही जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी का पद प्रभार में था, जिसके कारण उनके सेवानिवृत्त होने पर ब्लड बैंक के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मो. फैजुद्दीन को जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी बनाया गया है। अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. रमन कुमार ने बताया कि डॉ. रामप्रवेश से सप्ताह में एक दिन इमरजेंसी ड्यूटी तथा पुरुष मेडिक वार्ड का राउंड लगाने का अनुरोध किया गया था।

मिल्की एवं मेहरवनाटांड़ गांव में 20 लाख की चोरी

टेटिया बंबर। 48 घंटे के अंदर चोरों ने गंगटा थाना क्षेत्र में दो जगह चोरी की। मिल्की गांव में बीती रात अज्ञात चोरों ने एक घर के दो अलग-अलग कमरे से गोदरेज तोड़कर लगभग 10 लाख रुपए मूल्य के जेवरात की चोरी कर ली थी। इसका सुराग नहीं मिल पाया है। वहीं बीती रात ही टेटिया बंबर थाना क्षेत्र के मेहरवनाटांड़ गांव में भी एक घर में अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम देते हुए लगभग 10 लाख रुपए के जेवरात एवं 1 लाख रुपये नगदी की चोरी कर ली। गृह स्वामी पंकज कुमार ने बताया कि रात में एक कमरे में मैं एवं मेरी पत्नी सोई हुई थी। दूसरे कमरे में मेरा पुत्र सोया हुआ था। उसके बगल के कमरे में ताला लगा हुआ था। जिसे तोड़कर अज्ञात चोर तीन बक्सा उठाकर ले भागे। बक्सा के दूर बहियार में फेंके जाने की सूचना मिली। देखा कि बक्से का सामान बिखरा पड़ा है।

गढ़ी रामपुर गांव से दूसरे दिन भी 297 लीटर शराब की बरामद

मुंगेर। नया रामनगर थाना पुलिस ने गुप्त सुचना पर कार्रवाई करते हुए गढ़ी रामपुर गांव से भारी मात्रा में विभिन्न तरह के विदेशी शराब को बरामद किया है। हालांकि देर शाम तक पुलिस के द्वारा बरामद शराब का मिलान किया जा रहा था। जानकारी के अनुसार पुलिस ने लगभग 297 लीटर विदेशी शराब बरामद की है। इसकी कीमत 3 लाख रुपए से अधिक है। यह बंगाल से लायी गयी है। तस्कर नववर्ष को लेकर शराब लायी है। इसे ऊंची दाम पर बचने की योजना थी। इससे पहले ही पुलिस ने गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए भूसा का ढेर और घर के अंदर से बरामद किया। पुलिस ने चावल रखने वाले छोटे ड्रम से इस बरामद किया। बता दें कि नया रामनगर थाना पुलिस के द्वारा रविवार को भी गढ़ी रामपुर गांव से एक अज्ञात बोलेरो वाहन को ज़ब्त किया गया था। जिसमें शराब की पेटी भरी हुई थी। इस दौरान पुलिस ने वाहन से 23 कार्टन अंग्रेजी शराब ज़ब्त की थी। सोमवार को भी उसी के आसपास एक घर से भारी मात्रा में शराब बरामद की। पुलिस बोलेरो वाहन वाली शराब और सोमवार को जिस घर से शराब बरामद किया गया, उसके कनेक्शन की जांच में जुट गई है।

छत पर कपड़ा डालने गई महिला से अभद्रता

परिजन ने समझाने की कोशिश की, तो आरोपियों ने की मारपीट

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के सबौर में धूप में कपड़ा फैलाने के दौरान महिला के साथ हुई अभद्रता और फिर मारपीट लेकर एक पक्ष की ओर से केस दर्ज कराया गया है। घटना छोटी इब्राहिमपुर की है। बरारी पुलिस को बयान देकर शिकायतकर्ता ने कहा है कि 29 दिसंबर को दोपहर 1 बजे मेरे घर की बहू छत पर कपड़ा डालने गई थी। इसी दौरान बगल के शिव शंकर मंडल, मंटू मंडल और अन्य ने बहू के साथ अभद्र तरीके से बातचीत की। शिकायतकर्ता छोटेलाल ने बताया कि इस दौरान बहू ने शोर मचाना शुरू किया, तो हम लोग छत पर पहुंचे। जब हम लोगों ने आरोपियों को समझाने की कोशिश की, तो वे हम लोगों से उलझ गए। फिर मेरे बेटे मिथिलेश ने डायल 112 को बुला लिया। पुलिस आई, तो समझा-बुझाकर वापस चली गई। शाम को करीब 7 बजे एक बार फिर आरोपी मेरे घर पहुंचे और मारपीट करने लगे। इसके बाद हम लोग इलाज कराने मायागंज अस्पताल आए। यहां घायलों का इलाज चल रहा है, जिसमें से चार लोगों धनेश्वर मंडल, मिथिलेश कुमार, सुभाष मंडल और बिंदु देवी की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

12 लोग घायल, 4 की हालत गंभीर

जानें क्या है पूरा मामला: सबौर थाना क्षेत्र के छोटी इब्राहिमपुर में दो पक्षों के बीच मारपीट हुई थी। मारपीट का वीडियो भी सामने आया था। वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि चंद मिनट में मारपीट हिंसक हो गई थी। दोनों पक्ष एक-दूसरे की पिटाई कर रहे थे। कुछ लोग एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला भी कर रहे थे। मारपीट की इस घटना में दोनों पक्ष के कुल 12 लोग घायल हुए थे। इनमें आठ लोगों को आंशिक रूप से चोट आई थीं, जबकि चार लोग गंभीर रूप से जख्मी हैं। घटना के बाद घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया था, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अब मामले में बरारी पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

संचालन समिति में प्रतिनिधित्व की जिम्मेदारी रोहित बाजोरिया व रामगोपाल पोद्दार को मिली

भागलपुर। श्री रामेश्वर लाल नोपानी सरस्वती विद्या मंदिर के प्रबंध कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक सोमवार को स्कूल कार्यलय में हुई। इसमें स्कूल के आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया गया। महामंत्री रोहित बाजोरिया ने स्कूल में भाई-बहनों की संख्या से कार्यकारिणी सदस्यों को अवगत कराया। संचालन समिति में प्रतिनिधित्व के लिए सर्वसम्मति से रोहित बाजोरिया एवं रामगोपाल पोद्दार को जिम्मेदारी सौंपी। इस दौरान सभी सदस्यों ने स्कूल में हो रहे शैक्षणिक कार्य प्रगति पर संतोष जाहिर किया। बैठक की अध्यक्षता गीता देवी केजरीवाल ने की तो संचालन महामंत्री रोहित बाजोरिया ने किया। मौके पर उपाध्यक्ष राम गोपाल पोद्दार, लक्ष्मी नारायण डोकानिया, बालमुकुंद गोयनका, गोविंद बाजोरिया, प्रो. जगदीश शर्मा, प्रो. विनोद वर्मा, अरुण चोखानी, अभिषेक जैन, गौतम बाजोरिया, निमित गोयनका आदि थे।

मुंगेर में देसी कट्टा के साथ एक युवक अरेस्ट

निज संवाददाता। मुंगेर

मुंगेर जिला अंतर्गत कोतवाली पुलिस ने बीती देर रात पंडित दीनदयाल चौक के पास एक बाइक सवार युवक को गिरफ्तार किया। जिसके पास से पुलिस ने एक देसी पिस्टल और 5 जिंदा कारतूस बरामद किया। इसका खुलासा मंगलवार को कोतवाली थानाध्यक्ष राजीव कुमार तिवारी ने किया। थानाध्यक्ष ने बताया कि सोमवार -मंगलवार की देर रात एक व्यक्ति ने डायल-112 में सूचना दी कि बाजार में एक युवक हथियार के साथ घूम रहा है। इसी सूचना पर क्यूआरटी टीम ने पंडित दयाल चौक के पास बाइक सवार युवक को रोका जब जांच की गई तो उसके पास से हथियार व कारतूस की बरामदगी की गयी। फरार बदमाशों की तलाश में जुटी पुलिसः थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार युवक छोटू कुमार है। वासुदेवपुर थाना क्षेत्र के शामपुर का रहने वाला है। उन्होंने कहा कि पूछताछ के क्रम में बताया कि तीन -चार बाइक के साथ लगभग 7 की संख्या में दोस्तों के साथ नव वर्ष मनाने जा रहे थे। पुलिस फरार व्यक्तियों की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। बता दें कि नए साल के आगमन को लेकर एसपी सैयद इमरान मसूद ने सभी थाना अध्यक्ष को अलर्ट रहने का आदेश दिया गया है।

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना का लक्ष्य पूरा करें: डीएम

भागलपुर। डीएम नवल किशोर चौधरी की अध्यक्षता में जिला व अनुमंडल स्तरीय पदाधिकारियों की प्राथमिकता सूची वाले पेंडिंग कामों के निपटारे की स्थिति की समीक्षा बैठक हुई। इसमें विधि शाखा, जिला विकास, जिला भू-अर्जन, आपूर्ति, आरटीपीएस, मनरेगा, सामान्य शाखा, जिला स्थापना शाखा, जिला पंचायतराज कार्यालय, जिला कोषागार कार्यालय, ग्रामीण विकास, नीलाम पत्र, सामाजिक सुरक्षा, बाल विकास परियोजना, समाज कल्याण, परिवहन, योजना, जिला कल्याण, उद्योग, शिक्षा विभाग से संबंधित प्राथमिकता सूची वाले कामों की समीक्षा की गई।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, औरंगाबाद
(ई0 निविदा पद्धति के अनुसार वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)
पुर्न ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या –22/औरंगाबाद/2024–25

1 विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल, औरंगाबाद।
2 निविदा आमंत्रित करने की तिथि : दिनांक 26.12.2024
3 परिमाण विपत्र बिक्री (डाउनलोड करने की) तिथि एवं समय : दिनांक 10.01.2025 से 31.01.2025 को अपराहन् 3:00 बजे तक।
4 परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : केवल बेवसाइट www.eproc2.bihar.gov.in पर
5 निविदा प्राप्ति (अपलोड) करने की तिथि एवं समय : दिनांक 10.01.2025 से 31.01.2025 को अपराहन् 3:00 बजे तक।
6 निविदा खोलने की तिथि एवं समय (तकनीकी बीड) : दिनांक–04.02.2025 को 3:00 बजे अप0 तक (On Website www.eproc2.bihar.gov.in)
7 निविदा खोलने की तिथि एवं समय (वितीय बीड) : तकनीकी बीड के उपरांत केवल Website www.eproc2.bihar.gov.in पर
8 प्री बीड मीटिंग की तिथि, समय एवं स्थान : (i) दिनांक–02.01.2025 को अपराहन 3:00 बजे तक कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल, औरंगाबाद के कार्यालय कक्ष। (ii) दिनांक–03.01.2025 को अपराह्न 3:00 बजे अधीक्षण अभियंता, भवन अंचल गया के कार्यालय कक्ष में।
9. निविदा प्राप्ति का स्थान : (i) कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल, औरंगाबाद का कार्यालय। (ii) अधीक्षण अभियंता, भवन अंचल गया का कार्यालय। (iii) मुख्य अभियंता(द0) भवन निमार्ण विभाग पटना का कार्यालय
10. निविदा वैधता की तिथि : 120 दिन
11. कार्य विवरणी:–

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0 में)	बीड प्रोसेसिंग चार्ज एवं सर्विस टैक्स (अप्रत्यर्पणीय)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	रफीगंज प्रखंड अतर्गत दो पंचायत–कजपा, लट्टा(तेमुडा) में पंचायत सरकार भवन का निर्माण कार्य विद्युत कार्य सहित (250.23129 लाख x 2)	500.46258	10,00,100/-	10,000.00	As per website	12 माह
2	हसपुरा प्रखंड अंतर्गत दो पंचायत–अमझरषरीफ, कोइलवाँ (चनहट), में पंचायत सरकार भवन का निर्माण कार्य विद्युत कार्य सहित (250.23129 लाख x 2)	500.46258	10,00,100/-	10,000.00	As per website	12 माह
	कुल	1000.92516 लाख				

12. विस्तृत जानकारी के लिए यह निविदा आमंत्रण सूचना वेबसाईट :–www.eproc2.bihar.gov.in/ state.bihar.gov.in/prdbihar पर देखा जा सकता है, अथवा अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में कार्य दिवस की कार्य अवधि में सम्पर्क किया जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमंडल, औरंगाबाद

PR. No.015898 (BCD) 2024-25

विस्तृत जानकारी www.state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।

संपूर्ण सुरक्षा केन्द्र में आएँ, नि:शुल्क एच.आईवी. व यौन जनित रोग जाँच एवं उपचार पाएँ।

Jharkhand Bijli Vitran Nigam Limited
(CIN:U40108JH2013SGC001702)
Electric Supply Area, Medininagar
Regd. Office :By Pass Road, Sudna, Medininagar,822102 email:-gm_mdnjseb@yahoo.in/ Telephone:-06562-295539

Short Tender e-Procurement E-NIT Notice for Line Materials Under O&M Head for F.Y. 2024-25.

Online tenders are invited from reputed and experienced manufacturers having adequate manufacturing capacity & best testing facilities or authorized dealers/financially sound & reputed supplier firms authorized such principal manufactures for supply of the materials conforming to standard specification for the supply of under mentioned line Materials at Central store Daltonganj & Garhwa under O&M Head.F.Y 2024-25.
Online tenders should be submitted online on www.jharkhandtenders.gov.in

SL No	E-NIT No	Gr.	Name of Materials	unit	Approx Qnty.	Cost of Tender Document With GST (Non-Refundable) (in RS)	Earnest Money (in Rs) L.S 2% of estimated cost
1	263/PR/JBVNL/2024-25	i	2.5 mm2 copper 2 core control cable (Armoured)	Mtr	1100	Rs 11800/-	Rs 129730/-
		ii	2.5 mm2 copper 4 core control cable (Armoured)	Mtr	1100		
		iii	2.5 mm2 copper 6 core control cable (Armoured)	Mtr	900		
		iv	2.5 mm2 copper 10 core control cable (Armoured)	Mtr	1100		
		v	2.5 mm2 copper 12 core control cable (Armoured)	Mtr	1100		
		vi	Rubber Mat along with length of pannel	No	25		
		vii	Al. Pipe 40 mm dia	Mtr	150		
		viii	Connector pipe to Panther	No	44		
		ix	Connector panther to Panther	No	44		
		x	Connector Panther to AB Switch	No	44		
		xi	Connector pipe to AB Switch	No	70		
		xii	Connector dog to AB Switch	No	78		
		xiii	Male female connector 33 KV 3 AB Switch(600-630AMP)	Set	37		
		xiv	Male female connector 11 KV 3 AB Switch (600AMP)	Set	31		
		xv	Male female connector 11 KV 3 AB Switch (400AMP)	Set	31		
		xvi	PG Clamp for 80/100mm2 conductor	No	300		
		xvii	PG Clamp for 232/150mm2 conductor	No	200		
		xviii	LT Phase seprator	No	700		
		xix	T/C Fuse wire 12/14/16/18/22/28/32 SWG	Kg	500		
		xx	Earthing complete connventional type having intermitted layer of charcol	Set	43		
		xxi	Al. winding wire	Kg	79		
		xxii	Earthing (chemical) with G.I Earthing pipe 40 mm 3.1 mtr long	Set	420		
		xxiii	G.I Stay set comp for D/S/S (1900x40mm2)	Set	390		
		xxiv	Anticlamping device (Barbed wire) 2x12 SWG	Kg	1300		
		xxv	G.I Wire No-6/8/10	Kg	1700		
		xxvi	11 KV G.I Stay Set(1800x16mm) with stay wire 7/10	Set	322		
		xxvii	Earthing(Chemical) with G.I Earthing pipe 20 mm 2.5vmtr long	Set	67		
		xxviii	G.I Stay set comp for D/S/S (1900x16mm)	Set	140		
		xxix	G.I Service pipe 40 mm diameter 3 mtr length	Set	250		
		xxx	LT Stay set comp (1700x16mm) with stay set wire 7/12	Set	300		
		xxxi	G.I Stay wire 7/16	Kg	1000		
2	264/PR/JBVNL/2024-25	i	33 KV isolator 400 Amp 3 phase with earth switch	Set	13	Rs 5800/-	Rs. 70810/-
		ii	33 KV isolator 630 Amp 3 phase with earth switch	Set	11		
		iii	33 KV Fuse set	Set	18		
		iv	11 KV Fuse set	Set	28		
		v	33 KV (B &s type) Disc insolater with fitting (90 KN) Polymer tope	Set	500		
		vi	11 KV (B&s type) Disc insolater with fitting (70 KN) Polymer tope	Set	1500		
		vii	11 KV (B&s type) Disc insolater with fitting (45 KN) Polymer tope	Set	1000		
		viii	33 KV Polymer type pin insulator (10 KN) with G.I Pin Nuts & Washer)	Set	500		
		ix	11 KV Polymer type pin insulator (5 KN) with G.I Pin Nuts & Washer)	Set	4000		
		x	33 KV Post insulator (10 KM) Polymer)	Set	38		
		xi	LT Pin insulator with pin (Porcelene type)	Set	600		
		xii	LT Shackle insulator with strap (Porcelene type)	No	600		
3.	265/PR/JBVNL/2024-25	i	G.I Base plate 33 KV	No	50	Rs 5800/-	Rs 39590/-
		ii	D.P Channel support clamp(1.1 Kg)	Set	340		
		iii	Earth Clamp for earth wire (1.8 Kg)	Pair	284		
		iv	M/s Nuts & Bolts(Different Size)	Set	3100		
		v	Angle/side stay clamp	Pair	518		
		vi	33KV V Cross arm	No	50		
		vii	33KV Pole top bracket	No	50		
		viii	33 Back Clamp for V cross,top	Pair	100		
		ix	33KV V Cross arm	No	150		
		x	11KV Pole top bracket	No	150		
		xi	11 Back Clamp for V cross,top	Pair	300		
		xii	11KV Line DP Chennel (41.3Kg)75x40x6mm	No	60		
		xiii	Back Clamp for V,top,DP (3Kg)	Pair	500		
		xiv	Channel for Transformer Base 100x50x6 (52.63Kg)	No	50		
		xv	Channel for Transformer HG Fuse set 75x40x6 mm(	No	50		
		xvi	Transformer Belting50x50x6mm with support 40x40x6mm (52.3Kg)	Set	50		
		xvii	Clamp for DSS 59x6mm (3.2Kg)	No	150		
		xviii	LT angle bracket50x50x6mm	No	300		
		xix	LT Back clamp for LT angle 50x6mm	Pair	300		

1. Availability of tender document on website	:-	Date 02.01.2025 time 10:00 Hrs
2. Start Date and time for submitting e-tender	:-	Date 02.01.2025 time 10.00 Hrs
3. Last Date and time of submission of E Tender Towards Cost of BOQ & EMD/Documents etc.	:-	Date 17.01.2025 time 15.00 Hrs
4. Date and time of opening of tender(Techno - Commercials Cover) i.e Cover-I)	:-	Dated 20.01.2025 at 15:00 Hrs

1. Guideline for online submission of bids can be downloaded from the website http:// jharkhandtenders.gov.in.
2. Interested bidders can download the bid from the website http:// jharkhandtenders.gov.in. Bidder have to produce the original Demand Draft towards tender fee & EMD as mentioned in E-NIT to the Manager(F&A), Electric Supply Area, Medininagar and collect the money receipt before the cut off date & time as mentioned in E-NIT failing which bid will not be accepted. The details of cost of documents. EMD specified in the tender documents should be the same as submitted online(scanned copies) otherwise tender will similarly be rejected.
i. Tender Notice is also available on our website: www.juvnl.in. ii. For any clarification please contact : - 9835574043.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

PR 343302 (Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd) 24-25 (D)

Sd/-
General Manager
Electric Supply Area, Medininagar

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा

आवश्यक सूचना
(चोरी गई हिरो स्पलेण्डर प्लस मोटरसाईकिल)

गढ़वा थाना कांड सं0–687/24 दिनांक–18.12.24 धारा–303(2) बी0एन0एस0 में चोरी गयी हिरो स्पलेण्डर प्लस मोटरसाईकिल जिसका रजि0 नं0–JH14K-3794 इंजन नं0–HA11E8PHH71690 एवं चेचिस नं0– MBLHAW227PHH52519 का अज्ञात अपराधकर्मी द्वारा चोरी कर लिया गया है। जिसकी बरामदगी अबतक नहीं हो पाई है। अतः आम जनता से अनुरोध है कि उक्त चोरी गयी वाहन के बारे में किसी प्रकार की सूचना किसी व्यक्ति को प्राप्त हो तो पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), गढ़वा के मो0नं0–9431706284, या पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के मो0नं0–9431706281 पर सूचित करने की कृपा करें।

निवेदक,
पुलिस अधीक्षक, गढ़वा

PR 343341 Police(24-25)#D

Jharkhand Bijli Vitran Nigam Limited
CIN:U40108JH2013SGC001702)
Office of the General Manager-Cum-Chief Engineer,
Electric Supply Area, Medininagar

e-TENDER NOTICE

e-tender in two parts (Part-I Technical and Commercial and Part-II Price Part) is invited from the reputed tenderers having good experience of following same type of Civil Works and having sound financial status.

Sl. No.	NIT No.	Name of work	Estimated cost (In Rs.)	Earnest money to be deposited (In Rs.)	Cost of BOQ (non refundable) (In Rs.)	Time for completion
1	266/PR/JBVNL/2024-25	Repair and Maintenance of control room building and allied civil works of 33/11 KV PSS Tukbera under Electric Supply Circle, Daltonganj.	Rs 6,55,310.00	Rs 13,150.00	1250.00+225.00 (GST 18%) = 1475 .00	03 Month
Availability of tender document on website			02.01.2025 2:00 PM to 21.01.2025 at 5:00 PM			
Last date and time for bid submission/uploading			21.01.2025 at 5:00 PM			
Date and time for opening of Tender Part-I (Technical and Commercial)			22.01.2025 at 05:30 PM			
Date and time for opening of Tender Part-II (Price Part)			Will be communicated later on			
Tendering Officer and address for communication			GM(T) , Electric Supply Area ,Medininagar			

Any query towards this tender can also be had from the office of the undersigned during office hours or may contact on Mob No. 8809507127
1. e-Tender documents and BOQ including terms & conditions, specification etc. can be downloaded and submitted online on website https://jharkhandtenders.gov.in. Any details required in this regard can also be had from the office of the undersigned during office hours. NIC helpline no. 0651-2400178.
2. Bidder shall deposit online tender fee as mentioned above for Cost of BOQ and EMD as per rules ofe-tendering portal (jharkhandtenders.gov.in). \\
3. The tenders will be received through electronic tendering mode only.

Sd/-
General Manager Cum Chief Engineer
Electric Supply Area, Medininagar

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

PR 343303 Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd(24-25)D

डीसी ने बैंकर्स को दिया क्रेडिट डिपोजिट रेशियो को 37.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 40 प्रतिशत तक करने का निदेश

निज संवाददाता | दुमका

समाहरणालय सभागार में मंगलवार को दुमका के उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे की अध्यक्षता में जिले के बैंकर्स के साथ एक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 के द्वितीय त्रैमासिक सितंबर 2024 में दुमका जिले के बैंकों की प्रगति पर चर्चा की गई। इस दौरान, उपायुक्त ने बैंकों को विशेष दिशा-निर्देश देते हुए क्रेडिट डिपोजिट रेशियो (CDR) को 37.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 40 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य निर्धारित किया। यह निर्णय बैंकिंग क्षेत्र के विकास और जिले के आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उपायुक्त ने कहा कि जिले में बैंकों की बढ़ती भूमिका और उनके द्वारा दी जाने वाली वित्तीय सेवाओं का विस्तार आवश्यक है। उन्होंने क्रेडिट डिपोजिट रेशियो में वृद्धि को बैंकों द्वारा अधिक से अधिक लोन और वित्तीय सहायता प्रदान करने की दिशा में उठाया गया कदम बताया। इसके साथ ही, उन्होंने बैंक अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने की भी अपेक्षा की कि ऋण वितरण की प्रक्रिया सरल और पारदर्शी हो, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इससे लाभान्वित हो सकें और आर्थिक विकास में योगदान दे सकें। इसके अतिरिक्त, उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे ने जिला लीड बैंक मैनेजर (एलडीएम) को निर्देश दिया कि वे शिक्षा विभाग से समन्वय स्थापित करें और विद्यालयों में विशेष कैम्प आयोजित करें ताकि विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के खातों को खोला जा सके। उनका मानना था कि विद्यालयों के बच्चों के लिए खाते खोलने से यह सुनिश्चित होगा कि सरकारी योजनाओं के तहत मिलने वाली वित्तीय सहायता सीधे उनके खातों में पहुंचे। इस प्रक्रिया से छात्रों को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ने और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने का भी उद्देश्य है। इसके साथ ही, यह पहल सरकार की योजनाओं को लाभार्थियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में मददगार होगी। उपायुक्त ने बैठक में यह भी निर्देशित किया कि सभी बैंकों को सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं के तहत निर्धारित लक्ष्य को शत प्रतिशत पूरा करने के लिए अपनी ओर से आवश्यक कदम उठाने होंगे। उन्होंने बैंकों को प्रेरित किया कि वे न केवल ऋण वितरण में सुधार करें, बल्कि यह भी सुनिश्चित करें कि सभी सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचे और इसका प्रभावी क्रियान्वयन हो। बैठक में सभी प्रमुख बैंकों के जिला समन्वयक, एलडीएम, और अन्य संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया। बैंकों के प्रतिनिधियों ने जिले के आर्थिक विकास के लिए की गई पहलों और योजनाओं पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों से यह भी कहा कि वे अपने-अपने कार्यक्षेत्र में और बेहतर समन्वय स्थापित कर, जिले की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए मिलकर काम करें। इस बैठक में बैंकों द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की गई और यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किए जाने की बात कही गई कि जिले की बैंकिंग प्रणाली अधिक सुदृढ़ और प्रभावी हो।

अवैध हथियार के साथ दो अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

निज संवाददाता | गोड्डा

जिले में पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी के निर्देशन में जिले भर में अवैध हथियारों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में जिले में एन्टी क्राईम चेकिंग अभियान के तहत पुलिस को एक महत्वपूर्ण सूचना मिली कि भागलपुर रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास दो व्यक्ति अवैध हथियारों और मोटरसाइकिल के साथ मौजूद हैं, जिन्हें स्थानीय लोगों ने पकड़ रखा है। पुलिस को मिली इस सूचना के बाद गस्ती दल ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों के सहयोग से दोनों अभियुक्तों को पकड़ लिया। गिरफ्तार किए गए दोनों व्यक्तियों से जब तलाशी ली गई, तो उनके पास से अवैध हथियार बरामद हुए। इनमें एक देशी लोडेड पिस्टल, एक फोल्डिंग चाकू और एक अपाची मोटरसाइकिल शामिल थी। मोटरसाइकिल का रजिस्ट्रेशन नंबर बीआर 01 डीसी/6773 था। इस मामले में गोड्डा नगर थाना में एक प्राथमिकी दर्ज की गई, जो कि कांड संख्या 288/24 के तहत 30 दिसंबर 2024 को धारा 317(5)/3 (5) बीएनएस और 25(1-B)/26/35 आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज की गई। इस अपराध से जुड़े सभी दस्तावेज और बरामद सामग्री को पुलिस ने अपनी ओर से जब्त कर लिया है।

गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान गौरव कुमार (18 वर्ष), पिता अमूल सिंह और विशाल कुमार (18 वर्ष), पिता राजेश सिंह के रूप में की गई। दोनों अभियुक्त बिहार राज्य के गया जिले के भदान थाना क्षेत्र के निवासी हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजने के लिए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस छापामारी में पुलिस बल का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। पुलिस अवर निरीक्षक संजय कुमार सिंह और सहायक अवर निरीक्षक गौरव कुमार, जो गोड्डा नगर थाना के अंतर्गत कार्यरत हैं, ने गश्ती दल का नेतृत्व किया। इसके साथ ही पुलिस के अन्य कर्मी जैसे चालक आरक्षी चंदन कुमार सिंह, चालक आरक्षी देवेन्द्र सिंह, तकनीकी शाखा के कर्मी और टाइगर मोबाईल के जवान भी इस ऑपरेशन का हिस्सा थे। उनके समन्वित प्रयासों से इस अवैध हथियारों के जखीरे को पकड़ा जा सका, और इससे यह संदेश दिया गया कि पुलिस अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

विशेष चेकिंग अभियान में 10 वाहनों का ड्रिंक एंड ड्राइव चालकों का ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन

निज संवाददाता | दुमका

दुमका जिले में जिला परिवहन पदाधिकारी जय प्रकाश करमाली ने मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के रामपुर और दुमका में एक विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान के तहत सभी वाहनों के कागजातों की जांच की गई और वाहन चालकों की शराब की जांच भी की गई। इस दौरान 10 वाहनों को ड्रिंक एंड ड्राइव में पकड़ा गया, जबकि दो वाहनों को बिना कागजात के जब्त किया गया। इसके अलावा, ड्रिंक एंड ड्राइव के आरोप में पकड़े गए चालकों का ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित करने की कार्रवाई भी की गई। जिला परिवहन पदाधिकारी ने इस अवसर पर सड़क सुरक्षा को लेकर कुछ महत्वपूर्ण निर्देश भी दिए। उन्होंने यह बताया कि वाहन चलाने के लिए सही तरीके और नियमों का पालन करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि सड़क पर दुर्घटनाओं की संख्या कम हो और यातायात व्यवस्था सुचारु रूप से चले। उन्होंने विशेष रूप से ड्रिंक एंड ड्राइव पर ध्यान देते हुए यह कहा कि शराब पीकर वाहन चलाना न केवल कानूनन गलत है, बल्कि यह जीवन के लिए भी खतरे की बात है। इस तरह की घटनाओं से न केवल चालक बल्कि अन्य लोग भी प्रभावित हो सकते हैं। उन्होंने सड़क पर सुरक्षा के उपायों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी और कहा कि सड़क पर सुरक्षित रहने के लिए कुछ बुनियादी बातों का पालन करना चाहिए। सबसे पहले, दोपहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट पहनना चाहिए, क्योंकि यह सिर की चोट से बचाव करता है। इसके बाद, गति सीमा का पालन करना और तेज रफ्तार से वाहन चलाने से बचना चाहिए, क्योंकि तेज गति से वाहन चलाने से दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है। इसके साथ ही, ट्रैफिक सिग्नल्स का पालन करना भी जरूरी है। लाल सिग्नल पर रुकना और हरे पर चलना आवश्यक है, जबकि पीला सिग्नल धीमी गति से चलने का संकेत देता है।

हेड क्लर्क के सेवानिवृत्त पर विदाई समारोह का आयोजन

महागामा (नि. सं.)। प्रखंड के मिल्लत कॉलेज परसा में मंगलवार को हेड क्लर्क मोहम्मद नूर नबी आलम के सेवानिवृत्त के उपरांत कॉलेज परिसर में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन प्रधानाचार्य डाक्टर तुषारकांत की अध्यक्षता में किया गया। इस मौके पर छात्राओं के द्वारा विदाई गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तुषार कांत ने कहा कि सेवा निवृत्त शिक्षक के विद्यालय में शिक्षा के प्रति ईमानदारी पूर्वक किए गए कार्य मधुर स्वभाव और कर्तव्य निष्ठा नहीं भूल सकते हैं उन्होंने कहा की सरकारी सेवा में आने वाले का सेवा निवृत्त होना एक परंपरा है जिसे हर किसी को पालन करना ही है। उनका शिक्षक और छात्रों से हमेशा मधुर संबंध रहा है। आज उनका विद्यालय से जाना हम सबों के लिए काफी दुखदायक है। इस घड़ी में सबने इनकी दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना किया मौके पर सभी शिक्षकों ने सेवानिवृत्त शिक्षक को माला पहनकर एवं साल भेट कर सम्मानित किया।

बिहार से गोड्डा रेकी करने आए दो युवक को लोगों ने जमकर पीटा, लोडेड कट्टे से साथ दोनों गिरफ्तार

निज संवाददाता | गोड्डा

गोड्डा। गोड्डा जिले के मुख्यालय स्थित भागलपुर रोड पर सोमवार की देर रात एक घटनाक्रम ने सबको चौंका दिया, जब बिहार के दो युवक अवैध हथियार के साथ अपराध की योजना बनाकर गोड्डा पहुंचे थे। इन दोनों युवकों को स्थानीय लोगों ने जमकर पीटने के बाद पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया और उनके पास से एक लोडेड देशी पिस्तौल भी बरामद किया। मामला इस प्रकार था कि दोनों युवक, विशाल कुमार और गौरव कुमार, बिहार के गया जिले के निवासी थे और गोड्डा में एक प्रिंटिंग प्रेस मालिक के लड़के की रेकी करने के उद्देश्य से पहुंचे थे। इन युवकों की गतिविधियों को देखकर स्थानीय लोगों को शक हुआ और उन्होंने इन पर ध्यान देना शुरू किया। दोनों युवक महिला कॉलेज के पास स्थित बाईपास पर एक प्रिंटिंग प्रेस के मालिक के लड़के की रेकी कर रहे थे। जब यह बात प्रेस मालिक को पता चली, तो उन्होंने आसपास के लोगों को सतर्क किया। इस पर स्थानीय लोगों ने युवकों को रुकने का इशारा किया, लेकिन दोनों युवक घबराकर मौके से भागने लगे।

भागते समय दोनों युवकों ने अपना लोडेड पिस्टल पेट्रोल पंप के पास फेंक दिया, लेकिन स्थानीय लोगों ने उन्हें पकड़ लिया और जमकर पिटाई की। पिटाई के बाद इन दोनों युवकों को पुलिस के हवाले कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवकों को लोगों के चंगुल से छुड़ाकर सदर अस्पताल ले गई, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। पुलिस ने पूछताछ के बाद पिस्टल को बरामद किया, जो कि दोनों युवकों द्वारा फेंका गया था। गिरफ्तार दोनों युवक बार-बार अपना नाम और पता बदलने की कोशिश कर रहे थे, जिससे उनकी मंशा पर शक और गहरा हो गया। पुलिस ने फिलहाल इस मामले पर अधिक जानकारी देने से इंकार किया है और कहा कि पूछताछ के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। नगर थाना प्रभारी दिनेश मोहली ने बताया कि गिरफ्तार युवकों से आगे की पूछताछ की जा रही है, जिससे पूरे मामले की सच्चाई सामने आएगी। स्थानीय लोगों की सतर्कता और पुलिस की त्वरित कार्रवाई से एक बड़ा अपराध टल गया और अवैध हथियारों के साथ इन युवकों को समय रहते गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस इस मामले की गहन जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इन युवकों की मंशा क्या थी और वे किस कारण से गोड्डा आए थे। यह घटना यह दर्शाती है कि स्थानीय समुदाय की जागरूकता और पुलिस की तत्परता से कई बार अपराधों को समय रहते रोका जा सकता है। पुलिस की सक्रियता और स्थानीय लोगों की मदद से शहर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हुई है और अपराधियों के लिए यह एक कड़ा संदेश है कि गोड्डा में अपराधियों के लिए कोई स्थान नहीं है।द करने का अवसर बना, जिन्होंने अपनी पूरी जिंदगी मरीजों की सेवा में समर्पित कर दी।

गुरु की कृपा से ही मानव का कल्याण : पं. रविशंकर

निज संवाददाता | गोड्डा

गोड्डा में स्थानीय महिला कॉलेज परिसर में आयोजित सरस श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन भक्तों के लिए एक विशेष धार्मिक अवसर बन गया है। यह ज्ञान यज्ञ अपने तीसरे दिन कथा वाचक पं. रविशंकर ठाकुर के द्वारा शिव-पार्वती विवाह प्रसंग पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए आयोजित हुआ। पं. रविशंकर ठाकुर ने कथा के दौरान गुरु की महिमा का विस्तार से वर्णन किया और बताया कि मानव जीवन के कल्याण के लिए गुरु की कृपा अनिवार्य होती है। उन्होंने कहा कि गुरु ही वह शक्तिशाली आत्मा है, जो भक्तों को भवसागर से पार कराने में सक्षम है। गुरु के बिना मनुष्य के दिल में मौजूद संशय के बादल नहीं छंट सकते और जीवन में सच्चे मार्ग की खोज करना असंभव हो जाता है। पं. रविशंकर ठाकुर ने रामचरित मानस का उदाहरण देते हुए कहा कि भगवान श्रीराम और भगवान शिव एक-दूसरे के गुरु हैं, और राम कथा को बाबा भोलेनाथ की कृपा के बिना पूर्ण नहीं किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि रामावतार के समय एक अलौकिक दृश्य उत्पन्न हुआ था जब सूर्य महीनों तक राम जन्म के उत्सव के दौरान स्थिर रहे थे। भगवान सूर्य के प्रकाश में होने वाले इस अद्भुत दृश्य को देखने के लिए सूर्य अपने स्थान पर स्थिर हो गए और समय का अहसास तक नहीं हुआ। पं. ठाकुर ने बताया कि भगवान श्रीराम के साथ बाबा भोलेनाथ भी रामावतार के दर्शन के लिए पहुंचे थे, और उन्होंने काकभुशंडी के साथ मिलकर रामावतार का आनंद लिया। कथा के अगले हिस्से में पं. रविशंकर ठाकुर ने शिव-पार्वती की कथा पर विशेष रूप से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एक बार बाबा महादेव और मैया पार्वती भ्रमण पर निकले थे और इसी दौरान उन्होंने भगवान राम को सीता माता की खोज में बहुत व्याकुल देखा। इस दृश्य को देख कर पार्वती मैया को शंका हुई कि भगवान राम इस प्रकार साधारण प्राणियों की तरह विलाप नहीं कर सकते। यह देख कर पार्वती ने बाबा भोले से अनुमति लेकर अपनी शंका को दूर करने के लिए परीक्षा लेने का निर्णय लिया। पार्वती मैया ने सीता माता का रूप धारण किया और भगवान श्रीराम से मिलीं। हालांकि, श्रीराम ने देर नहीं की और तुरंत पहचान लिया कि यह असली सीता माता नहीं हैं, बल्कि पार्वती मैया ही हैं।

इस लीला को देखकर बाबा महादेव ने पार्वती से पुनः जन्म लेने और उनसे विवाह करने की इच्छा जताई। बाद में वे हिमालय की बेटी के रूप में फिर से जन्म लेकर बाबा महादेव के साथ विवाह बंधन में बंधे। इस कथा के दौरान पं. रविशंकर ठाकुर ने भगवान श्रीराम और शिव-पार्वती के बीच के गहरे संबंधों को उजागर किया और यह बताया कि इन दिव्य कथाओं के माध्यम से भक्तों को सच्ची भक्ति की राह दिखाई जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि भगवान श्रीराम और भगवान शिव की कथाएँ मानव जीवन को सच्ची राह दिखाने का काम करती हैं और जीवन के सभी परेशानियों से उबारने का उपाय बताती हैं। कथा के समापन में पं. ठाकुर ने उपस्थित श्रद्धालुओं से गुरु की महिमा को समझने और उनका आदर करने की अपील की। कथा के दौरान विभिन्न पारंपरिक भक्ति गीतों का संगीत में प्रस्तुति ने भक्तों को भक्ति के गहरे सागर में डुबो दिया और हर कोई भक्ति में लीन हो गया। यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, और इसके आयोजन में रामकथा समिति के सदस्यों का योगदान अत्यधिक महत्वपूर्ण रहा। इस कथा ज्ञान यज्ञ के माध्यम से न केवल धार्मिक आस्था को सुदृढ़ किया गया, बल्कि गुरु और शिष्य के संबंधों के महत्व को भी रेखांकित किया गया। पं. रविशंकर ठाकुर ने यह स्पष्ट किया कि गुरु की कृपा से ही इंसान अपने जीवन के उद्देश्य को पहचान सकता है और सच्चे आत्मज्ञान की प्राप्ति कर सकता है। इस आयोजन ने सभी को भक्ति और धर्म की सच्ची समझ देने का कार्य किया, जिससे श्रद्धालु जीवन की सच्चाई और उद्देश्य को समझने में समर्थ हो सके।

मयूराक्षी ग्रामीण डिग्री कालेज के शासी निकाय की हुई बैठक

रानीश्वर (दुमका) (नि.सं.)। साल के अंतिम दिन परिसदन दुमका में मयूराक्षी ग्रामीण डिग्री कालेज के शासी निकाय की बैठक आयोजित की गई। दुमका सांसद सह शासी निकाय के अध्यक्ष नलिन सोरेन के अध्यक्षता में हुई बैठक में निकाय के सचिव डॉ असीम कुमार लायेक, सदस्य अब्दुल सामद, विश्वविद्यालय प्रतिनिधि राजेश कुमार यादव, शिक्षाविद प्रो अंजुला मुर्मू, प्रभारी प्रचार्य प्रो उदय प्रसाद सिंह एवं आमंत्रित सदस्य बिभास झा मौजूद थे। बैठक में निर्णय लिया गया कि अध्यापिका रूपम कुमारी एवं अन्य के द्वारा प्रभारी प्राचार्य श्री सिंह पर लगाए गए आरोप की जांच हेतु विश्वविद्यालय एक उच्च स्तरीय समिति का गठन करने का आग्रह किया जाएं। साथ ही 20 जनवरी 2025 तक जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करे। बैठक में निर्णय लिया गया कि सचिव डॉ लायेक पद पर बने रहेंगे। वर्तमान प्रभारी प्रचार्य प्रो सिंह जांच पूरी होने तक तत्काल प्रभार सौप देंगे। बैठक में महाविद्यालय में बायो मेटिक सिस्टम में उपस्थिति शुरू कराने का निर्णय लिया गया।

शुभेश्वर नाथ, और जलवे पहाड़ में आज जुटेंगे शैलानी

निज संवाददाता | सरैयाहाट

जैसे ही नया साल शुरू होता है, ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित धार्मिक और प्राकृतिक स्थलों पर पर्यटकों और श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ जाती है। खासकर जनवरी माह में, जब सर्दी अपने शबाब पर होती है, लोग प्राकृतिक सुंदरता और धार्मिक स्थलों की ओर आकर्षित होते हैं। इस साल भी सरैयाहाट प्रखंड के धौनी गांव स्थित प्राचीन शुंभेश्वर नाथ मंदिर, हंसडीहा का जलवे पहाड़ और प्रखंड का प्रमुख जलाशय, जोंकी बांध, एक जनवरी को शैलानियों से गुलजार होने वाले हैं। इन स्थानों पर न केवल श्रद्धालु अपनी धार्मिक आस्थाओं को पूरा करने के लिए पहुंचते हैं, बल्कि प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने के लिए भी बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। धौनी गांव स्थित शुंभेश्वर नाथ मंदिर, जो त्रेतायुग से संबंधित एक प्रमुख धार्मिक स्थल है, अपनी ऐतिहासिकता और अद्भुत प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। यह मंदिर घने जंगलों के बीच स्थित है, जहां से चारों ओर की वादियों और पहाड़ियों का दृश्य मंत्रमुग्ध कर देने वाला है। यहां आने वाले शैलानी और श्रद्धालु इस स्थान की शांति और प्राकृतिक सौंदर्य में खो जाते हैं। यह मंदिर न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यहां की शांतिपूर्ण वातावरण और सुंदर दृश्य पर्यटकों को एक अद्भुत अनुभव प्रदान करते हैं।

वहीं हंसडीहा का जलवे पहाड़ भी एक लोकप्रिय पिकनिक स्पॉट के रूप में प्रसिद्ध है। यहां के दर्शनीय दृश्य और ऊंचे-ऊंचे पहाड़ पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। नए साल के मौके पर जलवे पहाड़ में हजारों लोग जश्न मनाने के लिए पहुंचते हैं, जहां वे परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताते हैं। यहां पर प्राकृति का अद्भुत मिश्रण देखने को मिलता है, जो पर्यटकों को शांति और आनंद का अहसास कराता है। एक जनवरी को यह स्थान खासतौर पर बिहार के विभिन्न हिस्सों से आने वाले शैलानियों से भर जाता है, जो यहाँ के सुंदर दृश्यों का आनंद लेते हैं और एक साथ इस खास दिन को मनाते हैं। इसके अलावा, सरैयाहाट प्रखंड का सबसे बड़ा जलाशय, जोंकी बांध भी लोगों के लिए एक प्रमुख आकर्षण है। इस जलाशय की विस्तृत झील और आसपास की प्राकृतिक घटाएं लोगों को खींच लाती हैं। यह स्थान प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर है और यहां पर आने वाले लोग पिकनिक मनाने, परिवार के साथ समय बिताने और खूबसूरत वातावरण का आनंद लेने आते हैं।

यूजी सेमेस्टर-6 की प्रायोगिक परीक्षा के आयोजन के लिए बनाए गए छह केंद्र

निज संवाददाता | दुमका

दुमका। सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय ने संथाल परगना के विभिन्न जिलों में यूजी सेमेस्टर-6 की प्रायोगिक परीक्षा के आयोजन के लिए छह परीक्षा केंद्र बनाए हैं। यह कदम विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग द्वारा उठाया गया है, ताकि वर्तमान में चल रही तालाबंदी और हड़ताल के कारण होने वाली कठिनाइयों को दूर किया जा सके। कुलपति प्रो. बिमल प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को आयोजित एक बैठक में विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों, डीन और विभागाध्यक्षों ने यह निर्णय लिया कि यूजी सेमेस्टर-6 के छात्र-छात्राओं की प्रायोगिक परीक्षा नजदीकी संबद्ध कॉलेजों में आयोजित की जाएगी। इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि परीक्षा जल्द से जल्द संपन्न हो सके और रिजल्ट शीघ्र प्रकाशित किया जा सके। इसके अनुसार, विश्वविद्यालय ने छह परीक्षा केंद्रों की स्थापना की है और इन केंद्रों के लिए केंद्राधीक्षकों की नियुक्ति भी कर दी है। परीक्षा के आयोजन के लिए ओएसडी डॉ. इंद्रनील मंडल ने केंद्राधीक्षकों को निर्देश दिया है कि वे एक सप्ताह के भीतर प्रायोगिक परीक्षा संपन्न कराएं। प्रायोगिक परीक्षा के लिए बनाए गए परीक्षा केंद्रों में एएन कॉलेज, दुमका, एमजी कॉलेज रानीश्वर, एसबीएसएसपीएसजे कॉलेज पथरगामा, गोड्डा महिला कॉलेज, एसएम कॉलेज जामताड़ा और एसएसजे डिग्री कॉलेज बोरियो शामिल हैं। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर संबंधित कॉलेजों के छात्र-छात्राएं अपनी प्रायोगिक परीक्षा देंगे। दुमका स्थित एएन कॉलेज में एएस कॉलेज देवघर, एमजी कॉलेज रानीश्वर, एसपी कॉलेज दुमका, एसपी महिला कॉलेज दुमका, शिकारीपाड़ा कॉलेज और संत जेवियर कॉलेज दुमका के छात्र-छात्राएं परीक्षा देंगे। रानीश्वर स्थित एमजी कॉलेज में जूलॉजी और जियोग्राफी के छात्र अपनी प्रैक्टिकल परीक्षा देंगे। पथरगामा के एसबीएसएसपीएसजे कॉलेज में एमएके आजाद डिग्री कॉलेज बसंतराय, एसबीएसएसपीएसजे कॉलेज पथरगामा और एसआरटी कॉलेज धमड़ी के छात्र-छात्राओं की परीक्षा होगी। गोड्डा महिला कॉलेज में गोड्डा कॉलेज, गोड्डा, महिला कॉलेज गोड्डा और मिल्लत कॉलेज परसा के विद्यार्थियों की प्रायोगिक परीक्षा होगी। जामताड़ा स्थित एसएम कॉलेज में एएस कॉलेज देवघर, डॉ. जगरनाथ मिश्रा कॉलेज जसीडीह, बजला कॉलेज देवघर, मधुपुर कॉलेज, बिजेए कॉलेज कुंडहित, डिग्री कॉलेज नाला, जे जे एस कॉलेज मिहिजाम, जामताड़ा कॉलेज और जामताड़ा महिला कॉलेज के छात्र-छात्राएं परीक्षा देंगे। बोरियो स्थित एसएसजे डिग्री कॉलेज में बीएसके कॉलेज बड़हरवा, बीएलएनएल बोहरा कॉलेज राजमहल, बीएसए महिला कॉलेज, साहेबगंज कॉलेज, एसएसजे डिग्री कॉलेज बोरियो, महिला कॉलेज साहेबगंज, केकेएम कॉलेज पाकुड़ और महिला कॉलेज पाकुड़ के विद्यार्थियों की परीक्षा होगी।

छात्र ने चलाया स्वच्छता अभियान

दुमका (नि.सं.)। शहर में स्थापित निःशुल्क आवाहन आईएएस एकेडमी के सभी युवा सदस्य छात्र ने मंगलवार को दुमका के आउटडोर स्टेडियम प्रांगण में स्वच्छता अभियान में भाग लिया ।इस कार्यक्रम को छात्र सौरभ झा द्वारा नेतृत्व किया गया साथ ही साथ छात्रगण के द्वारा शपथ ली गई। कि हम लोग अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखेंगे और अन्य लोगों को स्वच्छ रखने को प्रेरित भी करेंगे। आवाहन आईएएस एकेडमी निःशुल्क प्रतियोगिता परीक्षा का संस्थान विगत तीन वर्षों से कार्यरत है। इस दौरान लगातार कई स्टुडेंट्स सफल हुए है जिनमें सौरव भगत बीपीएससी में 34वीं रेंक हासिल कर डीएसपी का पद प्राप्त किये, उत्पाद पुलिस सी जी एल एवं अन्य नौकरी में लगातार सफलता पा रहे हैं। साथ ही साथ शिक्षा के साथ संस्कार का अद्भुत ज्ञान बच्चों को दिया जाता है। जिससे एक सभ्य समाज का निर्माण हो सके। इस आवाहन से उन बच्चों को विशेष रूप से फायदा है जो आर्थिक रुप से प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी नहीं कर पा रहे थे।

डॉ0 प्रदीप सिंहा के सेवानिवृत्ति पर दी गई विदाई

निज संवाददाता | गोड्डा

जिले के सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. प्रदीप सिंहा के सेवानिवृत्ति पर मंगलवार को सदर अस्पताल में एक भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य डॉ. सिंहा के वर्षों की सेवा और उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के प्रति सम्मान व्यक्त करना था। कार्यक्रम का आयोजन अस्पताल के ओपीडी परिसर में हुआ, जहां सदर अस्पताल के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार सिंहा के साथ-साथ अस्पताल के चतुर्थवर्गीय कर्मचारी उषा देवी को भी उनके सेवानिवृत्ति के अवसर पर सम्मान और विदाई दी गई। डॉ. प्रदीप सिंहा की विदाई के इस अवसर पर अस्पताल परिवार के सदस्य, डॉक्टरों की टीम और अन्य कर्मचारियों की ओर से उनके कार्यों और योगदान की भूरी-भूरी प्रशंसा की गई। अस्पताल के प्रबंधन की ओर से मोनाली राय ने डॉ. सिंहा की कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि अस्पताल के कार्यों में उनकी भूमिका अविस्मरणीय रही है। उन्होंने बताया कि डॉ. सिंहा ने हमेशा रोगियों के प्रति संवेदनशीलता और निष्ठा का परिचय दिया है। मोनाली राय ने यह भी कहा कि उनकी विदाई अस्पताल के लिए एक बड़ी क्षति है, क्योंकि उनका मार्गदर्शन और नेतृत्व अस्पताल के प्रबंधन के लिए बहुत महत्वपूर्ण था। सिविल सर्जन डॉ. अनंत कुमार झा ने डॉ. सिंहा के कार्यों की सराहना करते हुए उनके नेतृत्व गुणों की भी प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि डॉ. सिंहा ने अपने कार्यकाल में सदर अस्पताल को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए हमेशा प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया है। डॉ. सिंहा की कार्यशैली और मरीजों के प्रति उनका सम्माननीय रवैया सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। इस विदाई समारोह में डॉ. अरविंद कुमार, डॉ. डीके ठाकुर, डॉ. आकाश कुमार, डॉ. राजेंद्र भगत सहित अस्पताल के अन्य डॉक्टरों और कर्मचारियों ने भी डॉ. सिंहा के योगदान को याद किया और उनकी कड़ी मेहनत की सराहना की। सभी ने उनके कार्यों से प्रेरणा लेने की बात की और उनके मार्गदर्शन में मिले अनुभवों को जीवनभर याद रखने की बात की।

समारोह के दौरान अस्पताल परिवार की ओर से डॉ. सिंहा और उषा देवी को प्रतीक स्वरूप उपहार भी भेंट किए गए, ताकि उनकी मेहनत और योगदान का सम्मान किया जा सके। उपहारों के साथ-साथ सभी उपस्थित लोगों ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और कहा कि अस्पताल के लिए उनका योगदान कभी भी भुलाया नहीं जा सकेगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अस्पताल के कर्मचारियों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। लिपिक साकेत कुमार, उमाशंकर राय, कर्मचारी चंदन कुमार, रामकुमार मिश्र, तबरेज आलम, चंचला कुमारी, प्रियंका कुमारी जैसे कर्मचारियों ने कार्यक्रम के संचालन में सराहनीय भूमिका निभाई। इन सभी कर्मचारियों ने मिलकर समारोह को व्यवस्थित रूप से चलाया और डॉ. सिंहा और उषा देवी की विदाई को यादगार बना दिया। इस भावपूर्ण विदाई समारोह में उपस्थित सभी लोग इस बात से सहमत थे कि डॉ. सिंहा जैसे समर्पित और अनुभवी चिकित्सक की विदाई से अस्पताल को एक बड़ी क्षति हुई है, लेकिन उनकी प्रेरणा और योगदान हमेशा अस्पताल के कार्यों में महसूस किया जाएगा। यह कार्यक्रम अस्पताल परिवार के लिए एक ऐसे डॉक्टर और कर्मचारी के योगदान को याद करने का अवसर बना, जिन्होंने अपनी पूरी जिंदगी मरीजों की सेवा में समर्पित कर दी।

दुनिया में सबसे पहले और सबसे आखिरी में नए साल का जश्न मनाने वाले देश कौन है?

सबसे पहले नए साल का स्वागत करने वाले देश किरिबाती, समोआ, और टोंगा हैं. भारतीय समयानुसार, इन देशों में नया साल 31 दिसंबर की शाम 3:30 बजे शुरू होता है. यहां हम उन देशों की चर्चा करने जा रहे है जो नए साल का स्वागत सबसे पहले करते है, वहीं उन देशों के बारें में बताने जा रहे है जो न्यू ईयर सबसे आखिरी में सेलिब्रेट करते है.

दुनिया भर में नए साल का जश्न टाइम जोन के अनुसार अलग-अलग समय पर मनाया जाता है, जिसे दुनिया भर में अलग-अलग परंपराओं और त्योहारों के साथ मनाया जाता है. पृथ्वी के घूमने के कारण, अलग-अलग देशों में नए साल का स्वागत अलग-अलग समय पर होता है, जिससे यह उत्सव समय क्षेत्र के अनुसार क्रमबद्ध रूप में मनाया जाता है. यहां हम उन देशों की चर्चा करने जा रहे है जो नए साल का स्वागत सबसे पहले करते है, वहीं उन देशों के बारें में बताने जा रहे है जो न्यू ईयर सबसे आखिरी में सेलिब्रेट करते है. सबसे पहले किरिबाती (किरितिमाटी द्वीप) पर नए साल का स्वागत करता है, जबकि सबसे आखिरी में अमेरिकन समोआ और बेकर द्वीप पर जश्न मनाते हैं. यह विविधता नए साल को अनोखा बनाती है.

नए साल का पहला जश्न

सबसे पहले नए साल का स्वागत करने वाले देश किरिबाती, समोआ, और टोंगा हैं. भारतीय समयानुसार, इन देशों में नया साल 31 दिसंबर की शाम 3.30 बजे शुरू होता है. इसके बाद, जापान और दक्षिण कोरिया में भी नए साल का उत्सव मनाया जाता है, जो भारतीय समय के अनुसार 8.30 बजे शुरू होता है.

किरिबाती (क्रिसमस द्वीप) – किरिबाती के किरितिमाटी द्वीप पर सबसे पहले नए साल का आगमन होता है, जो आधी रात UTC+14 पर मनाया जाता है.

समोआ – किरिबाती के बाद, समोआ रात 11.00 बजे (UTC+13) पर नए साल का जश्न मनाता है.

टोंगा और टोकलाऊ – समोआ के समान समय क्षेत्र में होने के कारण, ये दोनों देश भी रात 11.00 बजे (UTC+13) पर नए साल का स्वागत करते हैं.

चाथम द्वीप (न्यूज़ीलैंड) – यहां नए साल का जश्न रात 10.5 बजे (UTC+13) पर शुरू होता है.

न्यूज़ीलैंड (मेंन लैंड) – न्यूज़ीलैंड के मेंन लैंड पर नए साल का स्वागत रात 10-00 बजे (UTC+13) पर होता है.

सबसे आखिरी में नए साल का जश्न मनाने वाले देश

अमेरिकन समोआ- यह अमेरिकी क्षेत्र सबसे अंत में नए साल का स्वागत करता है, सुबह 6.00 बजे EST (UTC-11) पर.

बेकर और हाउलैंड द्वीप – ये निर्जन अमेरिकी क्षेत्र तकनीकी रूप से सबसे आखिरी में नए साल का स्वागत करते हैं, लेकिन यहां कोई नहीं रहता है.

इंटरनेशनल डेट लाइन का क्या है रोल

अंतरराष्ट्रीय तिथि रेखा नए साल के जश्न के समय निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. यह काल्पनिक रेखा पृथ्वी के 180वें मेरिडियन के पास स्थित है और यहां एक दिन समाप्त होता है और दूसरा दिन शुरू होता है. किरिबाती के किरितिमाटी द्वीप, जो ढ्ढष्टरुके पश्चिम में स्थित है, नए साल का जश्न सबसे पहले मनाने वाला स्थान है.

शुभ कार्यों से हो 2025 का स्वागत

वर्ष 2025 का स्वागत करने के लिए लोग तैयार हैं. आने वाला साल लोगों के लिए अच्छा साबित हो, ऐसी लोग प्रार्थना कर रहे हैं. नया साल खुशियों से भरा रहे इसके लिए इस दिन की शुरूआत शुभ कार्यों से करें. इस दिन सुबह उठकर माता पिता और बड़ों का आर्शीवाद प्राप्त करें. गुरुजनों का आदर और सम्मान करें. इस दिन लोगों की मदद करें. नव वर्ष पर सभी प्रकार की बुरी आदतों का त्याग करने का प्रण लें और मानव कल्याण के बारे में चिंतन और प्रयास करें.

लोग नए साल पर जानना चाहते हैं कि वह क्या पहनें, क्या खाएं ,कौन से रेस्तरां में जाएं, कहां पार्टी करें, क्या गिफ्ट दें, क्या संकल्प लें, पतले कैसे हों, कौन सी पुस्तक पढ़ें, कहां की यात्रा करें, दोस्तों और रिश्तेदारों को विश करना न भूलें आदि आदि परंतु हम आपको बताएंगे कि नए साल को जिंदगी का सबसे अहम साल कैसे बनाएं और घिसे-पिटे संकल्प छोड़कर जीवन के उद्देश्य को कैसे पूरा करें क्योंकि यह लोक जश्न मनाने लायक नहीं है यहां हर रोज/साल लाखों बेगुनाह मारे जाते हैं यहां से तो भक्ति करके निकलने के बारे में विचार करना चाहिए।

नया साल 2025

जिस प्रकार आज का दिन समाप्त होने के पश्चात नया दिन यानी कल आता है और यह महीना समाप्त होने के पश्चात अगला महीना आता है ठीक इसी प्रकार निर्धारित 12 महीनों की समाप्ति के पश्चात एक वर्ष समाप्त होता है और नया वर्ष प्रारंभ होता है। बड़ी ही दिक्कतों, परेशानियों, संघर्षों और थोड़ी सी खुशी व राग के बाद आखिर 2024 समाप्त हो ही गया परंतु यह नया साल 2025 राहत भरा होगा या चुनौतियों भरा यह तो समय पर ही पता चलेगा.

जानिए कैसे हुई नए साल मनाने की शुरुआत 1 जनवरी से?

नए साल का उत्सव 31 दिसंबर (नए साल की पूर्व संध्या), ग्रेगोरियन कैलेंडर के अंतिम दिन से शुरू होता है और 1 जनवरी (नए साल के दिन) के शुरुआती घंटों तक जारी रहता है। लोग नए साल का जश्न पार्टियों, विशेष भोजन, संकल्प करना इत्यादि से शुरू करते हैं। मध्ययुगीन यूरोप में, ईसाई नेताओं ने अस्थायी रूप से 1 जनवरी को साल के पहले दिन से बदल दिया, जिसमें 25 दिसंबर (यीशु के जन्म की सालगिरह) और 25 मार्च (उत्सव का पर्व) जैसे धार्मिक महत्व के दिन थे। पोप ग्रेगरी ने 1 जनवरी को 1582 में नए साल के दिन के रूप में पुन: स्थापित किया। प्रारंभिक रोमन कैलेंडर में 10 महीने और 304 दिन शामिल थे, परंपरा के अनुसार, यह रोम के संस्थापक रोमुलस द्वारा बनाया गया था, आठवीं शताब्दी ईपू. बाद के राजा, नुमा पोमपिलियस को जनूअरियस और फियोरूरी के महीनों को जोड़ने का श्रेय दिया जाता है। 46 ईपू. सम्राट जूलियस सीजर ने अपने समय के सबसे प्रमुख खगोलविदों और गणितज्ञों के साथ परामर्श करके समस्या को हल करने का निर्णय लिया। उन्होंने जूलियन कैलेंडर पेश किया, जो कि अधिक आधुनिक ग्रेगोरियन कैलेंडर जैसा दिखता है जो आज दुनिया भर के अधिकांश देश उपयोग करते हैं। सीजर ने 1 जनवरी को वर्ष के पहले दिन के रूप में स्थापित किया। जूलियस सीजर प्राचीन रोम में एक प्रसिद्ध जनरल, राजनेता और विद्वान थे। नया साल वर्ष का सबसे पहला दिन होता है जिस दिन एक नया कैलेंडर वर्ष शुरू होता है।

नव वर्ष पर करें नई शुरूआत

नया साल आपको खुद को जानने, पहचानने और नए तरीके से जीवन को जीने का एक नया मौका देता है। इस दफा ऐसा संकल्प लीजिए कि जीवन सफल हो जाए और आपका यह साल आपके लिए हमेशा के लिए यादगार बन जाए। यह संसार अंगारों से भरा हुआ है जहां विकार, काम वासना,लोभ, आलस, बीमारी , धन की कमी व्यक्ति को सदा विचलित रखते हैं। ऐसे में केवल एक ही शक्ति है जो आपको हर विकार, दुख, तकलीफ, आपदा से बचा सकती है । वह है ईश्वर की पहचान होना और उस एक ईश्वर पर आपकी पक्की आस्था होना।

नववर्ष पर जानें मनुष्य जीवन का मूल उद्देश्य

पवित्र गीता जी के अनुसार मनुष्य जीवन को मोक्ष का द्वार कहा गया है व मनुष्य जीवन पाने वाला व्यक्ति तत्वदर्शी संत से पूर्ण परमात्मा की जानकारी प्राप्त करके व उसकी भक्ति करके उसको पा सकता है यानि पूर्ण परमात्मा के लोक में जा सकता है जहां सर्व सुख हैं यानी उस सुखमय स्थान पर जा सकता है जहां कभी किसी की मृत्यु नहीं होती और न ही कोई वृद्ध होता , न वहां पर कोई राग द्वेष है और ना ही किसी भी प्रकार का कोई विकार, ना ही वहां पर किसी चीज की कोई कमी है । उस सुखमय स्थान को सतलोक कहा गया है जो शाश्वत स्थान है। इस स्थान को प्राप्त करना ही पूर्ण मोक्ष कहलाता है। इसलिये मनुष्य जीवन प्राप्त सभी पुण्यात्माओं को जन्म मरण का दीर्घ रोग समाप्त करवाने के लिए सतभक्ति करनी आवश्यक है।

विश्व के समक्ष चुनौतियां व उनका समाधान

आज संपूर्ण विश्व अनेक प्रकार की चुनौतियों से जूझ रहा है। चारों ओर नशे का फैलाव हो गया है और कुरीतियां अपनी चरम सीमा पर है लोगों का आपसी प्रेम समाप्त होता जा रहा है और धन को एकत्रित करने की दौड़ में हर इंसान लगा हुआ है। चारों तरफ रोगों का पहरा है कोई भी इंसान आज सुखी नजर नहीं आता। इस दौड़ धूप में जीव अपने अस्तित्व को भूलता जा रहा है और अपने जीवन को केवल बर्बाद कर रहा है। विश्व के समक्ष मौजूद इन सभी चुनौतियों और विकारों को तत्वज्ञान के आधार से दूर किया जा सकता है। तत्वज्ञान का अर्थ उस सच्चे और विशेष ज्ञान से होता है जो जीवन का आध्यात्मिक आधार है और सभी पवित्र सदग्रंथों में विद्यमान है। ऐसे तत्वज्ञान को तत्वदर्शी संत बताते हैं जो स्वंय पूर्ण परमात्मा ही होते हैं। तत्वज्ञान के आधार से जीवन व्यतीत करने वाला व्यक्ति ही वास्तविक रुप में जीवन के उद्देश्य से परिचित होता है और पूर्ण मोक्ष प्राप्ति के लिये पूर्ण परमात्मा की भक्ति करता है। केवल पूर्ण परमात्मा ही संपूर्ण विश्व के विकारों, चुनौतियों व समस्याओं को दूर कर सकता है । इसलिये मनुष्य को तत्वदर्शी संत की खोज करके उसके ज्ञान को समझ कर पूर्ण परमात्मा की भक्ति करनी चाहिए जो सर्व सुख दायक है।

दुनिया में क्यों आए हैं ये समझना जरूरी है

इस भंगुर संसार में जहां आप जानवरों जैसी उछल कूद करने को नाचना गाना, नशा करने को आजादी, आधे अधूरे कपड़े पहनने को आधुनिकता और जानवर का मांस खाने को कुछ भी खाने का हक और यात्रा करने को एंजायमेंट समझते हो आपकी यह इच्छाएं आपको कहीं का नहीं छोड़ेगी। नए साल के आगमन पर ऐसी ऊल-जलूल हरकतें करने और अनगिनत इच्छाएं पालने से अच्छा है कि एंकात में बैठकर यह सोचिए कि ऐसा काम क्यों करना जिसको करने से न तो शरीर को कोई लाभ मिलेगा और न ही आत्मा को मुक्ति।

पार्टी,जश्न ,उत्सव,गेट टूगेदर, लंच डिनर और देसी-विदेशी यात्रा को ही नए साल को मनाने की परिभाषा मान चुके लोगों को हम यह बताना चाहेंगे कि जिन्दगी का मकसद इसी शरीर में रहते हुए पहचान जानिए क्योंकि आपका फायदा आपको खुद सोचना है।

कब्रों को सजाने से लेकर जमीन पर आइसक्रीम गिराने तक, ये है दुनिया में नए साल की अजीब परंपराएं

नया साल हर देश में बड़े ही खास अंदाज में मनाया जाता है, लेकिन कुछ जगहों पर इसे सेलिब्रेट करने का तरीका इतना ज्यादा अनोखा है, जिसे सुनकर आप भी हैरान रह जाएंगे। चल जानते हैं किस-किस देश में अनोखे अंदाज में मनाया जाता है न्यू ईयर। दो दिन के बाद देशभर में नया साल 2025 मनाया जाएगा। नए साल को लेकर लोगों की नई-नई उम्मीदें रहती हैं। हर कोई नया साल अपने-अपने तरीके से खास बनाता है, लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी कि दुनिया में कुछ जगहों पर इसे मनाने के तरीके वाकई बहुत ही अनोखे हैं। नए साल पर लोग अपनी खुशी अलग-अलग तरीकों से बयां करते हैं, कुछ देशों में नए साल का त्योहार पुरानी प्लेट-चम्मचों को फेंककर किया जाता है, तो वहीं कई जगहों पर नए साल की शुरुआत आइसक्रीम को फर्श पर गिराने से की जाती है। वहीं कई देशों में ऐसा होता है कि लोग अपने घर का पुराना सामान निकालकर फेंक देते हैं, और नए साल को नए तरीके से सेलिब्रेट करते हैं।

उत्तर यूरोप

उत्तर यूरोप के इस देश में नए साल का जश्न बड़े ही अनोखे तरीके से मनाया जाता है। नए साल के अवसर पर यहां के लोग अपने पड़ोसियों, दोस्तों के दरवाजों के बाहर पुरानी प्लेटें और चम्मच फेंकते हैं। ऐसा माना जाता है, कि नए साल की सुबह दरवाजे पर जितने अधिक टूटे बर्तन मिलते हैं, वह व्यक्ति उतना ही भाग्यशाली माना जाता है।

दक्षिण अमेरिका

दक्षिण अमेरिका के एक देश में नया साल बड़ी ही खास परंपराओं के साथ मनाया जाता है। यहां के लोग समुद्र में सफेद फूल, परफ्यूम, ज्वेलरी, कंघी, लिपस्टिक चढ़ाते हैं। माना जाता है कि यह समुद्र की 'देवी येमानजा' को भेंट करने की परंपरा है, ताकि वह नए साल को शुभ और मंगलमय बना सके।

स्विट्जरलैंड

स्विट्जरलैंड में नए साल के अवसर पर लोग जानबूझकर फर्श पर आइसक्रीम गिराते हैं, इस परंपरा को लेकर ऐसा कहा जाता है, कि ऐसा करने से आने वाला साल धन-धान्य से भरपूर होता है।

चिली

चिली के तालका में नए साल की पूर्व संध्या पर लोग अपने मृत प्रियजनों के साथ समय बिताने के लिए साथ मिलकर कब्रिस्तान जाते हैं, इस परंपरा को लेकर ऐसा माना जाता है, कि साल के अंत का जश्न बनाने के लिए मृत प्रियजन वापस आते हैं। इसलिए लोग कब्रों को सजाते हैं, आग जलते हैं, भोजन लाते हैं और साथ मिलकर वहीं रात बिताते हैं।

दुनिया के अलग-अलग कोनों में कैसे मनाया जाता है नया साल?

आपको पता है कि कई देश अलग-अलग समय पर नववर्ष मनाते हैं क्योंकि उनका कैलेंडर अंग्रेज़ी या रोमन कैलेंडर से मेल नहीं खाता. फिर भी रोमन कैलेंडर के अनुसार नये साल के स्वागत का जश्न दुनिया भर में सबसे बड़े पैमाने पर मनाया जाता है. इसके साथ कई विश्वास और परंपराएं भी जुड़ चुकी हैं. हालांकि इस साल ष्श्1द्वस्र-19 के चलते जश्न कुछ जगहों पर काफी सीमित रह सकता है, फिर भी मान्यताओं पर फर्क पड़ने की उम्मीद कम ही है. आइए आपको बताते हैं कि दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में नये साल के स्वागत से किस तरह की दिलचस्प बातें जुड़ी हुई हैं.

प्लेटें तोड़कर स्वागत की परंपरा

अगर आपको दरवाज़े पर कई सारी थालियां टूटी हुई मिलें, तो आप कन्फ्यूज़ हो सकते हैं. लेकिन, डेनमार्क में इस बात से हैरानी नहीं होती. यहां मान्यता है कि आने वाला साल खुशकिस्मती लेकर आएगा इसलिए डेनमार्क में लोग अपने दोस्तों या रिश्तेदारों के घर जाकर उनके दरवाज़े पर प्लेटें तोड़कर फेंक देते हैं. यह शुभकामना संदेश की तरह होता है.

आतिशबाज़ी के नज़ारे

नये साल के स्वागत में पटाखे फोड़ना शायद सबसे आम तरीका है. 31 दिसंबर और 1 जनवरी की मध्यरात्रि में कई देशों में इस तरह जश्न मनाया जाता है. इस बार संभव है कि कोरोना के कारण भीड़ न जुटने के निर्देश कई जगह हों, फिर भी पटाखों पर बैन लगने संबंधी खबरें नहीं हैं. नये साल के स्वागत में आतिशबाज़ी के नज़ारों के लिए न्यूज़ीलैंड का ऑकलैंड स्काय टावर काफी मशहूर है. इसी तरह, ऑस्ट्रेलिया में सिडनी हार्बर पर भी आतिशबाज़ी दर्शनीय होती है. इनके अलावा, कनाडा के टोरंटो, ब्राज़ील के रियो में भी आसमान रंग बिरंगे पटाखों से नहाता है.

दाल खाने का रिवाज

ब्राज़ील में नये साल के स्वागत के लिए अनोखी परंपरा है. नये साल के मौके पर यहां लोग खास तौर पर दाल पकाकर खाते हैं. दाल को धन दौलत का प्रतीक माना जाता है इसलिए यहां मान्यता है कि दाल खाई जाए तो नये साल में समृद्धि हासिल होती है.

12 बजते ही अंगूर खाना

स्पेन में प्रचलित परंपरा को सुनकर आप हैरान भी हो सकते हैं और यह आपको बहुत दिलचस्प भी लग सकता है. स्पेन में जैसे ही घड़ी में 12 बजते हैं तो लोग अंगूरों की तरफ टूट पड़ते हैं. मान्यता है कि घड़ी में मध्यरात्रि का समय होते ही हर बार अंगूर खाने से आने वाले 12 महीने आपके लिए भाग्य और खुशहाली लाते हैं.

घंटियां बजाना

नये साल के स्वागत से जुड़ी परंपराओं को लेकर अगर एशियाई देशों की बात की जाए तो जापान और दक्षिण कोरिया में घंटी बजाने सबसे कॉमन बात है. जगह जगह पूर्व संध्या पर लोग घंटी बजाते हुए दिखते हैं. जापान में तो मान्यता के हिसाब से 108 बार घंटी बजाना शुभ माना जाता है इसलिए वहां शोर काफी होता है.

भालू बनकर डांस

क्रिसमस पर बच्चों या बड़ों के सैंटा की पोशाक पहनने के बारे में आपने सुना होगा लेकिन रोमानिया में नववर्ष का स्वागत करने के लिए लोग भालू जैसी पोशाक पहनकर डांस करते हैं. इसके पीछे मान्यता है कि नये साल में बुरी आत्माओं से छुटकारा मिले. अस्ल में, पुरानी रोमनियाई कहानियों में भालू काफी स्पेशल रहे हैं और लोगों की रक्षा व इलाज करने तक के लिए मददगार माने जाते हैं.

चीज़ें फेंक देना

अमेरिका में टाइम्स स्क्वायर पर नये साल का सबसे अहम जश्न होता है और सबकी निगाहें झंडे के लंबे खंभे से नीचे उतरती एक रंगीन चमकती गेंद पर होती है. असल में यह नये साल के लिए काउंटडाउन का प्रतीक है.

इसके बाद कई अमेरिकी शहरों में देखा जाता है कि लोग नववर्ष की पूर्व संध्या पर पारंपरिक तौर पर कुछ चीज़ें ऊंचाई से फेंकते हैं. मिसाल के तौर पर इंडियाना में लोग ऊंचाई से तरबूज़ फेंकते हैं.

अफ्रीका में भी अनोखी मान्यता

दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में मान्यता है कि नये साल के स्वागत में घर का गैर ज़रूरी सामान बाहर कर दिया जाता है. लेकिन इसे कबाड़ी को बेचना या फिर रीसेल करने जैसा सिस्टम नहीं है बल्कि अपनी खिड़कियों से लोग खास तौर से पुराना फर्नीचर बाहर फेंकते हैं. इसके पीछे मान्यता यही है कि नये साल में नया सौभाग्य उन्हें हासिल हो.

खाली सूटकेस के साथ घूमना

दक्षिण अमेरिका के कुछ देशों में नये साल की पूर्व संध्या के मौके पर आप लोगों को सामान्य जगहों पर सूटकेस लिये हुए घूमते देख सकते हैं. इसके पीछे लोग मानते हैं कि खाली सूटकेस लेकर वॉक करने का मतलब यह है कि आने वाला साल रोमांचों से भरा रहेगा.

विचार-मंथन

संपादकीय

इतिहास है साक्षी

मनमोहन सिंह ने जब कहा था कि इतिहास उनके मूल्यांकन में वर्तमान के मुकाबले ज्यादा उदार होगा, तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं थी। हालांकि किसी भी व्यक्ति के मूल्यांकन का बड़ा आधार उसके योगदान को समय की कसौटी पर कसना भी होता है। फिर भी, अगर मनमोहन सिंह के मन में अपने दौर की वस्तुपरकता को लेकर संदेह था, तो उसे हलके में नहीं लिया जा सकता। जाहिर है, उनके जीवन और योगदान को इस लिहाज से भी देखने की जरूरत है कि उसे देखने, समझने और समझाने में हमारे दौर ने कहां, कितनी और कैसी चूक की। चाहे वित्त मंत्री के रूप में हो या प्रधानमंत्री के रूप में, उनके खाते में ऐसी उपलब्धियां दर्ज हैं जिनकी चमक फीकी नहीं पड़ने वाली। बतौर वित्त मंत्री वह देश को लाइसेंस कोटा राज से मुक्त अर्थव्यवस्था की ओर ले गए। पीएम पद के लिए उन्हें चुना भले सोनिया गांधी ने हो, अमेरिका के साथ परमाणु ऊर्जा करार को अंजाम तक पहुंचा कर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित कराने का श्रेय पूरी तरह से उनके संकल्प को जाता है। मनमोहन सिंह निजी तौर पर अपनी सादगी और ईमानदारी के लिए तो जाने ही जाते रहे हैं, अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने शासन में पारदर्शिता लाने वाले कई कदम उठाए। उनके कार्यकाल में न केवल राइट टु इन्फॉर्मेशन कानून लाया गया, बल्कि उस पर प्रभावी अमल भी सुनिश्चित कराया गया। अपने इस विश्वास को वह आजीवन जीते रहे कि काम को ही बोलने देना चाहिए। अपनी मितभाषिता और विनम्रता के जरिए वह राजनीति की गरिमा बढ़ाते रहे। हालांकि इसी वजह से उन पर यह आरोप भी लगा कि वह अपना और अपनी सरकार व पार्टी का ढंग से बचाव नहीं कर पाते। उनके कार्यकाल के दौरान सामने आए स्कैंडल से जो परसेप्शन बना, उसे वह समय रहते खत्म नहीं कर पाए। हालांकि अदालत में वे आरोप टिक नहीं सके। इसमें दो राय नहीं कि लोकतंत्र में राजनीति अपने तर्कों से ही चलती है। समाज के नजरिये को विचारधाराएं भी अपने ढंग से प्रभावित करती हैं। ऐसे में अगर नब्बे के दशक में बतौर वित्त मंत्री उनके द्वारा उठाए जा रहे ऐतिहासिक कदमों को एक खेमा संकीर्ण वैचारिक चश्मे से देख रहा था तो समाज में बन रहे परसेप्शन पर उसका असर पड़ना लाजिमी था। ऐसे ही राजनीति ने भी मनमोहन सिंह की विनम्रता के अपने ही मतलब निकाले।

बेकाबू होती जा रही महंगाई

महंगाई गंभीर समस्या बनती जा रही है और बाजार में उतार-चढ़ाव के तौर पर देखी जाने वाली स्थितियां अब आम रहने लगी हैं। एक दौर था, जब लोग कुछ समय तक महंगाई की चुनौतियों का सामना कर लेते थे। अब महंगाई में निरंतरता बनी हुई है, खर्च की चादर फैलती जा रही है। ठंड के मौसम में हरी सब्जियां बाजार में दिखती हैं और अमूमन उनकी कीमत ऐसी रहती है कि लोग खर्च कर सकें, लेकिन इस साल ऐसा नहीं है। गोभी, पालक, भिंडी, टमाटर, प्याज, लहसुन, मटर जैसी सब्जियों के दाम ज्यादा होने से आम लोगों का बजट प्रभावित हो रहा है।सब्जी विक्रेताओं के मुताबिक, बड़े कारोबारियों की जमाखोरी के कारण महंगाई की नौबत आई है। विवाह आयोजनों के लिए खरीद हो रही है और छोटे विक्रेताओं तक आवक कम हो रही है। इस बार हरी सब्जियों की पैदावार भी कम हुई है। हकीकत यह है कि पिछले कुछ वर्षों से रोजी-रोजगार की फिक्र में लोग यह भी भूलते जा रहे हैं कि उनकी थाली में न्यूनतम चीजें क्या-क्या होनी चाहिए।यह नौबत आ गई है कि अर्थव्यवस्था के चमकते आंकड़ों की चकाचौंध के बीच बहुत सारे लोगों को खाने-पीने की चीजों में भी कटौती करनी पड़ रही है। यह सोचने की जरूरत है कि आर्थिक विकास के दावों के दायरे में कौन है। क्यों थाली महंगी हो रही है।जरूरी सामानों के साथ ही खाद्य पदार्थों की बढ़ी हुई कीमतों ने पहले ही आम लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों को प्रभावित करना शुरू कर दिया था। मुश्किल सिर्फ सब्जियों तक नहीं सिमटी है। इसका असर दूसरे खाद्य पदार्थों पर भी पड़ा है और खरीदारी के वक्त भी लोगों को अब थोड़ा रुक कर सोचना पड़ रहा है।यह दुखद स्थिति है कि आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर कदम बढ़ाने का दावा करने के क्रम में इस पक्ष की अनदेखी की जा रही है कि लोग जीने के लिए जो भोजन कर रहे हैं, उसके लिए उन्हें कितना सोचना पड़ रहा है। देश की गरीब आबादी के सामने किस तरह की चुनौतियां खड़ी हैं, यह समझना बहुत मुश्किल नहीं है।रुपए की कीमत लगातार कम होते जाने की वजह से भी महंगाई पर काबू पाने में मुश्किलें आ रही हैं।

उदारीकरण एवं आर्थिक सुधार के महासूर्य का अस्त होना!

(ललित गर्ग)

नागरिकों को भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, काम का अधिकार और सूचना का अधिकार सुनिश्चित हुआ। डॉ. सिंह की अधिकार-आधारित क्रांति ने भारतीय राजनीति में एक नए युग की शुरुआत की, जो समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर प्रदान करने का संकल्प था।

दो बार देश के प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह ने पांच दशक तक सक्रिय राजनीति की, अनेक पदों पर रहे, केंद्रीय वित्त मंत्री व प्रधानमंत्री- पर वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। भारत के धुरंधर अर्थशास्त्री, प्रशासक, कद्दावर नेता, दो बार प्रधानमंत्री रह चुके डॉ. मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से आर्थिक सुधार का महासूर्य अस्त हो गया, भारतीय राजनीति में एक संभावनाओं भरा राजनीति सफर ठहर गया, जो राष्ट्र के लिये एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। वे निश्चित ही आर्थिक सुधारों एवं उदारीकरण के नींव के पत्थर थे, मील के पत्थर थे। वे आर्थिक सुधार की बुलंद आवाज थे। उन्हें आर्थिक सुधार, भारत में वैश्विक बाजार व्यवस्था एवं उदारीकरण का जनक कहा जा सकता है। जिन्होंने न केवल देश-विदेश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर हमसे जुदा हो गये हैं। डॉ. सिंह यह नाम भारतीय इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त राष्ट्रनायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, भारत में नये अर्थ के निर्माता, कुशल प्रशासक, दार्शनिक के साथ-साथ भारत को आर्थिक महाशक्ति का एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग है, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, दार्शनिक और चिंतक हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डॉ. सिंह के निधन पर कहा है कि जीवन के हर क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करना आसान बात नहीं है। एक नेक इंसान के रूप में, एक विद्वान अर्थशास्त्री के रूप में उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।' दो बार देश के प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह ने पांच दशक तक सक्रिय राजनीति की, अनेक पदों पर रहे, केंद्रीय वित्त मंत्री व प्रधानमंत्री- पर वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार चलाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया। विलक्षण प्रतिभा, राजनीतिक कौशल, कुशल नेतृत्व क्षमता, बेवाक सोच, निर्णय क्षमता, दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता के कारण कांग्रेस के सभी नेता उनका लोहा मानते रहे, उनके लिये वे मार्गदर्शक ही नहीं, प्रेरणास्त्रोत भी है। वे बेहद नम्र इंसान थे और वह अहंकार से कोसों दूर थे। उनके प्रभावी एवं बेवाक व्यक्तित्व से भारतीय राजनीति एवं लोकतांत्रिक संस्थान चमकते रहे हैं। डॉ. सिंह ने भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक बाजारों के लिए खोलने के लिए उदारीकरण सुधार लागू किए। साथ ही, उन्होंने लाइसेंस राज समाप्त कर, निजीकरण और राज्य नियंत्रण में कमी की। डॉ. सिंह द्वारा विदेशी निवेश को आकर्षित करने के साथ निर्यात को प्रोत्साहित किया गया। डॉ. सिंह का जन्म ब्रिटिश भारत के पंजाब में 26 सितम्बर 1932 को हुआ था। उनकी जन्मतिथि भी 26 एवं निधन तिथि भी 26 एक संयोग ही कहा जायेगा। उनकी माता का नाम अमृत कौर और पिता का नाम गुरुमुख सिंह था। देश के विभाजन के बाद सिंह का परिवार भारत चला आया। डॉ. सिंह की पत्नी का नाम गुरशरण कौर है, जो कि एक गृहिणी और गायिका भी हैं। उनके तीन बेटियां हैं। पंजाब विश्वविद्यालय से उन्होंने स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई पूरी की। बाद में वे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गये। जहाँ से उन्होंने पीएच. डी. की। तत्पश्चात् उन्होंने आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी. फिल. भी किया। डॉसागर, गुरुवार 02 जनवरी 2025 सिंह ने अर्थशास्त्र के अध्यापक के तौर पर काफी ख्याति अर्जित की। वे पंजाब विश्वविद्यालय और बाद में प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकनामिक्स में प्राध्यापक रहे। इसी बीच वे संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन सचिवालय में सलाहकार भी रहे और 1987 तथा 1990 में जेनेवा में साउथ कमीशन में सचिव भी रहे। 1971 में डॉ. सिंह भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मन्त्रालय में आर्थिक सलाहकार के तौर पर नियुक्त किये गये। इसके तुरन्त बाद 1972 में उन्हें वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाया गया। इसके बाद के वर्षों में वे योजना आयोग के उपाध्यक्ष, रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमन्त्री के आर्थिक सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष भी रहे हैं। भारत के आर्थिक इतिहास में हाल के वर्षों में सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब डॉ. सिंह 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मन्त्री रहे। डॉ. सिंह ने भारत के 13वें प्रधानमंत्री के रूप में लगातार दो कार्यकाल पूरे किए हैं। पहले कार्यकाल के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम लागू किया। वहीं सूचना का अधिकार अधिनियम भी उनके कार्यकाल में आया। इसके अतिरिक्त उन्हें ऐतिहासिक भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौता पर हस्ताक्षर के लिए भी जाना जाता है। दूसरे कार्यकाल में उन्होंने बुनियादी ढांचे के विकास और सामाजिक कल्याण योजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया। हालांकि, इस दौरान उन्हें 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला और राष्ट्रमंडल खेल घोटाले जैसे विवादों का भी सामना करना पड़ा। यह बात हम सभी जानते हैं कि उन्हें मौन पीएम भी कहा जाता था, हालांकि उन्होंने इस पर चुप्पी तोड़ते हुए सार्वजनिक रूप से इसका सटीक जवाब भी दिया था। विकास के प्रति डॉ. सिंह की प्रतिबद्धता और उनकी अनेक उपलब्धियों को उन अनेक सम्मानों के माध्यम से मान्यता मिली है जो उन्हें प्रदान किए गए हैं। इनमें 1987 में पद्म विभूषण, 1993 में वित्त मंत्री के लिए यूरो मनी पुरस्कार, 1993 और 1994 में वित्त मंत्री के लिए एशिया मनी पुरस्कार और 1995 में भारतीय विज्ञान कांग्रेस का जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी पुरस्कार शामिल हैं। जवाहर लाल नेहरू के बाद मनमोहन दूसरे ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने प्रधानमंत्री के तौर पर दो कार्यकाल पूरा किया। उन्हें अपने फैसलों के लिए काफी अडिग माना जाता है। 2004 से 2014 तक, भारत दसवें स्थान से उठकर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया, जिससे लाखों लोगों का जीवन स्तर सुधरा और गरीबी में कमी आई। डॉ. सिंह के दृष्टिकोण में केवल उच्च विकास नहीं, बल्कि समावेशी विकास और उस विश्वास की भी अहमियत थी जो सभी को ऊपर उठाने वाली लहरें उत्पन्न कर सके। यह विश्वास उनके द्वारा पारित किए गए विधेयकों में दिखाई देता है।

एक्सीडेंटल राजनेता, क्रांतिकारी अर्थशास्त्री

(उमेश चतुर्वेदी)

मनमोहन सिंह को अर्थशास्त्री प्रधानमंत्री के रूप ही याद किया जाता है। लेकिन प्रधानमंत्री को राजनेता भी होना चाहिए। मनमोहन आधुनिक और प्रचलित अर्थों में राजनेता नहीं थे। उनके ही मीडिया सलाहकार रहे संजय बारू ने उन्हें एक्सीडेंटल प्रधानमंत्री कहा है। साल 1999 के आम चुनावों में दिल्ली की सात में छह सीटों पर तत्कालीन सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी को करारी हार मिली थी। दक्षिण दिल्ली की इकलौती ऐसी सीट रही, जहां बीजेपी के विजय कुमार मल्होत्रा को जीत मिली थी। मल्होत्रा के सामने जिन्हें हार मिली थी, वे राजनेता मनमोहन सिंह थे। उन दिनों मैं दैनिक भास्कर के दिल्ली ब्यूरो में काम करता था। अखबारी रिपोर्टिंग की एक रवायत है। वह विजेताओं को ही खोजती है और उनकी ही बात करती है। लेकिन हमारे तत्कालीन ब्यूरो चीफ और दिग्गज पत्रकार शरद द्विवेदी ने मुझे सफदरजंग रोड भेज दिया, जहां मनमोहन सिंह बतौर राज्यसभा सांसद रह रहे थे। शरद द्विवेदी का तर्क था कि मनमोहन सिंह देश की अर्थव्यवस्था को बदलने वाले राजनेता हैं। उनके घर का माहौल देखना चाहिए और उस पर स्टोरी लिखनी चाहिए। मैं जब मनमोहन सिंह के घर पहुंचा तो वहां करीब साठ-सत्तर कार्यकर्ता मौजूद थे। बंगले में एक तरह से उदासी छायी थी। एक ड्रम में रसना घोल रखी गई थी और आने वाले लोगों को पिलाई जा रही थी। वहां कांग्रेस का कोई बड़ा नेता मौजूद नहीं था, सिवा राजस्थान के रामनिवास मिर्धा के। मिर्धा भी चुपचाप एक कोने में खड़े थे। और तो और, वहां पत्रकार भी नहीं थे। मेरे पहुंचने के बाद बंगले में सिर्फ एक और पत्रकार आए। इस बीच साधारण से सफेद कुर्ता-पाजामा और नीली पगड़ी में मनमोहन सिंह मेरी तरफ मुखातिब हुए। उन्हें मैंने बतौर पत्रकार परिचय दिया तो उन्होंने कांपते हाथों से हाथ मिलाया और फिर उसी तरह तकरीबन कांपते हुए रसना का गिलास मुझे थमा दिया। उस वक्त मैंने बचकाना सा सवाल पूछ लिया था, क्या सोच रहे हैंसागर, गुरुवार 02 जनवरी 2025 मनमोहन सिंह को उसके बाद राज्यसभा और दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में खूब देखा। वे कभी पढ़ते हुए दिखते तो कभी चुपचाप बैठे हुए। 2004 में भारतीय जनता पार्टी के इंडिया शाइनिंग अभियान को धत्ता बताते हुए कांग्रेस की अगुआई में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन ने केंद्रीय सत्ता का दावेदार बन गया। तब शायद ही किसी ने सोचा था कि मनमोहन सिंह अगले प्रधानमंत्री बनेंगे। उस वक्त माना यह जा रहा था कि अगर किसी वजह से सोनिया गांधी प्रधानमंत्री नहीं बन पाएंगी तो प्रणब मुखर्जी देश के अगले प्रधानमंत्री हो सकते हैं। लेकिन सोनिया गांधी ने प्रणब मुखर्जी की बजाय मनमोहन सिंह पर भरोसा किया। 1991 में जब नरसिंह राव ने केंद्र की सत्ता संभाली, तब देश भारी आर्थिक संकट से गुजर रहा था। देश की आर्थिक स्थिति इतनी खराब थी कि उसे विदेशी विनिमय के लिए अपना 67 टन सोना ब्रिटेन में गिरवी रखकर उसके एवज में 2.2 अरब डॉलर का कर्ज लेना पड़ा था। ऐसे माहौल में नई सरकार के लिए देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना बड़ी चुनौती थी। लेकिन नरसिंह राव ने इसे स्वीकार किया। उन्होंने मनमोहन सिंह को वित्त मंत्री बनाया और मनमोहन सिंह ने उदारीकरण के साथ ही आर्थिक सुधारों की शुरूआत की। 1991 के चुनावों के बाद बनी नई सरकार ने 25 जुलाई 1991 को नया बजट पेश किया। उसी बजट को पेश करते हुए बतौर वित्त मंत्री देश को नई आर्थिक राह पर लेकर चल पड़े। उदारीकरण, वैश्वीकरण और आर्थिक सुधार के साथ देश आर्थिक मोर्चों को फतह करते हुए आगे बढ़ चला। इस राह पर देश आज कितना आगे बढ़ चुका है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आज भारत दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है। देश का आज आर्थिक नक्शा बदला हुआ नजर आता है तो उसकी बड़ी वजह मनमोहन सिंह की रखी हुई बुनियाद ही है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5599

	3	6	9					
2				8				5
			1		6	8		
	2	7	4		1		9	
	1						4	
	4		2		8	7	3	
		2	8		5			
1				3				6
					9	2	8	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5598

7	6	2	3	1	9	4	8	5
9	4	3	5	8	6	7	1	2
5	8	1	7	2	4	6	9	3
6	3	4	9	7	5	1	2	8
1	9	7	8	3	2	5	6	4
2	5	8	4	6	1	3	7	9
3	2	5	1	9	7	8	4	6
8	1	9	6	4	3	2	5	7
4	7	6	2	5	8	9	3	1

आज का राशिफल

मेष
आज दिन थोड़ा मुश्किलों से भरा हो सकता है। काम का बोझ बढ़ने से सेहत पर असर पड़ सकता है। इसलिए सेहत का ध्यान रखें और बाहर का खाना खाने से बचें। कला, साहित्य, और मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में किसी बड़े बुजुर्ग की मदद से बिज़नस में तरक्की मिलेगी और आपके सम्सागर, शाम से रात तक शुभ काम में खर्च होगा, जिससे आपका नाम रोशन होगा।

वृष
आज हर काम सोच-समझकर करने का दिन है। कार्यक्षेत्र में कड़ी मेहनत की ज़रूरत है। शाम को मेहमान आने से खर्च बढ़ सकता है। सारे काम समय पर पूरे करने की कोशिश करें। अच्छे परिणामों के लिए हर सोमवार शिवलिंग पर कच्चा दूध चढ़ाएं। यह उपाय आपके लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है। इससे आपके लिए कार्यक्षेत्र में सफलता के रास्ते खुल सकते हैं।

मिथुन
आज आर्थिक लाभ का दिन है। आपके पास पैसे आएंगे और आपका मूड अच्छा रहेगा। हर क्षेत्र में दिमाग और हुनर का इस्तेमाल करेंगे तो कामयाबी मिलेगी। राजनीति में जो उलझन चल रही थी, वह सुलझ जाएगी और कोई बड़ी सफलता हाथ लगेगी। बच्चों से जुड़ी अच्छी खबर भी मिलेगी।

तुला
आज लाभ होगा और आपके लिए तरक्सागर, गुरुवार 02 जनवरी 2025 की के संयोग बने हैं। दिन सामान्य रूप से फायदेमंद रहेगा। नौकरी, बिज़नस, और राजनीति में तरक्की के योग हैं। बड़े-बुजुर्ग आपकी मदद करेंगे और आपका दिन खुशी से बीतेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें, नहीं तो परेशानी हो सकती है। कला और साहित्य में कामयाबी मिलेगी। करियर में आ रही रुकावटें दूर हो सकती हैं।

वृश्चिक
आज आर्थिक लाभ होगा। परिवार में थोड़ी अनबन हो सकती है। हिम्मत और धैर्य से काम लें। जल्दबाजी न करें, तो फायदा होगा। कार्यक्षेत्र में तरक्की के अच्छे मौके हैं। बिज़नस में उतार-चढ़ाव हो सकता है। ऐसे में आपको कोई काम सोचकर लेने की सलाह है। आपको रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है। शाम को छोटी या लंबी यात्रा हो सकती है। यह यात्रा आपके लिए लाभदायक साबित हो सकती है।

धनु
आज धन और सम्मान में वृद्धि होगी। आपका भाग्य आपका साथ देगा। राजनीति और समाज में थोड़ा तनाव रहेगा। कोई भी फैसला सोच-समझकर लें। विद्यार्थियों को मेहनत करने की जरूरत है, तभी सफलता मिलेगी। परिवार में संपत्ति को लेकर थोड़ी अनबन हो सकती है। बाद में सब सही हो जाएगा। व्यापार में कुछ उम्मीदें जगेंगी, जिससे आगे चलकर बड़ा फायदा होगा। धैर्य रखें और मेहनत करते रहें।

कर्क
आज आर्थिक लाभ होगा और धन से जुड़ी योजनाएं सफल होंगी। आपका प्रभाव बढ़ेगा। बिज़नस में अच्छे मौके मिलेंगे। राजनीति और समाज में मेहनत और साहस की जरूरत है। दुश्मन कमजोर होंगे। आपके धन में वृद्धि होगी और बिज़नस में नए विचारों पर काम करेंगे। यह आपके लिए तरक्की का समय है।

सिंह
आज आर्थिक लाभ होगा। बच्चों से खुशखबरी मिलेगी। नए खर्चे सामने आ सकते हैं। कोई झूठा इल्जाम भी लग सकता है। शाम को यात्रा पर जाना पड़ सकता है। आपके सम्मान में वृद्धि होगी। इस मामले में सावधान रहें। गुस्से पर काबू रखें। बिज़नस में फायदा होगा। सावधानी और धैर्य से काम लें। आपको फालतू खर्च से बचने की सलाह है और आगे चलकर यही पैसा आपके काम आएगा।

कन्या
आज आर्थिक लाभ का दिन है। कहीं से रुका हुआ पैसा मिल सकता है। आपको किसी काम की जिम्मेदारी मिल सकती है। लंबे समय से रुका काम पूरा होगा। राजनीति और समाज में नए लोग मिलेंगे। पढ़ाई में अच्छी तरक्की होगी और सम्मान मिलेगा। कोई मेहमान घर आ सकता है।

मकर
आज धन में वृद्धि होगी और आज का दिन आपके लिए कामयाबी भरा रहेगा। कानूनी मामलों में जीत होगी। कार्यक्षेत्र में आप शीर्ष पर पहुंचेंगे। जमीन-जायदाद के काम से फायदा होगा। बच्चों की कामयाबी की खबर से खुशी मिलेगी। शाम को किसी नए काम की शुरुआत हो सकती है। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आपके लिए यह दिन बहुत शुभ है।

कुंभ
आज आर्थिक लाभ होगा। लेन-देन में सावधानी बरतें। ज्यादा खर्च होने से कर्ज लेना पड़ सकता है। पारिवारिक काम में भागदौड़ रहेगी और दिन व्यस्त रहेगा। आप अपनी काबिलियत से दूसरों को प्रभावित करेंगे। शाम का समय सुख-समृद्धि में बीतेगा। थोड़ा संभलकर चलने की जरूरत है। वरना आपको नुकसान हो सकता है। अपने मन की बात किसी से न कहें। यह आपके लिए बेहतर होगा।

मीन
आज आप अपने दुश्मनों के लिए परेशानी का सबब बनेंगे। आज का दिन सम्मान से भरा रहेगा। दिन भक्ति भाव में बीतेगा। काम में आ रही रुकावटें दूर होंगी। रात में किसी शुभ काम में शामिल होने का मौका मिलेगा। यह आपके लिए अच्छा समय है। आपको निवेश करने से लाभ होगा और आपके लिए करियर में कामयाबी के योग बन रहे हैं। भाग्सागर, गुरुवार 02 जनवरी 2025 य में वृद्धि होगी।

वर्ग पहेली 5599

1	2	3		4	5		■
6			■	7		■	8
	■		■		■	9	
10	11		■	12			
13		■	14		■	■	■
■	15			■	16	■	17
18	■	■	19			20	
21				■	22		■

संकेतः बाएं से दाएं
1. इस भारतीय भौतिक वैज्ञानिक ने 12 अगस्त को जन्म लिया था (7)
6. दुर्भाग्य, दुर्दशा, संकट (3)
7. एक प्रकार का फल जो भगवान के भोग निमित्त चढ़ाया जाता है, कदली (2)
9. तिब्बत के बौद्धों के धर्माचार्य, घास खाने ओर पागुर करने वाला एक जंतु जो ऊंट जैसा होता है (2)
10. मुशी, लिखने वाला, लेखक (3)
12. एक प्रकार का मंगल वाद्य, नफीरी (4)
13. एक सर्वनाम जिसका प्रयोग वक्ता ओर श्रोता के अतिरिक्त निकटवर्ती सभी संज्ञाओं या बातों के लिए होता है (2)
14. इस देश को म्यांमार कहा जाता है (2)
15. राजा के लिए प्रयुक्त शब्द (3)
19. यह एक दिवंगत पूर्व में दस्यु रह चुकी थीं (5)
21. उथल-पुथल, भागदौड़, संचलन (4)
22. विविध, एक रिश्ता, मातामह (2)

ऊपर से नीचे
1. महाकाय, भीम, गजकाय (5)
2. तारतम्य, रूटीन, विन्यास, करीना (2)
3. स्वार्थ, खुदगर्जी, प्रयोजन (4)
4. भारत का प्रथम अंतरिक्ष यात्री (5)
5. बरछा, बल्लम, नेजा, पाषाणी (2)
8. श्रमादि करके कमाया हुआ धन (3)
9. उपस्थित करना, ले आना, लिवाना (2)
11. तिगुना, तीन बार उतना ही (3)
14. जंगली मेवा (4)
16. निर्मित होना, निर्माण होना, पनपना (3)
17. यह उत्तर भारत में बहने वाली महत्वपूर्ण नदी है इसका पौराणिक नाम परूष्णी है (2)
18. एक प्रशंसासूचक शब्द (2)
20. प्रदत्त करना, प्रदान करना (2)

वर्ग पहेली 5598 का हल

खु	दी	रा	म	बो	स	■	रा
द	म	न	शी	ल	■	व्यो	म
■	क	■	न	चा	ना	■	च
ता	■	ब	ग	ल	■	वा	रि
क	न्या	दा	न	■	आ	द	त
त	य	■	■	मा	शा	■	मा
■	क	मा	ल	■	ती	ज	न
क	र्ता	■	ब	हु	त	■	स

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

डीएम ने की बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 के तहत द्वितीय अपीलों की सुनवाई

निज संवाददाता | नवादा

नवादा जिले के जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश ने अपने कार्यालय में बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 के तहत द्वितीय अपीलों की सुनवाई की। इस दौरान कुल सात परिवादी अपनी शिकायत लेकर उपस्थित हुए, जिनमें से चार शिकायतों का समाधान तत्काल (ऑन स्पॉट) किया गया। इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि नागरिकों की शिकायतों का शीघ्र समाधान हो और उन्हें अपनी समस्याओं के समाधान के लिए लंबे समय तक इंतजार न करना पड़े। इस मौके पर विभिन्न प्रकार की शिकायतों को सुना गया, जिनमें से कुछ मामलों का त्वरित निपटारा किया गया। द्वितीय अपीलों में शामिल मामलों में एक प्रमुख मामला श्री मिथिलेश कुमार का था, जो विजयटांड़, पोस्ट मरूई, प्रखंड/अंचल रोह के निवासी हैं। उन्होंने बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत ऑनलाइन द्वितीय अपील दायर किया था। इस मामले की जांच संबंधित अधिकारियों द्वारा की गई और त्वरित निवारण किया गया। इसके बाद दूसरी शिकायत पड़िया देवी की थी, जो ग्राम बड़होरी, प्रखंड गोविंदपुर की रहने वाली हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभ से वंचित रहने के कारण द्वितीय अपील दायर की थी। उनकी शिकायत को संबंधित अधिकारियों द्वारा 26 नवंबर 2024 को ऑनलाइन दायर करने के बाद जांच कर समाधान कर दिया गया। इसी तरह, श्रीमती सविता देवी ने भी प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित अपना मामला 24 नवंबर 2024 को ऑनलाइन दायर किया था, जो गोविंदपुर प्रखंड के बाड़ाटांड़ गांव से संबंधित था। इस शिकायत का भी निवारण जांच के बाद किया गया। इसके अतिरिक्त, श्रीमती मोहनी देवी ने भी पारित आदेश से असंतुष्ट होकर बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत ऑनलाइन द्वितीय अपील दायर किया। इस मामले में भी संबंधित अधिकारियों ने जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की और शिकायत का समाधान किया गया।

बिहार लोक शिकायत निवारण अधिनियम 2015 के तहत किसी भी मामले को अधिकतम दो माह के भीतर निवारण कर दिया जाता है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी नागरिक की शिकायत लंबित न रहे और उसे शीघ्र समाधान मिले। यदि किसी व्यक्ति को प्रखंड स्तर पर पंचायतों से संबंधित विवाद या समस्या हो, तो वे अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण कार्यालय, नवादा सदर और रजौली में अपनी अपील दायर कर सकते हैं। इसके अलावा, जिला स्तर पर समस्याओं का समाधान करने के लिए जिला लोक शिकायत निवारण अधिकारी का कार्यालय समाहरणालय के मुख्य प्रवेश द्वार के दाहिने तरफ स्थित लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम भवन में कार्यरत है। यहां जिला स्तर की सभी समस्याओं का निवारण किया जाता है। इस प्रक्रिया में दोनों पक्षों को बुलाकर सुनवाई की जाती है, ताकि मामले का न्यायपूर्ण निपटारा हो सके। इन सभी प्रक्रियाओं में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शिकायत दर्ज करने और उसका निवारण निःशुल्क किया जाता है। कोई भी नागरिक बिना किसी शुल्क के अपनी शिकायत दर्ज कर सकता है और उसका निवारण प्राप्त कर सकता है। इसके अलावा, यदि कोई व्यक्ति आदेश से असंतुष्ट होता है, तो वह निःशुल्क अपील दायर कर सकता है। यह प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी और नागरिकों के हित में है। अब शिकायतों का निवारण और भी आसान हो गया है क्योंकि बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत अब ऑनलाइन भी शिकायतें दायर की जा सकती हैं। इससे उन लोगों को भी सुविधा मिलती है, जो दूर-दराज के इलाकों में रहते हैं और जिनके लिए लोक शिकायत निवारण कार्यालयों में व्यक्तिगत रूप से आकर अपनी शिकायतें दर्ज करना संभव नहीं होता। इस प्रक्रिया के तहत नागरिकों को अधिक से अधिक सुविधा प्रदान की जा रही है, ताकि वे अपने अधिकारों का उपयोग कर सकें और अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकें। यदि आप भी बिहार राज्य में रहते हैं और किसी समस्या का सामना कर रहे हैं, तो आप भी इस अधिनियम के तहत अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं और निर्धारित समय सीमा के भीतर समाधान प्राप्त कर सकते हैं।

इलाज के दौरान हाइवा चालक की मौत

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

सोमवार की देर रात, थाना क्षेत्र के अदलबिगहा मोड़ के समीप स्थित टोल प्लाजा के पास एक दुखद सड़क दुर्घटना घटी। रात लगभग 1:30 बजे, एक हाइवा अनियंत्रित होकर खड़ी एक टेलर में जोरदार टक्कर मार दिया। इस दुर्घटना में हाइवा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही एनएचएआई एम्बुलेंसकर्मी भरत कुमार मौके पर पहुंचे और घायल चालक को तुरंत अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया। अस्पताल में तैनात चिकित्सक ने घायल हाइवा चालक की पहचान जमुई जिले के गढ़ी थाना क्षेत्र के डुमरोजोर गांव निवासी 30 वर्षीय बिनोद कुमार के रूप में की। चिकित्सकों के अनुसार, बिनोद कुमार का सिर फट गया था और शरीर के अन्य हिस्सों में भी गंभीर चोटें आई थीं। प्राथमिक इलाज के बाद, उनकी स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल नवादा रेफर कर दिया गया। थाना क्षेत्र के थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने घटना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि टोल प्लाजा के समीप टेलर संख्या आरजे06जीसी2603 सड़क के किनारे खड़ी थी। मध्य रात्रि के समय, एक हाइवा संख्या बीआर01जीएम6474, जो वैशाली से कोडरमा जा रहा था, ने खड़ी टेलर में जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में हाइवा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। दुर्घटना के बाद, पुलिस ने चालक के परिजनों को सूचना दी। थानाध्यक्ष ने बताया कि मृतक चालक के शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है, और पुलिस इस मामले में अग्रतर कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है। इस दुर्घटना ने सड़क सुरक्षा की आवश्यकता और खड़े वाहनों के संबंध में अधिक सतर्कता की आवश्यकता को उजागर किया है।

दर्जनों गरीबों के बीच कम्बल का हुआ वितरण

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

प्रखण्ड क्षेत्र के एनएच-20 के किनारे स्थित साउथ सिटी स्कूल के निदेशक रविंद्र कुमार द्वारा हांड कांपने वाली ठंड में दर्जनों गरीब व जरूरतमंद महिला व पुरुषों के बीच कम्बल का वितरण किया गया।31 दिसम्बर को स्कूल के निदेशक रविंद्र कुमार का जन्मदिवस है और इस अवसर पर उन्होंने दर्जनों गरीबों व असहाय लोगों को भोजन आदि करवाया। साथ ही गरीबों के बीच कम्बल का वितरण किया गया। वहीं लोगों ने उन्हें दीर्घायु बनाये रखने की शुभकामनाएं दी।वहीं साउथ सिटी परिवार के शुभाकांक्षी सदस्य गण इनके सानिध्य में अपने जीवन को सफल बनाने की ठानी है। साथ ही कहा कि इनका व्यक्तित्व साधारण नहीं, बल्कि असाधारण कद का है। इनका सोच केवल विद्यालय के प्रति ही सुंदर और स्वच्छ नहीं, बल्कि इनका सोच तो समाज परिवार तथा राष्ट्र कल्याण के हितार्थ में भी समर्पित है।मंगलवार के दिन हनुमान जी का दिन माने जाने के कारण निदेशक ने सर्वप्रथम अपने जन्मदिन के अवसर पर हनुमान जी की पूजा अर्चना किया। तत्पश्चात स्कूल प्रांगण में केक काटकर जन्मदिन मनाने की परंपरा से हटकर इन्होंने अपने जन्मदिन के अवसर पर गरीबों के बीच भोजन करवाया एवं भोजन उपरांत कंबल वितरण करने किया।

इस मांगलिक बेला में इन्होंने साउथ सिटी के बच्चों के बीच मिठाई बाटकर अपने जन्मदिन के खुशियों का इजहार किया। विद्यालय के बच्चों ने भी अपने हाथ का बनाया हुआ एक से एक आकर्षक उपहार विद्यालय के निदेशक रविंद्र कुमार को प्रदान किया गया। इस मौके पर छात्र पवन कुमार, हिमांशु कुमार, प्रीति कुमारी, आर्यन कुमार, खुशी कुमारी, संजना कुमारी व सत्यम कुमार के अतिरिक्त विद्यालय के प्राचार्य पवन कुमार,वरिष्ठ शिक्षक प्रमोद कुमार सिंह,पिंटू पांडे,अभिषेक कुमार, नितीश कुमार, नीरज कुमार, निशांत कुमार, शैलेंद्र कुमार, केसराज सराफ, सूरज कुमार, संतोष कुमार, मधु कुमारी, मालती कुमारी, कहकशां खानम, सिंधु कुमारी, करिश्मा कुमारी, शगुफ्ता नाज, शाइस्ता प्रवीण आदि शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं निदेशक के प्रिय शिष्य यशवंत यादव और कुमार ऋषि देव ने मिलकर उनके जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी एवं उपहार भेंट किए।निदेशक ने कहा कि विगत 9 वर्षों से हमारा विद्यालय आरटीई के तहत 25% बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देते आ रहा है। इच्छुक अभिभावक वर्ग प्रथम में बच्चों का आरटीई के तहत ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

कवि सम्मेलन का आयोजन

नवादा (नि.सं.)। विश्व मगही परिषद् के तत्वावधान में 'अंतरराष्ट्रीय मगही चौपाल-221 आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य विषय 'साहित्यकार की नजर में विश्व मगही परिषद्' पर परिचर्चा और कवि सम्मेलन था। यह आयोजन साहित्य, संस्कृति और काव्य के विविध रंगों का संगम था, जिसमें मगही भाषा, साहित्य और संस्कृति से जुड़े प्रसिद्ध साहित्यकारों, कवियों और विद्वानों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, मगही मनीषी 'मगही रत्न' राम रतन सिंह 'रत्नाकर' जी, ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में कहा कि मगध क्षेत्र में दर्जनों मगही संगठनों के सक्रिय होने के बावजूद, इन सभी संगठनों को आपस में समन्वय और एकता के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्व मगही परिषद्, अपनी स्थापना के दिन से ही मगही भाषा के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है।

रेलकर्मी और उनके आश्रितों ने महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से कराया अवगत

निज संवाददाता | हाजीपुर(वैशाली)

मुख्यालय, हाजीपुर में 04 रेलकर्मी/उनके आश्रितों ने पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह से मुलाकात की तथा अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। महाप्रबंधक ने संबंधित विभागों को प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए निर्धारित समय सीमा में केस निष्पादन के निर्देश दिए। विदित हो कि रेलकर्मियों की विभागीय समस्याओं के निष्पादन के उद्देश्य से महाप्रबंधक से मुलाकात हेतु प्रत्येक मंगलवार का दिन निर्धारित किया गया है। इसके लिए रेलकर्मी अपना नाम पूर्व में कार्मिक विभाग में पंजीकृत करवाकर मंगलवार को महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याएं उनके सामने रख सकते हैं।

पटना और दुमका के मध्य चलने वाली पटना-दुमका-पटना एक्सप्रेस का परिचालन प्रतिदिन

निज संवाददाता | हाजीपुर(वैशाली)

पटना और दुमका के मध्य चलने वाली गाड़ी सं. 13334/13333 पटना-दुमका-पटना एक्सप्रेस के परिचालन के दिनों के संबंध में पिछले दिनों जारी अधिसूचना में प्रतिदिन के स्थान पर साप्ताहिक चलने की सूचना प्रकाशित हुई थी। उपरोक्त के आलोक में स्पष्ट किया जाता है कि गाड़ी सं. 13334/13333 पटना-दुमका-पटना एक्सप्रेस के परिचालन के दिनों में किसी प्रकार का बदलाव नहीं किया गया है। इस ट्रेन का पटना और दुमका के मध्य परिचालन प्रतिदिन जारी रहेगा।

मालदीव को 14-0 से रौंदा

भारतीय महिला फुटबॉल टीम की सबसे बड़ी इंटरनेशनल जीत

बैंगलुरू, एजेंसी। मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी लिंडा कोम सेर्टो ने अपने पदार्पण मुकाबले में चार गोल किए जबकि प्यारी शाशा ने महज आठ मिनट के अंतराल में हैट्रिक बनाई जिससे भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने सोमवार को यहां अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में मालदीव को 14-0 से हरा दिया।इसके साथ ही भारत के स्वीडन के नवनियुक्त कोच जोकिम एलेक्जेंडरसन ने अपने कार्यकाल की शुरुआत शानदार जीत के साथ की। पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में शाशा ने मेजबान टीम के लिए सातवें, आठवें और 15वें मिनट में गोल दागे और इस बीच 12वें मिनट में लिंडा के गोल में मदद की। पूरी तरह से एकतरफा रहे मैच में लिंडा ने 12वें, 21वें, 29वें और 52वें मिनट में गोल किए। मैच में कुछ समय के लिए व्यवधान आया जब एक लाइनमैन पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया और वह मैदान पर भाग रहा था जिससे खेल रोकना पड़ा। यह घटना मध्यांतर से पहले अंतिम मिनट में हुई और मैच 15 मिनट बाद फिर से शुरू हुआ। भारत मध्यांतर तक 8-0 से आगे था। भारत के लिए नेहा ने भी 16वें और 45वें मिनट में दो गोल करके अपने पदार्पण का जश्न मनाया जबकि काजोल डिसूजा ने भी 59वें और 66वें मिनट में दो गोल किए। अन्य गोल करने वाली खिलाड़ी संगीता बसफोर (51वें मिनट), सोरोखैबम रंजना चानू (54वें मिनट) और रिम्पा हलदर (62वें मिनट) रहीं। मालदीव के खिलाफ दूसरा और अंतिम मैत्री मैच दो जनवरी को यहीं खेला जाएगा। अलेक्जेंडरसन ने आठ खिलाड़ियों को पदार्पण का मौका दिया जिनमें से तीन ने आक्रमण में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया करते हुए आठ गोल किए। यह अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में भारतीय महिला टीम की सबसे बड़ी जीत में से एक है। टीम ने 2010 में बांग्लादेश में सैफ चैंपियनशिप में भूटान को 18-0 से हराया था।

आईपीएल नीलामी में नहीं बिके ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज का [illegible] में धमाकेदार प्रदर्शन, 11 साल बाद जड़ा अर्धशतक

नइदिल्ली, एजेंसी। इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी डेविड वॉर्नर को इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के ऑक्शन में में किसी फ्रेंचाइजी ने नहीं खरीदा। बिग बैश लीग 14 में उनकी तूफानी बल्लेबाजी देखने को मिली है। उन्होंने 11 साल बाद लीग में अर्धशतक जड़ा और सोमवार (30 दिसंबर) को सिडनी थंडर को मेलबर्न रेनेगेड्स के खिलाफ आठ रन से जीत दिलाई। वॉर्नर ने टूर्नामेंट की शुरुआत अच्छी नहीं की थी। वॉर्नर ने 57 गेंदों पर नाबाद 86 रनों की पारी खेलकर फॉर्म में वापसी की। थंडर ने 4 विकेट पर 156 रन बनाए। इसके बाद वेस अगर ने 32 रन देकर 4 विकेट लिए और रेनेगेड्स 8 विकेट पर 148 रन ही बना पाई। इससे थंडर ने एंजी स्टेडियम के अपने घरेलू मैदान पर 734 दिन बाद पहली जीत दर्ज की। इस परिणाम के साथ थंडर बीबीएल अंक तालिका में सिडनी सिक्सर्स के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गया। रेनेगेड्स 2 जीत और 2 हार के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गया।

निश्चित रूप से हार्दिक पांड्या से बेहतर...गावस्कर ने नितीश रेड्डी की जमकर तारीफ की

नइदिल्ली, एजेंसी। भारत के 21 वर्षीय नितीश कुमार रेड्डी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में अच्छी छवि बनाई हैं। यह युवा खिलाड़ी संकटमोचक बनकर उभरा है जिसने बार-बार मुश्किल परिस्थितियों से भारत को बाहर निकाला है।

हाल ही में संपन्न मेलबर्न टेस्ट में जिसमें भारत 184 रनों से हार गया था, नितीश ने ही पहली पारी में अपना पहला शतक बनाकर भारत को मैच में बनाए रखा था। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर नितीश कुमार रेड्डी के दृढ़ संकल्प से काफी प्रभावित हैं, उन्होंने उन्हें भारतीय क्रिकेट के सबसे चमकदार युवा सितारों में से एक बताया। उन्होंने यह भी कहा कि नितीश कुमार रेड्डी की बल्लेबाजी हार्दिक पांड्या से बेहतर है, जब उन्होंने टीम इंडिया के लिए खेलना शुरू किया था।

मेलबर्न टेस्ट में नितीश कुमार रेड्डी पहली पारी में नंबर 8 पर बल्लेबाजी करने आए थे। उन्होंने 114 रन बनाकर भारत को हार से उबारने में मदद की। युवा खिलाड़ी के पिता की स्टैंड में मौजूदगी ने इस पल को और खास बना दिया। गावस्कर ने अपने कॉलम में लिखा, मेलबर्न टेस्ट ने भारतीय क्रिकेट के सबसे चमकते युवा सितारों में से एक नीतीश कुमार रेड्डी को सामने ला दिया। वह आईपीएल में हैदराबाद फ्रैंचाइजी के लिए अपने प्रदर्शन से भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के ध्यान में आए। उन्होंने प्रथम श्रेणी स्तर पर कुछ खास नहीं किया था, लेकिन अजीत अगरकर और उनके साथी चयनकर्ताओं को उन्हें टेस्ट क्षेत्र में लाने के लिए पर्याप्त जानकारी थी। गावस्कर ने कहा, पर्थ में अपने पहले टेस्ट मैच में ही यह स्पष्ट हो गया था कि यह एक ऐसा क्रिकेटर है जो परिस्थितियों को समझ सकता है और उसके अनुसार खेल सकता है। प्रत्येक अगले टेस्ट मैच के साथ, उनके कंधों पर एक अच्छे क्रिकेटिंग हेड की छाप और मजबूत होती गई।

नीतीश कुमार रेड्डी ने पहले पर्थ और एडिलेड में 40 रन की कीमती पारियां दर्ज की थीं। लेकिन उन्होंने मेलबर्न में पैट कमिंस, नाथन लियोन, मिशेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड के खिलाफ अपने शतक से पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा।

रोहित शर्मा ने लिया रिटायरमेंट का फैसला! बीसीसीआई जल्द कर सकता है एलान?

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद रिटायरमेंट लेने वाले हैं.

एक मीडिया रिपोर्ट अनुसार रोहित मौजूदा सीरीज के बाद अपने करियर को लेकर बहुत बड़ा फैसला लेने वाले हैं. बता दे कि उनकी कप्तानी में भारत बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को जीतने में नाकाम रहा है, एक ऐसी सीरीज जिसे टीम इंडिया पिछली चार बार से जीतती आ रही है. वहीं उनका व्यक्तिगत प्रदर्शन भी कुछ खास नहीं रहा है, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज की 5 पारियों में केवल 31 रन बनाए हैं.

रिपोर्ट अनुसार बीसीसीआई के उच्च अधिकारी और चयनकर्ताओं ने पहले ही रोहित से बात कर ली है और ऐसा लगता है जैसे हिटमैन अपना फैसला नहीं बदलेंगे. अभी तक रिटायरमेंट की तारीख सामने नहीं आई है, लेकिन रिपोर्ट अनुसार रोहित सिडनी टेस्ट के बाद अपने टेस्ट करियर का अंत कर सकते हैं. यदि भारत वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच जाता है तो रोहित कुछ समय और कप्तान पद पर बने रहने के लिए चयनकर्ताओं से बात कर सकते हैं. मेलबर्न टेस्ट की हार के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने कहा था कि वो इस हार से अवश्य ही आहत हुए हैं.

एक तरफ जसप्रीत बुमराह हैं, जो अकेले दम पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में 30 विकेट ले चुके हैं. दूसरी ओर रोहित शर्मा हैं, जिन्होंने केवल 31 रन बनाए हैं. संभव ही रोहित की टेस्ट रिटायरमेंट ज्यादा दूर नहीं है लेकिन वो सिडनी टेस्ट में बिना लड़ाई करे लंबे फॉर्मेट से संन्यास नहीं लेना चाहते.

मेलबर्न की हार पर क्या बोले रोहित शर्मा

मेलबर्न टेस्ट में भारत को 184 रनों की हार मिली थी, जिसके चलते ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है. रोहित शर्मा ने हार पर कहा कि ऐसी बहुत सी चीजें हैं जो उनके अनुसार नहीं हो पा रही हैं. उन्होंने यह भी बताया कि ये हार मानसिक तौर पर झकझोर देने वाली है.

मिशेल मार्श के चोटिल होने की कोई चिंता नहीं है: मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने भारत के खिलाफ चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में सीमित ओवरों के बावजूद ऑलराउंडर मिशेल मार्श के फिटनेस संबंधी किसी भी चिंता को खारिज कर दिया।मैकडोनाल्ड ने मार्श के सीमित समय तक गेंद के साथ खेलने को फिटनेस मुद्दे के बजाय मैच की स्थिति से जोड़ते हुए कहा, नहीं, कोई चिंता की बात नहीं है। मैकडोनाल्ड ने एमसीजी में यादगार जीत के बाद कहा, मुझे लगता है कि लोगों ने शायद इस बारे में बहुत अधिक पढ़ा (चोट के बारे में) है।

हमने उन्हें उतनी बार गेंद के साथ खेलने की आवश्यकता नहीं बताई जितनी हमने सोची थी। उन्होंने आज फिर से गेंदबाजी की। उनकी गति 120 (किमी प्रति घंटे) के आसपास है। चोट की कोई चिंता नहीं है। मुझे लगता है कि इस कोण से इस तरह की बात करना थोड़ा अनुचित है। हमें किसी कारण से कुछ समय के लिए उसकी आवश्यकता नहीं पड़ी। मुझे लगता है कि हमने श्रृंखला में जितने ओवर गेंदबाजी की है, वह शायद हमारे लिए फायदेमंद होगा। फ्रंट-लाइन पेसर मिशेल स्टार्क की फिटनेस के कारण सिडनी टेस्ट के लिए उस स्थान को भरने के लिए तेज गेंदबाज झाई रिचर्डसन और सीन एबॉट ऑस्ट्रेलिया की टीम में हैं। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस और मैकडॉनल्ड को श्रृंखला के अंतिम मैच के लिए स्टार्क की उपलब्धता पर भरोसा है।

मैकडॉनल्ड ने कहा, पूरी श्रृंखला में यह अपेक्षाकृत हल्का रहा है, इसलिए मुझे उम्मीद है कि दोनों आक्रमण (अंतिम टेस्ट में) दबाव बनाने में सक्षम होने के लिए अच्छी स्थिति में होंगे। तो क्या इसका मतलब है कि आपको पांचवें गेंदबाज की आवश्यकता है? मुझे लगता है कि आपको अभी भी पांचवें गेंदबाज की आवश्यकता है। लेकिन क्या आप पांचवें गेंदबाज पर बहुत अधिक मांग करने जा रहे हैं, संभवतः नहीं। इस सीरीज में उनके सीमित योगदान के कारण मार्श की बल्लेबाजी में संघर्ष और भी बढ़ गया है। पिछले सीजन में ऑस्ट्रेलिया के सबसे बेहतरीन टेस्ट बल्लेबाज रहे एलन बॉर्डर मेडलिस्ट ने पाकिस्तान, वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ 6 में से चार जीत में अर्धशतक जड़े थे। लेकिन वे 10.42 की औसत से सिर्फ 73 रन ही बना पाए हैं। खास बात यह है कि इनमें से 47 रन पर्थ में दूसरी पारी में आए, जब मैच पहले ही हाथ से निकल चुका था। इसकी तुलना में चौथे टेस्ट के लिए बाहर किए गए नाथन मैकस्वीनी ने 14.40 की औसत से 72 रन बनाए। एक कठिन सीरीज और आत्म-संदेह के इतिहास के बावजूद कोच मैकडोनाल्ड ने मार्श की मौजूदा मानसिकता पर भरोसा जताया।

उन्होंने कहा, क्या वे बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे? इसमें कोई संदेह नहीं है। चार टेस्ट मैचों में वे उस स्तर पर प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं, जैसा वे और हम चाहते थे। लेकिन हां, वे आगे बढ़ रहे हैं। हमने अभी-अभी एक टेस्ट मैच जीता है। वह काफी अच्छे मूड में है। ऑस्ट्रेलिया ने रिचर्डसन को नए साल की पूर्व संध्या पर एडिलेड में पर्थ स्कॉर्चर्स के लिए बीबीएल मैच खेलने के लिए रिलीज किया। वह बुधवार को टीम में शामिल होंगे और चोटों के इतिहास के बावजूद कोच मैकडोनाल्ड ने आवश्यकता पड़ने पर खेलने के लिए उनकी तत्परता पर भरोसा जताया।

कोच ने कहा, बहुत आश्वस्त। वह किसी कारण से यहां है। इसलिए अगर हमें भरोसा नहीं होता, तो वह यहां नहीं होता। उसने हमारे साथ नेट्स में एक बहुत ही कठिन सप्ताह बिताया है। सभी संकेत हैं कि अगर उसे बुलाया जाता है तो वह 40 से अधिक ओवर गेंदबाजी करने में सक्षम होगा। सीन एबॉट भी वहां है। हमें लगता है कि (एससीजी) उसका घरेलू मैदान है, इसलिए अगर उसे बुलाया जाता है तो वह भी उपयोगी साबित होगा।

ऋषभ पंत के आलोचकों को संजय मांजरेकर का जवाब

नइदिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न टेस्ट में एक समय पर ड्रॉ के करीब दिख रही थी। हालांकि आखिरी सेशन में सात विकेट गंवाना के बाद टीम यह मैच गंवा बैठी। इस मैच में ऋषभ पंत को गलत शॉट खेलकर आउट होने के लिए आलोचना का शिकार होना पड़ा। उनके आउट होने के बाद ही ऑस्ट्रेलिया को मैच में वापसी का मौका मिला।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने ऋषभ पंत की समर्थन करते हुए कहा कि उनकी इस तरह की आलोचना नहीं होनी चाहिए।

सुनील गावस्कर ने ऋषभ पंत के आंकड़े गिनाए

संजय मांजरेकर ने एक्स पर लिखा, 'ऋषभ पंत की सिर्फ उनके फेल होने के लिए आलोचना होनी चाहिए इसलिए नहीं कि वह कैसे फेल हुए। टेस्ट में उनकी 42 की औसत है और कम से कम तीन शानदार पारियां खेलने वाले भारतीय है। 42 टेस्ट में उन्होंने 6 शतक लगाए हैं वहीं सात बार 90 से ज्यादा रन बनाकर आउट हुए। वह शानदार खिलाड़ी है लेकिन बस ज्यादा रन नहीं बना पा रहे हैं। बात बस यही है।'

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में नहीं चला था पंत का बल्ला

ऋषभ पंत का बल्ला बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में नहीं चला है। उन्होंने सात पारियों में 22 के औसत से केवल 154 रन बनाए हैं। मेलबर्न टेस्ट की पहली पारी में शनिवार को पंत ने स्कॉट बोलैंड की गेंद पर स्टंप्स के पार स्कूप शॉट लगाने का प्रयास किया लेकिन वह नाथन लियोन के हाथों में चला गया।

गावस्कर ने इस शॉट को खेलने के लिए ऋषभ पंत को बेवकूफ कहा था। उन्होंने कहा, 'यह तो अपना विकेट गंवाना जैसा है। वो भी तब जब टीम इन हालात में है। हालात को भी समझना चाहिए था। आप यह नहीं कह सकते कि यह आपका स्वाभाविक खेल है। यह आपका स्वाभाविक खेल नहीं है। यह बेवकूफाना शॉट था। आपने टीम को निराश किया है। उसे ड्रेसिंग रूम में नहीं जाना चाहिए। पंत को दूसरे ड्रेसिंग रूम में जाना चाहिए।'रोहित शर्मा ने कहा कि पंत को टीम की जरूरत समझनी चाहिए।

विनोद कांबली ने अस्पताल में किया नृत्य, वीडियो हुआ वायरल

ठाणे, एजेंसी। ठाणे जिले के एक अस्पताल में उपचार करा रहे विनोद कांबली का यहां नृत्य करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया जिससे इस पूर्व भारतीय क्रिकेटर के स्वास्थ्य में प्रगति का पता चलता है। भारत की तरफ से 17 टेस्ट और 104 वनडे खेलने वाले 52 वर्षीय कांबली को मूत्र संक्रमण और मांसपेशियों में ऐंठन की शिकायत के बाद 21 दिसंबर को भिवंडी शहर के काल्हेर इलाके में आकृति अस्पताल में भर्ती कराया गया।

कई तरह की चिकित्सा जांच के बाद उनके मस्तिष्क में थक्के का पता चला। कांबली का इलाज कर रहे डॉक्टरों ने सोमवार को कहा कि उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। इस वीडियो में अस्पताल में कांबली को पूरे जोश के साथ नाचते हुए दिखाया गया है, जो उनके स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण सुधार का संकेत देता है।

जसप्रीत बुमराह को मिलेगा क्रिकेट का सबसे बड़ा अवॉर्ड!

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में अपनी घातक गेंदबाजी से कहर बरपा रहे टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने साल का अंत भी शानदार अंदाज में किया है. मेलबर्न टेस्ट की दूसरी पारी में बुमराह ने 5 विकेट झटक लिए. सिर्फ ये टेस्ट ही नहीं, बल्कि इस पूरे साल बुमराह ने हर मोर्चे पर अपनी तूफानी गेंदों से बल्लेबाजों को मुश्किल में डाला है. इस शानदार प्रदर्शन का ही नतीजा है कि बुमराह को आईसीसी ने सबसे बड़े अवॉर्ड के लिए नामित किया है. स्टार पेसर को सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी के लिए शॉर्ट लिस्ट किया गया है, जो साल के बेस्ट क्रिकेटर को दी जाती है. इसके साथ ही उन्होंने एक खास उपलब्धि भी हासिल कर ली है. बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में अपने प्रदर्शन से बुमराह ने जमकर कहर बरपाया है. पर्थ, एडिलेड और ब्रिसबेन के बाद मेलबर्न में भी उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों की नाक में दम किया. हालांकि उनका ये प्रदर्शन भी टीम इंडिया को हार से नहीं बचा सका लेकिन स्टार गेंदबाज ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से पूरी दुनिया को प्रभावित किया है. इधर टीम इंडिया को

हार मिली, उधर आईसीसी ने बुमराह को क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड के दावेदारों में शामिल किया है. इसके अलावा बुमराह को टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर के लिए भी शॉर्ट लिस्ट किया गया है.

इस साल ऐसा रहा बुमराह का प्रदर्शन: बुमराह ने इस साल सिर्फ टेस्ट और टी20 फॉर्मेट के मुकाबलों में हिस्सा लिया और उनमें अपनी गेंदबाजी से टीम इंडिया को कई यादगार जीत दिलाई. टी20 वर्ल्ड कप 2024 में सबसे ज्यादा 15 विकेट लेकर उन्होंने टीम इंडियो को चैंपियन बनाया था. उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया था. वहीं टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड, बांग्लादेश, न्यूजीलैंड और अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी गेंदों का बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था. बुमराह ने साल का अंत सिर्फ 13 टेस्ट में 71 विकेट के साथ किया, जो इस साल सभी गेंदबाजों में सबसे ज्यादा है. उनका औसत भी 14.92 का रहा, जो इस खेल के इतिहास में सबसे शानदार रहा है.

क्या जीत पाएंगे सबसे बड़ा अवॉर्ड?

ऐसे में बुमराह इस अवॉर्ड को जीतने के सबसे बड़े दावेदार हैं. वो इस अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट होने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज हैं. हालांकि उनकी टक्कर जिन खिलाड़ियों से है, वो भी कम नहीं हैं. इसमें इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट भी हैं, जिन्होंने इस साल 17 टेस्ट में 55 की औसत से सबसे ज्यादा 1556 रन बनाए. वहीं ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रेविस हेड भी रेस में हैं. बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 9 टेस्ट में 40 की औसत से 608 रन और 15 टी20 इंटरनेशनल में 178 की स्ट्राइक रेट से 539 रन कूटे.

न्यूज बाइट्स

गृहस्वामी की सतर्कता चोरी का प्रयास विफल

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि.सं.)। रफीगंज प्रखंड के भदवा पंचायत के लोदीपुर गांव में सोमवार की रात गृहस्वामी की सतर्कता से चोरों की चोरी का प्रयास विफल हो गया। गृहस्वामी अवधेश कुमार सिंह ने बताया रात के 12:00 बजे के आसपास कुछ आवाज सुनाई दी तो वह अपने गौशाला में गए। देखा कि एक व्यक्ति मेरा भैंस खोल रहा है और एक व्यक्ति खड़ा है। मैंने डर कर शोर मचाया तो आसपास के लोग जुटे। लोगों को आते देख चोर भागने निकले। इसके बाद देखा कि सुरेंद्र सिंह का एक बछड़ा खुला हुआ है और मेरे दरवाजे के पास खड़ा है। चोर शोर सुनकर बछड़े को भी छोड़कर फरार हो गए। मामले की जानकारी स्थानीय पुलिस को भी दी गई है।

भाजपा नेता के निधन पर कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

हसपुरा (औरंगाबाद) (नि. सं.)। भाजपा हसपुरा मंडल के जैतपुर शक्ति केंद्र प्रमुख महुआड़ निवासी ईंद्रजीत शर्मा का हृदय गति रूकने से आकस्मिक निधन हो गया।अंम संस्कार मंगलवार को देवहरा में पुनपुन घाट पर किया गया। मुखाग्नि प्रथम पुत्र पंकज कुमार शर्मा ने दी। अंतिम यात्रा में पूर्व विधायक सह भाजापा के प्रदेश प्रवक्ता मनोज कुमार शर्मा के पीए मनीष पांडेय, जिला महामंत्री रविशंकर शर्मा, वरिष्ठ नेता मोहन शर्मा, मंडल अध्यक्ष विनोद कुमार शर्मा, चंद्रकांत मुन्ना, राज कुमार चंद्रवंशी, बबलू शर्मा, जिला प्रवक्ता सुनिल शर्मा, पूर्व अध्यक्ष अमन कुशवाहा, गोह मंडल अध्यक्ष उमेश प्रसाद, राजीव विद्यार्थी, श्रीकांत शर्मा, राजेश शर्मा, गया लाल पंडित सहित सैंकड़ों कार्यकर्ता तथा ग्रामीण शामिल रहें। अंत में उनकी आत्मा कि शांति हेतु दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।

प्रो. संजय सिंह यादव राजद शिक्षक प्रकोष्ठ के बने प्रदेश उपाध्यक्ष

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि. सं.)। रफीगंज के संजय सिंह यादव महाविद्यालय के अध्यक्ष प्रो. संजय सिंह यादव को राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद एवं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव के निर्देश पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने पार्टी के शिक्षा प्रकोष्ठ का प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। उपाध्यक्ष मनोनीत किये जाने पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार मिश्रा, सचिव कारू प्रसाद सिंह, पूर्व प्राचार्य रामचंद्र सिंह, प्रो. उमेश कुमार, प्रो. अभिनव यादव, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. विनय कुमार एवं अन्य शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मचारियों ने बधाई दी है।

मुखिया के कारनामों पर वार्ड सदस्यो ने बैठक कर जताई नाराजगी

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि. सं.)। रफीगंज के चेंव पंचायत के मुखिया के कारनामे से नाराज वार्ड सदस्यों ने मंगलवार को पंचायत भवन, सरावक में एकत्रित होकर विरोध जताया। उप मुखिया नरेश वर्मा सहित अन्य वार्ड सदस्यो ने बताया कि मुखिया द्वारा कार्यकारिणी की बैठक नही की जाती है। बैठक का दो रजिस्टर तैयार कर मुखिया अपने पास रखते है। बिचौलिए के द्वारा काम कराया जाता है। वार्ड सदस्यो का कहना है कि मुखिया सभी वार्ड सदस्यो के सहयोग से योजना का चयन करे।आवास सहायक एवं मनरेगा कर्मी मुखिया के इशारे पर काम करते है। मुखिया नुसरत जहां एवं प्रतिनिधि जैनुल अंसारी ने कहा कि वार्ड सदस्यो द्वारा लगाया गया आरोप बिल्कुल गलत है। कार्यकारिणी की बैठक बुलाई जाती है। सभी वार्ड सदस्यो को बुलाया जाता है। समय पर नही आते है। कुछ वार्ड सदस्य मनमाने तरीके से काम करने का दवाब डालते है। अधिकांश वार्ड सदस्य मनरेगा से काम कर रहे है। पंचायत में काम सुचारू ढंग से काम चल रहा है। इस अवसर पर वार्ड सदस्य मीना देवी, संगीता देवी, सुनीता देवी, सूरजमनी, कौशल्या देवी, दौलती देवी, नरेश कुमार वर्मा, विश्राम दास, अमित कुमार, मो. ईबरार आलम, मो. नसीम एवं दामोदर कुमार रजक मौजूद रहे।

सर्वर डाउन के कारण 135 शिक्षकों की काउंसलिंग प्रभावित, 48 शिक्षकों की हो पाई काउंसलिंग

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र पर मंगलवार को आयोजित दूसरे सक्षमता परीक्षा-दो उत्तीर्ण शिक्षकों की काउंसलिंग में एक अप्रत्याशित तकनीकी समस्या सामने आई। सर्वर डाउन होने के कारण काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी तरह से प्रभावित हो गई, जिसके परिणामस्वरूप केवल 48 शिक्षकों की ही काउंसलिंग पूरी हो सकी। यह समस्या उस समय सामने आई जब पहले स्लॉट में शिक्षकों की काउंसलिंग का कार्य समाप्त हुआ और दूसरे स्लॉट के शिक्षकों की काउंसलिंग शुरू होने वाली थी।

शुरुआत में काउंसलिंग के पहले स्लॉट में उर्दू और अन्य विषयों के शिक्षकों की काउंसलिंग की गई। सभी शिक्षकों ने निर्धारित समय पर अपनी उपस्थिति दर्ज की थी, लेकिन 12 बजे के बाद सर्वर में तकनीकी खामी आने के कारण दूसरे स्लॉट के शिक्षकों के लिए काउंसलिंग का काम रोकना पड़ा। इस कारण 135 शिक्षकों की काउंसलिंग जो दूसरे दिन के लिए निर्धारित थी, वे पूरी नहीं हो पाई और केवल 48 शिक्षकों की ही काउंसलिंग हो सकी। सर्वर डाउन होने की वजह से कई शिक्षक निराश हो गए। बारुण के सरोज कुमार, मदनपुर की शबाना प्रवीण, जम्होर के फारुख रशीद और जगाला के प्रवीण जैसे शिक्षक जिन्होंने सुबह 9 बजे से ही डीआरसीसी (डिस्ट्रीब्यूटेड रजिस्ट्रेशन एंड काउंसलिंग सेंटर) पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई थी, उन्हें इस अप्रत्याशित स्थिति का सामना करना पड़ा। इन शिक्षकों का कहना था कि वे पूरी तरह से तैयार थे और उन्होंने काउंसलिंग के लिए समय से पहले ही केंद्र पर पहुंचकर अपनी उपस्थिति दी थी। हालांकि, सर्वर के डाउन होने के कारण उनका समय व्यर्थ हो गया और उन्हें मायूस होकर घर लौटना पड़ा।

जिन शिक्षकों की काउंसलिंग दूसरे स्लॉट में नहीं हो पाई, उनके लिए जिला प्रशासन ने आश्वासन दिया कि उनकी काउंसलिंग बुधवार को की जाएगी। प्रशासन ने इस घटना के लिए खेद जताया और कहा कि तकनीकी समस्याओं का समाधान जल्द ही किया जाएगा ताकि बाकी शिक्षकों की काउंसलिंग प्रक्रिया बिना किसी और परेशानी के पूरी हो सके।

यह काउंसलिंग प्रक्रिया 30 दिसंबर से शुरू हुई थी और इसे 7 जनवरी तक जारी रखा जाएगा। प्रशासन ने उम्मीद जताई है कि इस दौरान तकनीकी समस्याओं को सुलझा लिया जाएगा और काउंसलिंग का कार्य बिना किसी और विघ्न के सुचारू रूप से चलता रहेगा। साथ ही, उन्होंने सभी शिक्षकों से अपील की कि वे काउंसलिंग के लिए निर्धारित तिथि और समय पर केंद्र पर उपस्थित हों ताकि कोई शिक्षक काउंसलिंग से वंचित न रहे।

सदर अस्पताल में अधेड़ की हुई मौत

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

मंगलवार दोपहर को औरंगाबाद सदर अस्पताल में एक अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई, जिसकी पहचान चौधरी नगर मुहल्ला निवासी विलास मेहता (56) के रूप में की गई है। परिजनों ने इस मौत का कारण ठंड को बताया है और शासन-प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। मृतक के परिजनों का कहना है कि रात के समय ठंड के कारण विलास मेहता की तबीयत बिगड़ गई थी, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी।

मृतक के परिजनों के अनुसार, विलास मेहता की तबीयत मंगलवार की सुबह अचानक खराब हो गई थी, और रातभर की सर्दी ने उनकी हालत और भी गंभीर कर दी। उनके शरीर में ठंड के कारण कमजोरी बढ़ गई थी, जिससे उनका स्वास्थ्य बिगड़ गया। अस्पताल में पहुंचने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इस घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राजद के पूर्व जिला प्रवक्ता डॉ. रमेश यादव ने कहा कि पिछले दो दिनों से ठंड में लगातार वृद्धि हो रही थी, जिससे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि यह आशंका जताई जा रही है कि इस ठंड के कारण ही अधेड़ की जान गई हो। हालांकि, अस्पताल प्रशासन ने अभी तक ठंड को मौत का कारण मानने की पुष्टि नहीं की है। यदि जांच में यह पाया जाता है कि मृतक की मौत ठंड से हुई है, तो यह जिले में इस सर्दी के मौसम में ठंड से हुई पहली मौत का मामला होगा। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि वे मामले की जांच कर रहे हैं और सभी पहलुओं पर विचार कर रहे हैं।

इस बीच, मृतक के परिवार ने इस घटना को लेकर प्रशासन से मुआवजे की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों से बचा जा सके और जरूरतमंदों को समय पर सहायता मिल सके। यह घटना ठंड के प्रभाव से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता को और अधिक बल देती है।

21 लीटर देसी-विदेशी शराब बरामद, धंधेबाज गिरफ्तार

निज संवाददाता | गोह (औरंगाबाद)

गोह थाना क्षेत्र के अजान गांव में गोह पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की, जिसमें उन्हें भारी मात्रा में शराब मिली। पुलिस ने मधेश्वर मिस्त्री के पुत्र सुजीत कुमार के घर से 15 लीटर महुआ शराब और 6 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की। इसके साथ ही पुलिस ने शराब की तस्करी के आरोपी सुजीत कुमार को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक अन्य आरोपी मुनीब साव फरार हो गया। इस मामले में एएसआई शिवपूजन यादव के बयान पर गोह थाना में कांड संख्या 383/24 दर्ज किया गया, जिसमें मुनीब साव और सुजीत कुमार को आरोपी बनाते हुए सुजीत कुमार को जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने इस कार्रवाई को शराब तस्करी के खिलाफ अपनी मुहिम का हिस्सा बताते हुए और भी छापेमारी करने की बात की है, ताकि इस अवैध कारोबार पर पूरी तरह से नियंत्रण पाया जा सके।

दो बाइकों की टक्कर में महिला और उसके पुत्र समेत चार घायल

औरंगाबाद (एसवीवी सं.)। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-139 पर औरंगाबाद मुफस्सिल थाना क्षेत्र के चतरा मोड़ के पास मंगलवार दोपहर को दो बाइकों के बीच भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में एक महिला और उसके पुत्र समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी तेज थी कि सभी घायलों को तुरंत स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। हादसे के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, महिला अपने पुत्र के साथ नबीनगर के टंडवा से देव जा रही थी। जैसे ही उनकी बाइक चतरा मोड़ के पास पहुंची, सामने से एक बाइक आई और दोनों बाइकों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस टक्कर में बाइक सवार महिला, उसके पुत्र और दोनों बाइक सवार युवक घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने घायलों की मदद की और उन्हें पास के सदर अस्पताल पहुंचाया। महिला और उसके बेटे को प्राथमिक उपचार दिया गया, जबकि बाइक सवार दो युवकों की हालत गंभीर देखी गई। अस्पताल के डॉक्टरों ने दोनों युवकों को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। घायलों के इलाज के दौरान अस्पताल प्रशासन ने कहा कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल थे, इसलिए उन्हें उच्चतम इलाज के लिए शहर के एक बड़े अस्पताल भेजा गया है। फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर दोनों बाइकों को जब्त कर लिया और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

सेवानिवृति पर समारोह आयोजित कर दी गई शिक्षिका को भावभीनी विदाई

निज संवाददाता | हसपुरा(औरंगाबाद)

हसपुरा प्रखंड के महुली स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय में पदस्थापित वरिष्ठ शिक्षिका प्रमिला कुमारी को सेवानिवृति पर समारोह आयोजित कर भावभीनी विदाई दी गई।विदाई समारोह की अध्यक्षता स्कूल के प्रधानाध्यापक शशिरंजन ने की जबकि संचालन शिक्षक रवि कुमार एवं शिक्षिका मनीषा कुमारी ने किया। इस मौके पर विद्यालय परिवार की ओर से उन्हे प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो, बुके एवं शॉल देकर सम्मानित किया गया। वहीं शिक्षकों, शिक्षिकाओं, रसोईकर्मी एवं बच्चों ने भी उन्हे उपहार देकर विदाई दी। कार्यक्रम में पत्रकार संघ की ओर से उन्हे अशोक का पौधा भेंट किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अशोक कुमार ने कहा कि सकारात्मक सोच के साथ किया गया काम हमेशा प्रशंसनीय होता है। प्रमिला कुमारी इस विद्यालय की आत्मा के रुप में दिखती रहीं थीं। ऐसी शिक्षिका की विदाई सभी को खलती है। वही वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. अलखदेव प्रसाद अचल ने कहा कि प्रमिला कुमारी अपने विद्यालय के प्रति एक निष्ठावान, कर्तव्यनिष्ठ शिक्षिका के रूप में जानी जाती रही हैं। विदाई समारोह में कुछ अन्य वक्ताओं ने प्रमिला कुमारी के कुशल क्रियाकलापों की प्रशंसा की, तो शिक्षक समुन्दर सिंह, सुधीर सिंह ने कविता सुनाई। वहीं शिक्षक मनोज मंजुल एवं कक्षा छः की छात्रा मुनीबा, साईबा ने विदाई गीत गाए। कार्यक्रम को वरिष्ठ पत्रकार शंभूशरण सत्यार्थी, सत्येन्द्र यादव, भूमिदाता धर्मदेव सिंह, अवकाश प्राप्त शिक्षक रामस्वरूप सिंह, अवधेश प्रसाद सिंह सहित कई लोगों ने संबोधित किया।

मध्य बिहार से प्रकाशित 'सोन वर्षा वाणी' हिंदी दैनिक के 26वें स्थापना दिवस एवं नव वर्ष २०२५ की हार्दिक शुभकामानाएं
Oxygen Trauma & Multispeciality Hospital
आक्सीजन ट्रामा एंड मल्टीस्पेशलिटी हास्पिटल
गॉधी सेतु से पश्चिम, कुम्हरार ब्रीज से उत्तर, बिस्कोमान गोलम्बर, पटना- 800 007
Contact : 7667868801, 9334868825
E-mail : oxygenhospital2013@gmail.com
Website : www.oxygenhospital.in
FACILITIES WE PROVIDE
- 24X7 EMERGENCY SERVICES
- 24X7 AMBULANCE SERVICES
- 24X7 PATHOLOGY & LAB. FACILITY
- 24X7 ULTRASOUND & COLOR DOPPLER
- 24X7 DIGITAL X-RAY
- 24X7 PHARMACY
- 24X7 BILLING FACILITY
- DRESSING ROOM/PLASTER ROOM
- CENTRAL OXYGEN SUPPLY
- SPACIOUS OT COMPLEX
- HIGHLY EXPERIENCED STAFF.
- DAY CARE
- ICU
- CAFETERIA
- VIP, SUITE, AC & NON AC ROOMS
- HEALTH CHECK-UP & CAMPS
DR. PRAVIN KUMAR
M.S. (Ortho) M.Ch. (Ortho) F.I.M.S. (USA)
Consultant Orthopedic & Spine Surgeon
Associate Prof. Orthopedics N.M.C.H.
DR. RAJNI KUMARI
MBBS (M.U.) FCGP
Consultant in Obs & Gyne

नववर्ष 2025 की हार्दिक शुभकामनाएं
डा. निर्मल कुमार सिंह
वरीय जदयू नेता
माता देवरानी चिकित्सालय
डेहरी ऑन सोन (रोहतास)
गरीब मरीजों का ईलाज बहुत ही कम खर्च में किया जाता है।

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
शशि कुमारी
सभापति
नगर परिषद्
डिहरी- डालमियानगर, जि. रोहतास

नववर्ष 2025 की हार्दिक शुभकामनाएं
पॉपुलर मेडिकल हॉल
ओल्ड जी.टी. रोड, मुख्य बाजार, औरंगाबाद
अंग्रेजी दवा के विक्रेता
प्रो. प्रकाश सिन्हा

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
Keshav
AN ISO 9001 : 2008 Company
u PVC Pipe & Filters
- CASSING PIPE FOR BOREWELL
- SWR PIPE
- PVC RIBBED FILTER
- COLUMN PIPE PLUMBING PIPE
- CONDUIT PIPE FOR ELECTRIC WIRING
- HDPE PIPE
Our Product
KESHAV INDUSTRIES
C-33, Industrial Area, Patliputra, Patna, Bihar & 800013
For Buisness Enquiries:
Website : www.keshavindusties.in
Email : kikeshav1@gmail.com
डीलरशीप हेतु सम्पर्क करें।
9113746514
सुनील गुप्ता
निदेशक

नववर्ष 2025 की हार्दिक शुभकामनाएं
विपुल कुमार
प्रखंड प्रमुख
प्रखंड -दाउदनगर (औरंगाबाद)

नववर्ष 2025 की हार्दिक शुभकामनाएं
रूपांजली कुमारी
जिला पार्षद
ओबरा (औरंगाबाद)
निवेदक
शिव प्रकाश कुमार

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
VIVEKANAND VIP SCHOOL
BIGNANIKANAGAR YARI, DEO- ANANDPURA ROAD
AURANGABAD (BIHAR)
(Affiliated to CBSE, Delhi upto 10+2 in Science & Commerce)
ADMISSION OPEN
ATAL TINKERING LAB
Session (2025-2026)
CLASS NURSERY TO CLASS IX
» SMART CLASSROOM » PLAY ZONE
» COMPUTER LAB » LIBRARY
» LABORATORIES » AUDITORIUM
» MOBILE APPLICATION » WI-FI CAMPUS
9934640560, 7033826665
www.vivekanandvipschool.org

नववर्ष 2025 की हार्दिक शुभकामनाएं
कुमार शैलेन्द्र
कार्यक्रम पदाधिकारी (मनरेगा)
प्रखंड -देव (औरंगाबाद)